हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 201, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 22 जनवरी, 2024 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

प्राण प्रतिष्ठा से पहले मंगल ध्वनि : मंदिर प्रांगण में दो घंटे गूंजेगी पखावज, बांसुरी और ढोलक की स्वर लहरी

50 से अधिक मनोरम वाद्ययंत्र, विभिन्न राज्यों से लगभग 2 घंटे तक इस शुभ घटना के साक्षी बनेंगे

अयोध्या। भक्ति भाव से विभोर अयोध्या धाम में आज (सोमवार) को श्री राम जन्मभूमि पर होने वाली प्राण प्रतिष्ठा समारोह की शुरूआत मंगल ध्वनि से होगी। 50 से अधिक मनोरम वाद्ययंत्र, विभिन्न राज्यों से लगभग 2 घंटे तक इस शुभ घटना के साक्षी बनेंगे। यह भव्य संगीत कार्यक्रम हर भारतीय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर का प्रतीक होगी, जो प्रभु श्री राम के सम्मान में विविध परंपराओं को एकजुट करने का कार्य करेगी। इस मांगलिक संगीत कार्यक्रम के परिकल्पनाकार और संयोजक यतीन्द्र मिश्र हैं, जो प्रख्यात लेखक, अयोध्या संस्कृति के जानकार और कलाविद है। इस कार्य में उनका सहयोग केंद्रीय संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली ने किया है।

मुहूर्त से ठीक पहले होगा वादन- श्रीरामजन्मभूमि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के पुनीत और ऐतिहासिक अवसर पर प्रातः 10 बजे से प्राण- प्रतिष्ठा मुहूर्त के ठीक पहले तक, लगभग 2 घण्टे के लिए श्रीरामजन्मभूमि मन्दिर में शुभ की प्रतिष्ठा के लिए 'मंगल ध्वनि का आयोजन किया जाएगा। श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि हमारी भारतीय संस्कृति की परम्परा में किसी भी शुभ कार्य, अनुष्ठान, पर्व के अवसर पर देवता के सम्मुख आनन्द और मंगल के लिए पारम्परिक ढंग से मंगल- ध्वनि का विधान रचा गया है।

इसी सन्दर्भ में प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा का यह अवसर, प्रत्येक भारतवासी के लिए शताब्दियों में होने वाला ऐसा गौरव का क्षण है, जब हम सम्पूर्ण भारत के विभिन्न अंचलों और राज्यों से वहां के पारम्परिक वाद्यों का वादन यहां श्रीरामलला के सम्मुख करने जा रहे हैं। विभिन्न राज्यों के पच्चीस प्रमुख और दुर्लभ वाद्य यन्त्रों के मंगल वादन से अयोध्या में ये प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न होगा। इसे उन वादों के दक्ष कलाकार प्रस्तुत करेंगे।

इन राज्यों के प्रमुख वाद्यों का होगा वादन- भारतीय परंपरा के वादन में जितने प्रकार के वाद्ययंत्र हैं, सभी का मंदिर प्रांगण में वादन होगा। इनमें उत्तर प्रदेश का पखावज, बांसुरी, ढोलक, कर्नाटक का वीणा, महाराष्ट्र का सुंदरी, पंजाब का अलगोजा, ओडिशा का मर्दल, मध्यप्रदेश का संतूर, मणिपुर का पुंग, असम का नगाड़ा और काली, छत्तीसगढ़ का तंबूरा, बिहार का पखावज, दिल्ली की शहनाई, राजस्थान का रावणहत्था, बंगाल का श्रीखोल, सरोद, आंध्र का घटम, झारखंड का सितार, गुजरात का संतार, तमिलनाडु का नागस्वरम,तविल, मृदंग और उत्तराखंड का हुड़का, ऐसे वाद्ययंत्रों का वादन करने वाले अच्छे से अच्छे वादकों का चयन किया गया है। ये वादन ऐसे समय में चलेगा जब प्राण प्रतिष्ठा का मंत्रोच्चार और देश के नेतृत्व का उद्बोधन नहीं हो रहा होगा। महत्वपूर्ण की बात ये है कि ऐसे श्रेष्ठ लोग यहां स्वयं प्रेरणा से आ रहे हैं।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर बोले जगद्गुरु रामभद्राचार्य - 'यह जीवन का सबसे मधुरतम क्षण'

अयोध्या। प्रभु श्रीराम अपनी नगरी अयोध्या में विराजमान होकर अब अपने भक्तों को जल्द ही दर्शन देंगे। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का आज पांचवा दिन है। आज से अस्थायी गर्भगृह में रामलला के दर्शन नहीं हो पाएंगे। अब 22 जनवरी को होने वाले भव्य कार्यक्रम के बाद प्रभु श्रीराम अपने भक्तों को 23 जनवरी से दर्शन देंगे। अयोध्या में आज इतिहास रचा जायेगा। जिस दिन का सभी सनातनियों को अरसों से इंतजार था, वो दिन बस आ ही गया। अयोध्या में भव्य राम मंदिर में अब प्रभु विराजमान होकर अपने भक्तों को दर्शन देंगे। अब अस्थायी गर्भगृह में रामलला के दर्शन नहीं होंगे। अब 23 जनवरी से दोबारा दर्शन आरंभ होगा, लेकिन नवनिर्मित भव्य दिव्य राममंदिर में। वैकल्पिक गर्भगृह में विराजमान रामलला को नवनिर्मित राममंदिर के गर्भगृह में स्थानांतरित किया जाएगा। इसके लिए स्वर्ण मंडित आधार तैयार किया गया है।

प्राण प्रतिष्ठा ही नहीं पीएम मोदी का भी होगा भव्य स्वागत, यूपी के संस्कृति विभाग ने की खास तैयारी

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 दिसंबर 2023 को रामनगरी आए थे तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उनका अभूतपूर्व स्वागत किया गया। 22 जनवरी 2024 को वह अद्भुत क्षण होगा, जिसका 500 वर्षों से इंतजार था, लिहाजा आयोजन भी दिव्यतम होगा। इसे देखते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसे भव्यतम बनाने का निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री के स्वागत को लेकर उप्र संस्कृति विभाग ने सारी तैयारी कर ली है। संस्कृति विभाग द्वारा तैयार किया गए 100 मंचों पर 2500 लोक कलाकार सांस्कृतिक शोभायात्रा के सारथी बनेंगे और नृत्य-गायन-वादन की अनेक विधाओं के जरिए कलियुग की अयोध्या में त्रेतायुग सा दीदार कराएंगे। रामनगरी में 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में रामलला अपने दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। प्रधानमंत्री के आगमन पर उनका भव्य स्वागत होगा। यहां 100 मंचों पर 2500 कलाकार भव्य सांस्कृतिक शोभायात्रा के सारथी बनेंगे। 21 जनवरी को इसका पूर्वाभ्यास भी किया गया। 100 स्थानों पर कलाकार भारतीय संस्कृति की खुशबू अपनी प्रस्तुति से बिखेरेंगे। इनमें एयरपोर्ट के गेट नंबर-3 के सामने, गुरुदेव पैलेस के सामने, दिशा कोचिंग के सामने, जीवन साथी मैरिज लॉन, साकेत पुरी मोड़, महोबरा ब्रिज से पहले और बाद, महेश योगी रामायण के सामने, सूर्या पैलेस होटल, मल्टीलेवल पार्किंग जानकी रसोई, साकेत पेट्रोल पंप, धर्मपथ से लता चौक की तरफ, लता चौक से श्रीराम पथ की तरफ, रामजन्मभूमि गेट नंबर-एक के सामने, अरुंधति कॉम्पलेक्स से एलईडी वॉल के बगल में टेढ़ी बाजार चौराहे तक, साकेत डिग्री कॉलेज के गेट नंबर-1 के सामने, सर्किट हाउस गेट के बगल में, रामपथ प्रारंभ, पराग डेयरी, श्रीराम मंदिर गेट से लता चौक की तरफ, होटल राजा राम पैलेस समेत 100 मंचों पर कार्यक्रम होगा। रामनगरी में सिर्फ अवध ही नहीं, बल्कि पूरा उत्तर प्रदेश नजर आएगा। वाराणसी के मोहित चौरसिया, राजेश उपाध्याय, दीपक शर्मा डमरू वादन से जहां रामनगरी में काशी की महिमा के जरिए अपने सांसद का स्वागत करेंगे तो अयोध्या के राजीव लोचन मिश्र शंख वादन से अतिथि देवो भवः की परंपरा का साक्षात्कार कराएंगे। गाजीपुर के सल्टू राम, संजय कुमार, आजमगढ़ के सुनील कुमार, मुन्ना लाल मंचों पर धोबिया लोकनृत्य की बहार बहाएंगे। गोरखपुर के छेदी यादव, रामज्ञान, विंध्याचल आजाद फरुआही नृत्य से माटी की खुशबू बिखरेंगे तो गोरखपुर की ही सुगम सिंह शेखावत व राकेश कुमार टीम के साथ वनटांगिया जनजातीय लोकनृत्य का दीदार कराएंगी। लखनऊ की जूही कुमारी अवधी, मानसी विष्ट उत्तरांचल के नृत्य से अभ्यागतों का स्वागत करेंगे। मथुरा के खजान सिंह व महिपाल बम रसिया तो राजेश शर्मा-मणिका, माधव आचार्य, गीतकृष्ण शर्मा मयूर लोकनृत्य से ब्रज की खुशबू से अवध को महकाएंगे। झांसी के प्रदीप सिंह भदौरिया की टीम राई लोकनृत्य प्रस्तुत करेगी। सोनभद्र के कतवारू मादल वादन तो महेंद कर्मा आदिवासी नृत्य पेश करेंगे।

जेपी नड्डा ने प्रवासी भारतीयों को अयोध्या आने के लिए किया आमंत्रित, बोले- सदियों के संघर्षों के बाद घर लौटेंगे भगवान राम

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को एक ऐतिहासिक अवसर बताया। उन्होंने प्रवासी भारतीयों को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि हम 22 जनवरी को सबसे प्रतीक्षित क्षण के गवाह बनने जा रहे हैं। हमारे भगवान राम सदियों के संघर्षों के बाद घर लौटेंगे। सत्य की जीत हुई है। देशभर के मंदिरों को सजाया गया है, जिससे एक जीवंत उत्सव का माहौल बन रहा है। यह ऐतिहासिक अवसर हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत में एक मील का पत्थर है। वह प्रवासी भारतीयों को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। नड्डा ने कहा कि मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि आप दुनिया में जहां भी हों, वहां से इस महत्वपूर्ण उत्सव का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इसमें भारतीय प्रवासियों ने अमूल्य योगदान दिया है और वे दुनियाभर में हमारी संस्कृति और मूल्यों के वाहक हैं। इस दौरान उन्होंने मोदी सरकार की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा ने एनआरआइ फार नमो अगेन अभियान शुरू किया है। मैं आप सभी से लोकतंत्र के इस सबसे बड़े त्योहार में भाग लेने और योगदान देने की अपील करता हूं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आपने दुनियाभर में भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आपकी उपलब्धियों और उत्कृष्टता ने न केवल हमें गौरवांवित किया है, बल्कि युवा पीढ़ी को भी प्रेरित किया है। वैश्विक संपर्क के साथ जड़ों से आपका जुड़ाव भारत और दुनिया के बीच सांस्कृतिक और राजनयिक संबंधों को बढ़ावा देने वाला एक पुल बन गया है। मोदी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। उन्होंने देश को विकसित और समृद्ध राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल किया है। भाजपा विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

लक्षद्वीप के बाद पीएम मोदी ने फिर घरेलू पर्यटन बढ़ाने पर दिया जोर, देशवासियों से किए ये नौ आग्रह

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को गुजरात के खोडलधाम ट्रस्ट कैंसर अस्पताल के शिलान्यास कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। इस दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा 'यह मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है कि मैं खोडलधाम की पवित्र धरती और इसके श्रद्धालुओं से जुड़ रहा हूं। समाज कल्याण के लिए श्री खोडलधाम ट्रस्ट आगे आया है। आज से यहां अमरेली में कैंसर अस्पताल और रिसर्च सेंटर का काम शुरू हो रहा है।' इस दौरान पीएम मोदी ने जनता से नौ आग्रह भी किए, जिनमें घरेलू पर्यटन को बढ़ाने समेत कई अपील की गईं थी।

प्रधानमंत्री ने किए ये नौ आग्रह- कार्यक्रम में अपने संबोधन में पीएम मोदी ने लोगों से नौ आग्रह किए, जिनके तहत लोगों से पीएम मोदी ने अपील की कि-

वह पानी की एक-एक बूंद बचाने और पानी संरक्षण के लिए लोगों को जागरुक करें।

गांव स्तर पर भी लोगों को डिजिटल ट्रांजैक्शन के लिए प्रेरित करें।

गांवों-कस्बों और शहरों को साफ रखें।

स्थानीय उत्पादों और मेक इन इंडिया उत्पादों को प्रोत्साहित करें।

देश में घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहित करें।

किसानों में जैविक खेती को बढ़ावा दें।

श्री अन्न को अपनी रोजाना की डाइट में शामिल करें।

साथ ही प्रधानमंत्री ने लोगों से फिट रहने और किसी भी तरह के नशे से दूर रहने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार कैंसर के मरीजों के लिए परेशानी मुक्त इलाज सुनिश्चित कर रही है। बीते नौ सालों में देश में करीब 30 नए कैंसर अस्पताल विकसित किए गए हैं। 10 नए कैंसर अस्पतालों में काम चल रही है।

तेज रफ्तार का कहरः स्कार्पियो ने मां बेटे को कुचला, मौत

खेतासराय (जौनपुर)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जापटापुर बाजार में तेज रफ्तार से जौनपुर शहर की तरफ जा रही स्कार्पियो ने एक मां बेटे को कुचलते हुए घसीट दिया । जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौका पाकर स्कॉर्पियो फरार हो गई। हादसे को लेकर बाजार वासियो में काफी आक्रोश है जानकारी के अनुसार जौनपुर शाहगंज मार्ग पर जापटापुर बाजार में राधेश्याम जयसवाल की पुत्री 45 वर्षीय चंद्रकला जायसवाल, अपने 15 वर्षीय बेटे राज जायसवाल के साथ सड़क क्रॉस करके शाहगंज के लिए जाना चाह रही थी । इसी दौरान शाहगंज की ओर से तेज रफ्तार से आ रही स्कार्पियो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दिया। स्कॉर्पियो से टक्कर लगने के बाद वह छिटक कर 25 फीट दूर जा गिरी, उसके बाद दोबारा स्कॉर्पियो महिला की बॉडी से चढ़ाते हुए 50 मीटर तक घसीट दिया। आरोपी स्कार्पियो जौनपुर शहर की तरफ फरार हो गई । वहां के लोगों ने तुरंत स्कॉर्पियो का नंबर नोट कर लिया ।अधमरे मां बेटे को वहा मौजूद आलोक मिश्रा की गाड़ी से लोग अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने दोनो को मृत घोषित कर दिया। उधर बाजार वासियो में आक्रोश देखते हुए मौके पर पुलिस पहुंच गई । शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।बता दें कि चंद्रकला अपने मायके में ही रह रही थी । वह सिलाई कढ़ाई की दुकान चलाती थी । जब कि मृतका के पास दो बेटे मे एक 20 वर्षीय बेटा है जो कोलकाता में नौकरी करता है। पति अमित दिल्ली में नौकरी करते है । वही पुलिस फरार स्कॉर्पियो की तलाश में जुट गई है । आक्रोशित लोगों को पुलिस ने समझा बुझाकर शांत कराया।

सीसीटीवी में कैद हुई दिल दहला देने वाली घटना

'विदेशी नंबर से आए कॉल तो हो जाएं सतर्क..', ऑनलाइन जालसाजों को लेकर गृह मंत्रालय का अलर्ट

नई दिल्ली। सोशल मीडिया मैसेजिंग प्लेफॉर्म व्हाट्सएप पर होने वाले कई घोटालों के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले पुलिस थिंक टैंक ने सलाह और चेतावनी जारी की है। ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (बीपीआरडी) ने सात तरह की ऐसी धोखाधड़ी की पहचान की है। जिसमें मिस्ड कॉल, वीडियो कॉल, नौकरी की पेशकश और निवेश योजनाओं के नाम पर धोखाधड़ी, अपहरण और स्क्रीन शेयर शामिल हैं। आठ पेज की एडवाइजरी में कहा गया कि हाइजैकिंग घोटाले के हिस्से के रूप में घोटालेबाज पीड़ित के व्हाट्सएप खाते तक अनधिकृत पहुंच बनाते हैं और उनसे संपर्क कर पैसे की डिमांड करते हैं। यहां तक कि कुछ लोगों को अज्ञात नंबरों से व्हाट्सअप वीडियो कॉल भी आते हैं, आपत्तिजनक वीडियो बनाकर धमकाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही ब्लैकमेल के बदले पैसे मांगते हैं। बीपीआरडी गृह मंत्रालय के तहत पुलिसिंग विषयों पर एक थिंक टैंक है। गौरतलब है कि प्रौद्योगिकी प्रमुख मेटा के स्वामित्व वाले प्लेटफॉर्म द्वारा लाए गए सुरक्षा सुविधाओं के बारे में जनता को विज्ञापन देने के लिए हाल ही में कई संदेश अभियान शुरू किए हैं। बीपीआरडी ने कहा कि ज्यादातर वियतनाम, केन्या, इथियोपिया और मलेशिया से संबंधित देश कोड से शुरू होने वाले नंबरों से किए गए मिस्ड कॉल के जरिए हैकर्स उपयोगकताओं को ढूंढने के लिए 'कोड स्क्रिप्टेड बॉट' का उपयोग करते हैं और फिर उन्हें विभिन्न साइबर खतरों के लिए लक्षित करते हैं। खास बात है कि घोटाले बाज एक फ्रॉड कॉल करके सीईओ या वरिष्ठ अधिकारी होने का दावा करते हैं, जिसके कारण पीड़ित व्यक्ति झांसे में आकर वित्तीय लेन-देन में फंस जाता है। जालसाज अपने सोशल मीडिया हैंडल पर सर्फिंग करके उन व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त करते हैं और उनके नाम की एक प्रोफाइल बनाते हैं।

'अनेक युद्ध, संघर्ष और बलिदान हुए लेकिन राम जन्मभूमि का मुद्दा हिंदुओं के मन में बना रहा' : भागवत

नई दिल्ली। हमारे भारत का इतिहास पिछले लगभग डेढ़ हजार वर्षों से आक्रांताओं से निरंतर संघर्ष का इतिहास है। आरंभिक आक्रमणों का उद्देश्य लूटपाट करना और कभी-कभी (सिकंदर जैसे आक्रमण) अपना राज्य स्थापित करने के लिए होता था। परंतु इस्लाम के नाम पर पश्चिम से हुए आक्रमण यह समाज का पूर्ण विनाश और अलगाव ही लेकर आए। देश समाज को हतोत्साहित करने के लिए उनके धार्मिक स्थलों को नष्ट करना अनिवार्य था, इसलिए विदेशी आक्रमणकारियों ने भारत में मंदिरों को भी नष्ट कर दिया। ऐसा उन्होंने एक बार नहीं बल्कि अनेकों बार किया। उनका उद्देश्य भारतीय समाज को हतोत्साहित करना था ताकि भारतीय स्थायी रूप से कमजोर हो जाएँ और वे उन पर अबाधित शासन कर सकें। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का विध्वंस भी इसी मनोभाव से, इसी उद्देश्य से किया गया था। आक्रमणकारियों की यह नीति केवल अयोध्या या किसी एक मंदिर तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए थी। भारतीय शासकों ने कभी किसी पर आक्रमण नहीं किया, परन्तु विश्व के शासकों ने अपने राज्य के विस्तार के लिए आक्रामक होकर ऐसे कुकृत्य किये हैं। परंतु इसका भारत पर उनकी अपेक्षानुसार वैसा परिणाम नहीं हुआ जिसकी आशा वे लगा बैठे थे। इसके विपरीत भारत में समाज की आस्था निष्ठा और मनोबल कभी कम नहीं हुआ, समाज झुका नहीं, उनका प्रतिरोध का जो संघर्ष था वह चलता रहा। इस कारण जन्मस्थान बार-बार पर अपने आधिपत्य में कर, वहां मंदिर बनाने का निरंतर प्रयास किया गया। उसके लिए अनेक युद्ध, संघर्ष और बलिदान हुए। और राम जन्मभूमि का मुद्दा हिंदुओं के मन में बना रहा। 1857 में विदेशी अर्थात ब्रिटिश शक्ति के विरुद्ध युद्ध योजनाएं बनाई जाने लगी तो उसमें हिंदू और मुसलमानों ने मिलकर उनके विरुद्ध लड़ने की तैयारी दर्शाई और तब उनमें आपसी विचार-विनिमय हुआ और उस समय गौझहत्या बंदी और श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति के मुद्दे पर सुलह हो जायेगी, ऐसी स्थिति निर्माण हुई। बहादुर शाह जफर ने अपने घोषणापत्र में गौहत्या पर प्रतिबंध भी शामिल किया। इसलिए सभी समाज एक साथ मिलकर लड़े। उस युद्ध में भारतीयों ने वीरता दिखाई लेकिन दुर्भाग्य से यह युद्ध विफल रहा, और भारत को स्वतंत्रता नहीं मिली, ब्रिटिश शासन अबाधित रहा, परन्तु राम मंदिर के लिए संघर्ष नहीं रुका। अंग्रेजों की हिंदू मुसलमानों की "फूट डालो और राज करो" की नीति के अनुसार, जो पहले से चली आ रही थी और इस देश की प्रकृति के अनुसार अधिक से अधिक सख्त होती गई। एकता को तोड़ने के लिए अंग्रेजों ने संघर्ष के नायकों को अयोध्या में फांसी दे दी और राम जन्मभूमि की मुक्ति का प्रश्न वहीं का वहीं रह गया। राम मंदिर के लिए संघर्ष जारी रहा। 1947 में देश को स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जब सर्वसम्मति से सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया तभी ऐसे मंदिरों की चर्चा शुरू हुई। राम जन्मभूमि की मुक्ति के संबंध में ऐसी सभी सर्वसम्मति पर विचार किया जा सकता था, परंतु राजनीति की दिशा बदल गयी।

पीएम मोदी की लीडरशिप और मेहनत का परिणाम है राम मंदिर', प्राण प्रतिष्ठा से पहले प्रधानमंत्री के कायल हुए न्यूजीलैंड के मंत्री

नई दिल्ली। राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या दुल्हन की तरह सज चुकी है। अयोध्या में होने वाले भव्य कार्यक्रम को लेकर दुनियाभर के देशों से बधाई संदेश भी आ रहे हैं। इस बीच न्यूजीलैंड के कई मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई संदेश भेजे हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह पीएम मोदी का ही नेतृत्व था, जिसके कारण 500 साल के लंबे इंतजार के बाद राम मंदिर का निर्माण संभव हो सका है। न्यूजीलैंड के विनियमन मंत्री डेविड सेमोर ने कहा कि मैं पीएम मोदी सहित भारत में सभी को बधाई देना चाहता हूं, क्योंकि उनके नेतृत्व में 500 साल बाद राम मंदिर का निर्माण संभव हो पाया। यह मंदिर भव्य है और 1000 सालों तक के लिए बनाया गया है। विनियमन मंत्री डेविड सेमोर ने कहा कि मुझे राम मंदिर का दौरा करने में खुशी होगी। मैं पीएम मोदी के साहस और ज्ञान की कामना करता हूं क्योंकि वह भारत में एक अरब से अधिक लोगों की मदद दुनिया की चुनौतियों से निपटने में करते हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड की जातीय समुदाय मंत्री मेलिसा ली ने भी राम मंदिर के निर्माण को लेकर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि राम मंदिर पीएम मोदी के नेतृत्व और कार्य का परिणाम है। मैं दुनिया भर के भारतीय प्रवासियों को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के जश्न के लिए शुभकामनाएं देती हूं।

संपादकीय

तनाव घटाने की कोशिश

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से देश में कोचिंग सेंटरों के लिए जो नई गाइडलाइन जारी की गई है, उसे सही दिशा में उठाया गया कदम कहा जा सकता है। इसका मकसद कोचिंग सेंटरों के रेगुलेशन का स्टैंडर्ड सेट करना बताया गया है। भारत में स्टूडेंट्स जिस तरह के तनाव से गुजरते हैं, उसका अंदाजा उनकी खुदकुशी के आंकड़ों से हो जाता है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक, 2019 से 2021 के बीच ही 35,000 से ज्यादा स्टूडेंट्स ने खुदकुशी की। अफसोस की बात यह है कि खुदकुशी करने वालों की संख्या साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। 2019 में स्टूडेंट्स की खुदकुशी की जो संख्या 10,335 थी, वह 2020 में 12,526 हो गई और 2021 में बढ़कर 13,089 तक जा पहुंची। इस तनाव का एक बड़ा केंद्र जाने अनजाने देश भर में फलते-फूलते कोचिंग सेंटर भी हो गए हैं। कोटा जैसे कोचिंग हब से स्टूडेंट्स की खुदकुशी की खबरें जब-तब आती रहती हैं और राज्य सरकार के साथ दूसरी पहल के बावजूद वहां इस पर रोक लगाने में कामयाबी नहीं मिल पाई है। मुखर्जी नगर में भी कोचिंग करने पहुंचे स्टूडेंट्स कितने स्ट्रेस में रहते हैं, यह कोई छिपी हुई बात नहीं है। न केवल स्टूडेंट्स बल्कि पैरंट्स भी इस बात को लेकर बेकरार रहते हैं कि उनका बच्चा किसी तरह से कॉम्पिटिशन निकाल ले। इस क्रम में वे अक्सर बच्चों को कम उम्र में भी कोचिंग में भर्ती करा देते हैं ताकि वे दूसरे बच्चों से आगे रहें। इसके लिए कोचिंग संस्थानों की ऊंची फीस भरने को भी तैयार रहते हैं। इन सबका प्रेशर आखिरकार बच्चों पर ही पड़ता है। उन्हें लगता है कि अगर किसी वजह से वे नाकाम हुए तो न केवल पैरंट्स की उम्मीदें टूटेंगी बल्कि उनकी मेहनत की कमाई भी बेकार जाएगी। लिहाजा वे खुद को कॉम्पिटिशन की तैयारी में झोंक देते हैं, लेकिन कामयाबी की उम्मीद नजर न आने पर उनके टूट जाने का खतरा बना रहता है। इस लिहाज से यह महत्वपूर्ण है कि शिक्षा मंत्रालय की गाइडलाइन में उन पहलुओं पर खास ध्यान दिया गया है जिनसे कोचिंग सेंटरों के तनाव का स्रोत में तब्दील होने के आसार बढ़ते हैं। उदाहरण के लिए, 16 साल से कम उम्र के बच्चों के दाखिले, कोचिंग सेंटरों के भ्रामक दावों, ग्रैजुएट से कम क्वॉलिफिकेशन वाले टीचर्स की भर्ती और फीस में मनमानी बढ़ोतरी पर रोक लगा दी गई है। गाइडलाइन के उल्लंघन को दंडनीय अपराध माना गया है। जाहिर है, इस गाइडलाइन से समस्या पूरी तरह दूर होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। यह गंभीर और जटिल समस्या है जिसके कई सारे आर्थिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक पहलू हैं। फिर भी यह कदम समस्या को हल करने और स्टूडेंट्स के लिए माहौल को बेहतर बनाने में मददगार जरूर साबित हो सकता है, बशर्ते इस पर सही ढंग से अमल सुनिश्चित किया जाए।

शिक्षा में बड़ी चुनौती

देश के ग्रामीण हिस्सों में स्कूली बच्चों की शिक्षा की स्थिति पर एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट का ताजा संस्करण पहली नजर में जरूर चिंतित करता है, लेकिन समग्रता में देखने पर साफ हो जाता है कि हालात निराशाजनक नहीं बल्कि चुनौतीपूर्ण हैं। 14 से 18 साल के आधे से ज्यादा बच्चे अगर तीसरी-चौथी क्लास के मैथ के सिंपल डिविजन प्रॉब्लम सॉल्व न कर सकें तो यह कोई अच्छी स्थिति नहीं कही जा सकती। वजह यह है कि डिविजन करने की क्षमता को व्यावहारिक जीवन में काम आने वाली बुनियादी गणनाओं के लिए जरूरी माना जाता है। खास बात यह कि इन स्टूडेंट्स का एक बड़ा हिस्सा जॉब मार्केट से कुछ ही कदम दूर है। लेकिन इस तथ्य को भुलाया नहीं जा सकता कि इस उम्र समूह के लोगों को रिपोर्ट में पिछली बार 2017 में कवर किया गया था। और इस दौरान देश-दुनिया ने कोरोना महामारी की जबर्दस्त चुनौती झेली है। खासकर ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की पढ़ाई तो कोरोना काल में लगभग ठप ही हो गई थी। महामारी के संदर्भ में रिपोर्ट की दो बातें खास तौर पर ध्यान खींचती हैं। एक तो यह कि 89 फीसदी बच्चे ऐसे हैं जिनके घर में स्मार्टफोन है। वहीं, 92 फीसदी बच्चों ने बताया कि वे स्मार्टफोन चलाना जानते हैं। निश्चित रूप से इसके पीछे महामारी के दौरान ऑनलाइन पढ़ाई की मजबूरी का बड़ा हाथ माना जा सकता है। दूसरी बात यह कि एनरोलमेंट की संख्या (86.8 फीसदी) का 2017 (85.6 फीसदी) से ज्यादा होना बताता है कि महामारी के दौरान आजीविका के नुकसान के चलते ज्यादातर बच्चों के दोबारा स्कूल न लौटने का डर गलत साबित हुआ है। हालांकि इसी रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि करीब एक तिहाई बच्चे 12वीं से आगे नहीं पढ़ते। लड़कों के मामले में ड्रॉप आउट की सबसे बड़ी वजह रुचि की कमी पाई गई तो लड़कियों के मामले में पारिवारिक मजबूरी। निश्चित रूप से डेमोग्रैफिक डिविडेंड पर ध्यान केंद्रित किए एक युवा देश के लिए यह चिंता की बात है। मैथ्स की बात हो या लैंग्वेज की, पढ़ाई में पिछड़ापन अपने देश के लिए कोई नई बात नहीं। ASER की ही पिछली रिपोर्टों में यह बात रेखांकित की जाती रही है। लेकिन यह कोई बचाव नहीं हो सकता। चुनौती बड़ी इसलिए भी है कि स्कूली पढ़ाई की नियमित प्रक्रिया में इसका इलाज नहीं है क्योंकि बड़ी कक्षा में आने के बाद टीचर्स उसी क्लास के टेक्स्ट बुक को फॉलो करते हैं। उनके लिए बच्चों की बुनियादी समझ पर ध्यान देना मुश्किल होता है। जाहिर है, विशेष प्रयास करने पड़ेंगे, लेकिन दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बनने की राह पर बढ़ रहा देश इस चुनौती से मुंह नहीं मोड़ सकता।

अयोध्या-भारत के शक्ति तत्व की प्राण प्रतिष्ठा

तरुण विजय

अयोध्या की उन गलियों से गुजरते हुए जहां इन आँखों ने नब्बे बयानबे में हिंदू नेताओं की हिंदू पुलिस द्वारा रक्तरंजित कारसेवक संहार देखा था आज भी सिहरन होती है, आँखें विस्फारित हो कर राम शरद कोठारी के चित्र देखती हैं उनके अधरों से निकले जय सिया राम के स्वर सुनायी देते हैं। मैं यहाँ आते ही मणिरामदास छावनी केप्रमुख, राम आंदोलन के महा सेनापति पूज्य महंत नृत्य गोपाल दास जी से मिला, आशीर्वाद लिया। वे पहचान गये। रामभद्राचार्य जी, पूज्य जयदेव राम जी, सालासर बालाजी के सिद्धेश्वर महाराज, सर्व कार्य प्रमुख चंपत राय, और संपूर्ण राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र के महिमावान प्रमुख संत पूज्य गोविंद गिरि जी महाराज से तो रात्रि साढ़े दस बजे भेंट हुई। रात दिन काम और अविश्राम जीवन। राम जी की शक्ति है।

स्वामी गोविंद गिरि ने ठीक कहा- इस जन्मभूमि को लेने में हिंदुओं को पाँच सौ साल क्यों लगे? क्योंकि हिंदू के मानस में राष्ट्र तथा धर्म का समन्वय नहीं था। शिवाजी के विरूद्ध औरंगजेब के लिये शिव भक्त मिर्जा राजा जय सिंह लड़े, शिवाजी के तेरह सगे संबंधी उनके विरुद्ध मुगल सेना में थे। गत सौ वर्षों में पहली बार विवेकानंद तथा डॉ हेडगेवार ने देश के साथ धर्म का चैतन्य जागृत किया तो राम मंदिर बना। अब काशी और मथुरा सहित अन्य भग्न काराबद्ध आक्रांत मंदिर वापस लिए बिना हिंदू रुकेगा नहीं। अयोध्या का हर कण हर कोना सज गया है। रातों रात सड़के नयी बन गयीं, दुकानें चौड़ीं हो गयीं, दस दस फीट पीछे कर दीं, आश्रम मठ नये कलेवर नयी सज्जा, नये निर्माण से अलंकृत हो गये, अयोध्या महाराज का महल अयोध्याकालीन महल लगने लगा, राम जन्मभूमि पथ स्वगार्नुकूल भव्यता ले रहा है। सब कुछ स्वप्न वत। चिकोटी काटें तब विश्वास हो। हर कोने चौहारे पर आंध्र से लेकर पंजाब दुर्ग्यआणा मंदिर के मुफ़्त चाय भोजन के 24 घंटा लंगर चल रहे हैं। हजारों स्त्री पुरुष गोद में बच्चे हाथों में कपड़ों कंबल के थैले लिये चले आ रहें हैं। राम लला से मिलने आयें हैं राम लला व्यवस्था करेंगे।

जिन लोगों ने, हिंदू तथा मुस्लिम दोनों ने राम जन्मभूमि का सत्य जानते हुये भी अंधा अपशब्दयुक्त विरोध किया उनको हिंदुओं से हाथ जोड़कर क्षमा याचना करनी चाहिए। उन्होंने अपने ही रक्त अपने पूर्वजों अपने देश अपने देवताओं अपनी संस्कृति के प्रवाह से विश्वासघात किया। अब स्मृति -जागृत भारत अपने मन और काया पर आघात नहीं सहेगा। स्मृति हर मनुष्य और राष्ट्र के जीवन हेतु अनिवार्य तत्व है। स्मृति हीन देश या व्यक्ति शून्य होता है, भविष्यविहीन और दिशाहीन। अयोध्या में मंदिर नहीं भारत राष्ट्र की स्मृति के जागरण द्वारा नवीन राष्ट्रीय अभ्युदय के शक्ति स्रोत की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। हर काल में हिंदू का राष्ट्र और धर्म के समन्वय से युक्त जागरण कठिन, प्रायः असंभव और जटिल रहा है। ढाई हजार मील दूर अनुल्लेखनीय कस्बे गजनी से एक लुटेरा महमूद प्रभास पाटन आता है, सर्वाधिक महत्वपूर्ण मंदिर तोड़ता है, इतनी बड़ी संख्या में हिंदू स्त्री पुरुष दास बनाकर ले जाता है कि बगदाद में गुलामों का मूल्य गिर गया, लूट का सामान अलग ले जाता है। मार्ग में सब हिंदू खड़े हुए?

सुहेलदेव अपवाद हैं। बाकी ? कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी का जय सोमनाथ उपन्यास पढ़ा है? उन्होंने उच्च ब्राह्मण कुलोत्पन्न शिव राशि के चरित्र का उल्लेख किया है जो गजनवी को हिंदू संघ की परमार राजाओं के नेतृत्व में खड़ी सेनाओं से बचाकर सोमनाथ मंदिर के भीतर ले आया था. जीती बाजी हिंदू हार गये। चार सौ वर्ष गोवा पर क्रूर व अमानुषिक अत्याचारों के लिए कुख्यात पुर्तगालियों ने लगातार शासन किया। पणजी में आज भी एक हाथ कातरो खंभ है जहां उन हिन्दुओं के हाथ काटे जाते थे जिनके घर पर तुलसी का पवित्र पौधा पूजित होता था। उस भयानक काल से गुजर यदि आज

हिंदू समाज धर्म और राष्ट्र से जुड़ा दिखता है तो यह आठवाँ आश्चर्य है- हिंदुओं के एक वर्ग या बड़े आचार्यों या हिंदू नामधारी सेकुलरों के हिंदू मंदिर विरोध में कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं है। गजनवी से पुर्तगालियों तक उसका देश से विमुख धर्म से विमुख एक स्वार्थी भाव रहा है जिसे पिछली शताब्दी में लाल बाल पाल, विवेकानन्द, अरविंद, दयानंद , सावरकर ने बदला और डॉ हेडगेवार ने उसे एक सैन्य अनुशासन में ढालने का असाधारण अभूतपूर्व कार्य किया. वरना मंदिर की जगह हिंदू सेकुलर शौचालय बनवा रहे होते। यह भारत की सुप्त विजिगीशु प्रवृत्ति, काल को परास्त करने वाली जिजीविषा और सामूहिक सांगठनिक शक्ति का ऐसा ऐतिहासिक प्रकटीकरण है जो धरातल पर आदि शंकर के बाद या राजनीतिक स्तर पर राज राज चोल, कृष्णदेवराय, उससे पूर्व विक्रमादित्य, अशोक, के बाद कभी संभव हुआ नहीं। दुर्बल, आत्म विस्मृत, समझौतावादी, यही पिछले सेकुलर युग में हिंदू की पहचान थी। उस छवि के टूटने और नवीन साहसी निर्भीक हिंदू के उदय से जन्मी वेदना भारत शत्रुओं को होना स्वाभाविक ही है। ध्यान रहे राम ने पश्चाताप विहीनरावण युग का अंत किया पररावण पर का कभी अपशब्दों से तिरस्कार नहीं किया, उसका सम्मान अंतिम संस्कार किया, उसके भाई विभीषण का राज्यारोहण करवाया, लंका को अयोध्या में सम्मिलित नहीं किया।

आज यही मयार्दा पुनरुज्जीवित होती दिखती है। संपूर्ण विश्व में भारत की प्राचीन गौरवशाली धरोहर के प्रति नवीन चैतन्य उभरा है। अनगिनत पुस्तकें भारत की विद्या, महापुरुषों की जीवनियों, प्राचीन नगरों , नदियों, तीर्थों, पर्यटन स्थलों, समुदायों यहाँ तक कि अरुणाचल- मणिपुर- मेघालय में प्राचीन राम कथाओं के पुनःस्मरण- प्रकाशन का रेला दिख रहा है। राम कथा के टेली सीरियल से लेकर राम मंदिर विरोधी नये नये शंकराचार्यों की अपने अपने उद्देश्यों हेतु पादवंदना करते, जातियों के गूढ़ मर्म व अर्थ ढूँढते दिखने लगे हैं। विश्व नवीन आर्थिक व सैन्य शक्ति युक्त भारत की ओर भिन्न एवं सम्मान भाव से देख रहा है। यह अचानक जादू से नहीं हुआ। स्मृति जागरण पर्व उन अनाम अजान अचीन्हे संस्कृति वीरों महापुरुषों गुरुओं त्यागराज, चैतन्य महाप्रभु, रामानन्दाचार्य, आदि शंकर, गुरु गोविंद सिंह तेग बहादुर, बंदा बहादुर के संचित तप, बलिदानों, साधना, काले पानी की जेल में अनजान रह कर मर खप गये सेनानियों की सामूहिक अभीप्साओं का फल है।

आज चन्द्रायण से लेकर मंगल तक की यात्राओं का निर्धारण आस्थावान विश्व विश्रुत भारतीय वैज्ञानिक कर रहे हैं, खेल, चिकित्सा, आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस, कठिनतम क्षेत्रों को राजमार्गों से जोड़ता भारत, सिंधु सरस्वती सभ्यता के विराटतम आगार के रूप में विश्व के समक्ष स्वयं को प्रस्तुत करने लगा है। विश्व के संपन्नतम आधुनिकतम स्थानों में हिंदू संस्कृति और सभ्यता के उत्कर्ष को दशार्ते मंदिर सैंकड़ों एकड़ों में बन गये हैं जहां वे लोग आकर श्रद्धावनत और विस्मित हो रहें हैं जो कल तक हमारे अध्यात्म की, धरोहर की मजाक उड़ाते थे। इन सब गतिविधियों में 18 से 30 वर्ष का हिंदुस्तानी है। वह भाजपा समर्थक नहीं भी होगा, संघ से सहमत नहीं भी होगा पर वह एक नये हिंदुस्तान का अन्वेषण कर रहा है, नवीनता का आविष्कार कर रहा है, अपनी जड़ों की पहचान और पश्चिमी औपनिवेशिक दंभ को करारा तीखा आहत करनेवाला उत्तर दे रहा है। न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध थिंक टैंक के निदेशक ने इस दृश्य को उद्धृत करके मुझसे कहा था- दिस इंडिया इस अनस्टॉपेबल नाउ- अब इस भारत को कोई रोक नहीं सकता। यह भारत श्री अरविंद की उस भविष्यवाणी को सत्य सिद्ध कर रहा है कि विश्व को मार्गदर्शन देने वाले शक्तिशाली समर्थ भारत का उदय अवश्यंभावी है।

स्कूली शिक्षा की चुनौतियों को सरकार को गंभीरता से लेना होगा

ललित गर्ग

नया भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करने का मुख्य आधार शिक्षा है, लेकिन भारत की ग्रामीण शिक्षा को लेकर आयी एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (ग्रामीण) 2023 चिन्ताजनक एवं चुनौतीपूर्ण है। इस सर्वे में ग्रामीण भारत में छात्रों की स्कूली शिक्षा और सीखने की स्थिति की तस्वीर बयां की गई है, ग्रामीण शिक्षा की इन निराशाजनक स्थितियों पर गौर करना जरूरी है। यह सर्वे 26 राज्यों के 28 जिलों में किया गया और 34,745 युवाओं तक इस सर्वे की पहुंच रही। ग्रामीण छात्रों ने जो तथ्य एवं सच्चाई व्यक्त की है, उसके अनुसार 14 से 18 आयु वर्ग के बच्चे अपनी क्षेत्रीय भाषा में दूसरी कक्षा के स्तर तक का पाठ नहीं पढ़ पाते। इस उम्र के तीसरी-चौथी क्लास के गणित के सामान्य से प्रश्नों को हल न कर सकें तो यह कोई अच्छी स्थिति नहीं कही जा सकती। ग्रामीण युवाओं की पसंद विज्ञान एवं तकनीकी विषयों की बजाय आर्ट्स विषय ही होना, शिक्षा के प्रति उपेक्षा एवं उदासीनता को ही दर्शा रहा है। समस्या गणित या भाषा नहीं है, ग्रामीण क्षेत्रों की पढ़ाई में यह पिछड़ापन अपने देश के लिए कोई नई बात नहीं। यह चुनौती बड़ी इसलिए है कि नवीन शिक्षा नीति घोषित होने के बावजूद स्कूली पढ़ाई की नियमित प्रक्रिया में इसका इलाज नहीं तलाशा गया है। जाहिर है, विशेष प्रयास करने पड़ेंगे, ग्रामीण एवं पिछडे. क्षेत्रों में शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी अन्यथा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बनने की राह पर बढ़ रहे देश के लिये यह चुनौती एक अंधेरा ही है।

चिंता की बात यह भी है कि नई शिक्षा नीति में खास तौर से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार के प्रावधान की बातें बहुत हो रही है, लुभावनी योजनाएं बन रही हैं, लेकिन उनके परिणाम जमीन पर उतरते हुए नजर नहीं आ रहे हैं। यह हमारी नीतियों की पौल खोल रहा है या नीति-निमार्ता की सोच में धुंधलापन है? जिंदगी का गुणा-भाग सिखाने वाली शिक्षा में जब बच्चों को गणित की सामान्य जोड़-बाकी भी नहीं आ पा रही हो तो इसे क्या कहेंगे? यही ना कि स्कूली शिक्षा के प्रसार की बातें भले ही जोर-शोर से की जा रहीं हों लेकिन इनमें सुविधाएं अपर्याप्त हैं या नई शिक्षा नीति को बनाने में कोई कमी है। यह भी हो सकता है कि साधनों के अभाव एवं दक्ष-प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी के कारण हम नई शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू नहीं कर पा रहे हैं। बेहतर शिक्षा देने का हमारा लक्ष्य कहीं-ना-कहीं भटका हुआ है। इस सर्वे रिपोर्ट में गांवों की सरकारी व निजी शिक्षण संस्थाएं दोनों के बच्चों को शामिल किया गया है। यही नहीं इस सर्वे में जिन विद्यार्थियों को शामिल किया गया, उनमें 90 फीसदी से ज्यादा ने

सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया है। स्मार्ट फोन का इस्तेमाल मनोरंजन के लिए ज्यादा और पढ़ाई के लिए कम होने लगा है। साफ है शिक्षा के प्रसार के लिए मोबाइल व कम्प्यूटर जैसे उपकरणों का इस्तेमाल सकारात्मक रूप से नहीं हो पा रहा है। अधिकांश बालक-बालिकाएं कम्प्यूटर या मोबाइल के माध्यम से पढ़ाई-लिखाई में फिसड्डी नजर आते हैं। हालात बदलने के लिए न केवल प्रशिक्षित शिक्षकों की स्कूलों में भर्ती जरूरी है, बल्कि दूर-दराज के इलाकों में भी शिक्षा की पहुंच को आसान किया जाना भी अपेक्षित है। देश-दुनिया ने कोरोना महामारी की जबर्दस्त चुनौती झेली है। खासकर ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की पढ़ाई तो कोरोना काल में लगभग ठप ही हो गई थी। ऐसे दौर में जब पहले ही बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए कठिन प्रतिस्पर्धा एवं चुनौतियों सामना करना पड़ रहा है, उनकी नींव को कमजोर रखना चिंताजनक है। जिम्मेदारी सरकारों की ज्यादा है, जिन्हें इस दिशा में अभी काफी काम करना है। शिक्षण संस्थाओं के प्रसार की दिशा में भले ही हम प्रगति कर रहे हों, लेकिन यह साफ है कि शिक्षा डिजिटल तकनीक माध्यम से देने में हम असफल रहे हैं। सर्वे में एक और खास बात निकलकर सामने आई है कि वोकेशनल ट्रेनिंग में अभी ग्रामीण युवा पीछे हैं। सर्वे में शामिल युवाओं में केवल 5.6 प्रतिशत ही वोकेशनल ट्रेनिंग ले रहे हैं। इसी रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि करीब एक तिहाई बच्चे 12वीं से आगे नहीं पढ़ते। लड़कों के मामले में ड्रॉप आउट की सबसे बड़ी वजह रुचि की कमी पाई गई तो लड़कियों के मामले में पारिवारिक मजबूरी।

आधुनिक शिक्षा के सामने आज अनेक चुनौतियां हैं। छात्र जहां अनेक कारणों से बीच में ही पढाई छोड़ देने को मजबूर है, वही कुछ छात्र शिक्षा की चुनौतियों को झेल नहीं पाने के कारण आत्महत्या तक कर रहे हैं। जबकि हमारी शारीरिक, मानसिक, भौतिक और आध्यात्मिक शक्तियों तथा क्षमताओं का निरंतर सामंजस्यपूर्ण विकास करके हमारे स्वभाव को परिवर्तित करने का सशक्त माध्यम है। हमने प्राचीन शिक्षा प्रणाली की इन विशेषताओं को भूला दिया है। आजादी के बाद से चली आ रही शिक्षा प्रणाली में शिक्षालय मिशन न होकर व्यवसाय बन गया था। इस बड़ी विसंगति को दूर करने की दृष्टि से वर्तमान शिक्षा नीति में व्यापक चिन्तन-मंथन किया गया है, लेकिन उसका असर सामने न आना हमें शिक्षा पर नये सिरे से सोचने को मजबूर कर रहा है। भले ही यह आशा की जा रही है कि नयी शिक्षा नीति में शिक्षा की इन कमियों एवं अपूर्णताओं के दूर होने संभावनाएं हैं। लेकिन इसके लिये आधुनिक शिक्षा एवं शिक्षकों को समग्र दृष्टि से परिपक्व बनाना होगा, तभी शिक्षा की कमियां दूर हो सकेगी और नयी शिक्षा नीति के प्रभावी परिणाम आ सकेंगे। अन्य कलाओं की भांति शिक्षण भी एक महत्वपूर्ण कला है, शिक्षक उस कलाकार के समान होता है, जो अनगढ़ पत्थर को तराशकर पूज्य प्रतिमा एवं समग्र व्यक्तित्व का निर्माण करता है। यही शिक्षक छात्रों में जटिल शिक्षा की चुनौतियों को स्वीकार करने के लिये तैयार कर सकते हैं। वर्तमान में शिक्षण-कौशल एवं शिक्षण विधियों पर बहुत अनुसंधान हो रहा है। एक अध्यापक स्रष्टा की भांति समाज की भावी पीढ़ी का निर्माण करके समाज द्वारा उत्पन्न शून्य को भरने का प्रयत्न कर सकता है, यदि उसके दायित्व में कमी रहती है तो उसे क्षम्य नहीं माना जा सकता। सच्ची शिक्षा-संस्कृति इंजीनियरों और टेकनीशियनों पर नहीं, अपितु शिक्षकों पर आधारित होती है।

मोदी-योगी के राज में भारत में सांस्कृतिक धरोहरों को दिलाया जा रहा है उचित स्थान

प्रह्लाद सबनानी

22 जनवरी 2024 को प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या में सम्पन्न होने जा रही है। पिछले लगभग 500 वर्षों के लम्बे संघर्ष के पश्चात श्रीराम लला टेंट से निकलकर एतिहासिक भव्य श्रीराम मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं। पूरे देश का वातावरण राममय हो गया है। न केवल भारत के नागरिकों में बल्कि अन्य कई देशों में भी सनातन धर्म में आस्था रखने वाले नागरिकों में जबरदस्त उत्साह दिखाई दे रहा है। अमेरिका के कई बड़े शहरों में प्रभु श्रीराम के बहुत बड़े आकार के होर्डिंग लगाए गए हैं। पूरे विश्व में ही एक तरह से नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। आज सनातनी हिंदुओं के लिए यह एक एतिहासिक एवं गर्व करने का पल है क्योंकि प्रभु श्रीराम का मंदिर भारतीयों के लिए सदियों से एक सांस्कृतिक धरोहर रहा है और अब पुनः प्रभु श्रीराम के मंदिर को सांस्कृतिक धरोहर के रूप में उचित स्थान दिलाया जा रहा है, इसके लिए पिछले 500 वर्षों के दौरान लाखों भारतीयों ने अपने प्राण तक न्यौछावर किए हैं।

वर्ष 2014 के बाद से भारत में सांस्कृतिक धरोहरों को संवारने का कार्य बहुत सफल तरीके से सम्पन्न किया जा रहा है। इसी का प्रमाण आज प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के रूप में दिखाई दे रहा है। इसी प्रकार के प्रयास भारत के अन्य सांस्कृतिक धरोहरों को विकसित करने के लिए भी किए गए हैं। बाबा अमरनाथ की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए कठोर मौसम बाधा न बन पाए, इस बात को ध्यान में रखकर केंद्र सरकार द्वारा बाबा अमरनाथ गुफा तक 110 किलोमीटर लम्बी सड़क का निर्माण करवाया जा रहा है, इसमें 11 किलोमीटर लम्बी एक सुरंग भी शामिल है। अभी तक श्रीनगर से बाबा अमरनाथ गुफा तक यात्रा करने में लगभग 3 दिन का समय लगता था किंतु इस नए विकसित किए जा रहे सड़क मार्ग के पश्चात केवल 8 से 9 घंटे के बीच का समय लगेगा। इसी प्रकार, अभी कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को चीन अथवा नेपाल के रास्ते से होकर जाना होता है परंतु, अब कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाने के लिए चीन अथवा नेपाल जाने की आवश्यकता ही नहीं होगी क्योंकि केंद्र सरकार उत्तराखंड के पिथौरागढ़ के रास्ते से सीधे कैलाश मानसरोवर तक 80 किलोमीटर लम्बी सड़क का निर्माण करवा रही है। इस सड़क निर्माण का 90 प्रतिशत कार्य सम्पन्न हो चुका है और शेष 10 प्रतिशत निर्माण कार्य भी वर्ष 2024 में पूरा हो जाने की सम्भावना है।

वाराणसी में काशी विश्वनाथ कोरिडोर एवं उज्जैन में महाकाल लोक कोरिडोर को विकसित करने के बाद अब मथुरा में भव्य बांके बिहारी कोरिडोर विकसित किया जा रहा है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बांके बिहारी मंदिर के चारों ओर कोरिडोर बनाने की मंजूरी दे दी है। इस कोरिडोर के निर्माण के पश्चात प्रतिदिन लगभग 50,000 श्रद्धालुगण बांके बिहारी मंदिर के दर्शनों के लिए जा सकेंगे। इस नए विकसित किए जा रहे कोरिडोर में तीन विभिन्न मार्ग बनाए जा रहे हैं। पहिला मार्ग, जुगलघाट से प्रारम्भ होगा, दूसरा मार्ग, विद्यापीठ चौराहे से प्रारम्भ होगा एवं तीसरा मार्ग जादौन पार्किंग से प्रारम्भ होकर बांके बिहारी मंदिर तक पहुंचेगा। असम में गौहाटी से लगभग 8 किलोमीटर दूर नीलांचल पर्वत पर स्थित मां कामाख्या देवी मंदिर का भी कायाकल्प किया जा रहा है। मां कामख्या देवी के मंदिर में प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु दर्शन करने हेतु पहुंचते हैं। इन श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु मां कामाख्या कोरिडोर विकसित किया जा रहा है। इस नए कोरिडोर में एक लाख वर्ग फुट क्षेत्र की जगह उपलब्ध होगी, जिससे श्रद्धालुओं को मां कामाख्या देवी के दर्शन करने में सुविधा होगी। उत्तरप्रदेश राज्य में प्रभु श्रीराम मंदिर एवं बांके बिहारी कोरिडोर के साथ ही मिजार्पुर में 331 करोड़ रुपए की लागत से मां विध्यवासिनी कोरिडोर विकसित किया जा रहा है। यह उत्तरप्रदेश राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट भी है। 50 फीट चौड़ा एवं 2 मंजिला परिक्रमा स्थल तैयार हो चुका है। वर्ष 2024 में ही मां विंध्यवासिनी कोरिडोर के पूरी तरह बनकर तैयार होने की पूरी उम्मीद है। आज लाखों की संख्या में श्रद्धालु मां वैष्णो देवी के दर्शन करने हेतु मां वैष्णो देवी के दरबार में प्रतिवर्ष अपनी हाजिरी लगाने के लिए जाते हैं। इन श्रद्धालुओं की मां वैष्णो देवी यात्रा को आसान बनाने के उद्देश्य से 670 किलोमीटर लम्बे दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस वे का निर्माण कराया जा रहा है। इस एक्सप्रेस वे के रास्ते में पड़ने वाले सिक्ख पंथ के कई स्थलों को भी जोड़ा जा रहा है। इस एक्सप्रेस वे के बनने से पहिले दिल्ली अमृतसर तक का सफर जो पहिले 8 घंटे में सम्पन्न होता था वह अब इस एक्सप्रेस वे के बनने के बाद केवल 4 घंटे में ही सम्पन्न होगा। इसी प्रकार दिल्ली से कटरा तक का सफर जो पहले 15 घंटे में सम्पन्न होता था वह अब केवल 6 घंटे में ही सम्पन्न होगा। इस एक्सप्रेस वे के बनने के बाद माता वैष्णो देवी के भक्त माता रानी के दर्शन बड़े आराम से कर सकेंगे। इसी प्रकार यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ एवं बद्रीनाथ की चार धाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को भी केंद्र सरकार सुलभ मार्ग उपलब्ध कराने जा रही है जो मौसम की मार को बर्दाश्त कर सके। इस चार धाम यात्रा को श्रद्धालुओं के लिए सुलभ बनाने का उद्देश्य से 12,000 करोड़ रुपए की लागत से 899 किलोमीटर का सड़क मार्ग विकसित किया जा रहा है। इस सड़क मार्ग में दो सुरंग, 15 पुल, 18 यात्री सेवा केंद्र और 13 बाई पास विकसित किए जा रहे हैं।

भारतीयों द्वारा इंजीनियरिंग के उत्कृष्ट नमूने के रूप में तमिलनाडु के रामेश्वरम के पास एक नया पम्बन ब्रिज विकसित किया जा रहा है। इस पम्बन ब्रिज की विशेषता यह है कि इस मार्ग से रेल के गुजरने पर यह रेल की पटरी बिछा देगा और इस ब्रिज के नीचे से पानी के जहाज अथवा स्टीमर के गुजरने पर पुल ऊपर उठ जाएगा ताकि इस रास्ते से स्टीमर निकल सके। नया पम्बन ब्रिज उन श्रद्धालुओं के लिए वरदान साबित होगा जो रामेश्वरम धनुष्कोटि की यात्रा करना चाहते हैं। सनातन हिन्दू धर्म में आस्था रखने वाले नागरिकों के लिए यह एक बहुत बड़ी खुशखबरी मानी जानी चाहिए कि पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र में स्थित मां शारदा पीठ के दर्शन करने का सपना भी अब शीघ्र ही पूरा हो सकता है। हाल ही में पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र की एसेम्बली ने 5,000 वर्ष पुराने मां शारदा पीठ में भारत से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक कोरिडोर बनाने का प्रस्ताव पारित कर दिया है। वर्ष 2023 में जम्मू-कश्मीर में स्थित मां शारदा मंदिर का उद्घाटन करते समय भारत के गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा था कि आगे आने वाले समय में मां शारदा पीठ के लिए पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में एक गलियारा खोलने का प्रयास भारत सरकार द्वारा किया जाएगा।

समाधान दिवस पर 140 आवेदन पत्रों में 5 का निस्तारण

बिल्थरारोड (बलिया)। स्थानीय तहसील में मुख्य समाधान दिवस के मौके पुलिस एवं विद्युत विभाग का मामला छाया रहा। जिलाधिकारी रविन्दर कुमार एवं एसपी देवरंजन वर्मा ने संयुक्त रुप से दोनों विभाग के अधिकारियों को चेतावनी भरे शब्दों में आमजन की शिकायतों का सही निस्तारण करने हेतु कड़ी चेतावनी दी। कहा कि शिकयत मिली तो मुकदमा भी दर्ज कराने में प्रशासन पीछे नही हटेगा। जिलाधिकारी कुमार ने मातहतकर्मियों से गुणवत्ता पूर्वक आवेदन पत्रों का निस्तारण निर्धारित समय के अन्दर करने का निर्देश भी दिया। इस मौके पर कुल 140 प्रस्तुत आवेदन पत्रों में केवल 5 का मौके पर निस्तारण हो सका। तहसील अधिवक्ता एसोसियेशन के एक प्रतिनिधिमंडल की ओर से ग्राम न्यायालय की स्थापना में हो रहे अनावश्यक विलम्ब एवं तहसील के स्टाम्प वेण्डरों के पास नकल का टिकट न उपलब्ध हाने की शिकायत पर जिलाधिकारी कुमार ने टिकट न मिलने की शिकायत तो तत्काल निस्तारित करते हुए ग्राम न्यायालय के बारे में प्रभावी कार्यवाही का भरोसा दिया। ग्राम राजपुर में देशी शराब की दुकान के सेल्समैन जयराम यादव की ओर से बीते 18 जनवरी की रात नकाब पोश बदमाशो द्वारा शराब की दुकान पर गोली फायरिंग काण्ड का मुकदमा दर्ज न कर साधारण दफा में करने का आरोप उभांव पुलिस पर लगाते हुए लिखित शिकायत एसपी को सौंपा। जिस पर एसपी देवरंजन वर्मा ने प्रभावी कार्यवाही का भरोसा दिया। साथ ही जिला आबकारी अधिकारी विष्णु प्रसाद दूबे से बुलाकर घटना के बावत जानकारी प्राप्त की। सोनाडीह-सीयर मार्ग का निर्माण 15 दिनों में शुरू न होने पर किसी होने वाली दुंघटना का जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों को मानते हुए सम्बन्धित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की जिलाधिकारी कुमार ने फोन कर चेतावनी दी। मनमानी विद्युत विल लाखो में आने पर एक लिखित शिकायत प्रस्तुत हुई। जिसे तत्काल सुधार करने का आदेश दिया। जिलाधिकारी एवं एसपी विद्युत विभाग के अधिशासी अधियन्ता एवं एसडीओं पर भड़क उठे, एसपी ने अधिक विल आने की लम्बी शिकायत को लेकर कहा कि इसकी समीक्षा हर महीने बिल निकलने से पहले क्यों नही की जाती। क्यों किसी का एक हजार तो किसी का लाखों में विल क्यों आ रहा है। ऐसी दशा में यदि कोई जनहानि हुई तो सम्बन्धित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया कराने की चेतावनी दी। ग्राम जमुआंव खामपुर के लेखपाल बृजेश सिंह के विरुद्ध तहसील दिवस पर उपस्थित न होने एवं मोबाईल स्वीचआफ होने की दशा में विभागीय कार्यवाही का आदेश डीएम ने दिया। ग्राम बीरभानपुर में शिकायत पर जिलाधिकारी ने तत्काल वरासत दर्ज कराकर खतौनी जारी कराने का कार्य किया।

ग्राम बिठुआ में विद्युत ट्रांसफार्मर जलने से बेखबर अधिकारियों की जिलाधिकारी ने जमकर क्लास लगाई। इसकी शिकायत ग्रामवासियों ने जिलाधिकारी से की थी। भीमपुरा थाने के थानाध्यक्ष की खुली शिकायत ग्राम शाहपुर टिटिहां निवासी एवं जिला उपाध्यक्ष आजाद अधिकार सेना बलिया के उपाध्यक्ष सिंहासन चौहान ने रखी। इसके अलावे ग्रामीण विकास विभाग में फर्जी हाजिरी के सहारे सरकारी धन के लूट खसोट का मामला उठाया। इसकें अलावे राजस्व, ग्राम विकास, शिक्षा, पुलिस, आपूर्ति, विद्युत आदि के अनेक मामले प्रस्तुत किये गये। इस समाधार दिवस के मौके पर सीएमओ डा0 वीपी द्विवेदी, डीएफओ वी.के. आनन्द, उपनिदेशक कृषि मनीष कुमार सिंह, जिला कृषि अधिकारी पवन कुमार जिला पूर्ति अधिकारी रामजतन यादव, अधिशासी अभियंता विद्युत आर पी सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी मनीष कुमार सिंह, श्रम प्रवर्तन अधिकारी अनिल कुमार दिवाकर, जिला पिछड़ा कल्याण अधिकारी राजीव कुमार यादव, जिला प्रोबेशन अधिकारी मोहम्मद मुमताज, जिला कार्यक्रम अधिकारी के एम पांडे, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा ए ई रोली विश्वकर्मा, जिला आबकारी अधिकारी विष्णु प्रसाद दुबे, एसडीएम एआर फारूकी, तहसीलदार पंकज शाही, खंड विकास अधिकारी सीयर शिवांकित वर्मा, डा0 विक्रम सेन सोनकर, सीडीपीओ सीयर सरस्वती शाक्या, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत राम वचन यादव, सीओ रसड़ा मो फहीम, सीओ चकबंदी शिवशंकर सिंह, गन्ना निरीक्षक मोनिका सिंह, एसडीओ विद्युत अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

हेड इंजरी के मरीज को 108 एंबुलेंस ने पहुंचाया जिला अस्पताल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। 102 और 108 एम्बुलेंस जब तत्कालीन सरकार के द्वारा शुरू किया गया था। तब उन्हें भी उम्मीद नहीं थी कि आम जन के प्रति इतनी लोकप्रिय होगी और लोगों की जान बचाने में मददगार साबित होगी। लेकिन गाजीपुर में लगातार 102 और 108 एंबुलेंस के द्वारा मरीजों की जान बचाने का कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को मोहमदाबाद सीएचसी से जिला अस्पताल के लिए एक हेड इंजरी के मरीज को पहुंचाकर उसका इलाज कराया गया। इसके बाद परिजनों ने राहत की सांस ली। 102 और 108 एंबुलेंस के प्रभारी अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदाबाद से एक कॉल आया। बताया गया कि सरोली मोहम्मदाबाद के मरिज रवि किशन पासवान जिनकी उम्र 19 साल है। इन्हें हेड इंजरी हुई है जिसके लिए तत्काल उच्च इलाज की जरूरत है। जिसके बाद बताए गए लोकेशन पर 108 एंबुलेंस को लेकर पायलट मनजीत और इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन विंध्यवासिनी बिंद पहुंचे। वहां से मरीज को लेकर राजकीय मेडिकल कॉलेज स्थित जिला अस्पताल के लिए चले। इस दौरान रास्ते में इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन के द्वारा मरीज का पूरी तरह से ध्यान रखा गया। उस मरीज को जिला अस्पताल के इमरजेंसी में दाखिल कराया गया। जहां पर डॉक्टरों ने उसकी तत्काल इलाज करते हुए वार्ड में शिफ्ट कराया।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा नेता जितेंद्र शुक्ला मीरा भाईदर प्रवक्ता नियुक्ति किए गए

प्रखर डेस्क। भाजपा निष्ठावान भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता एवं पूर्व जिला सचिव रहे जितेंद्र शुक्ला को उनके कार्यशैली पर नजर रखते हुए मीरा भयंदर जिला प्रवक्ता नियुक्त किए गए। बीजेपी महाराष्ट्र अध्यक्ष चंद्रशेखर वावनकुले के निदेर्शों पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता के अनुशंसा पर जिला अध्यक्ष किशोर शर्मा ने जितेंद्र शुक्ला की अहम जिम्मेदारी सौपी है और शुक्ला को अपनी नियुक्ति के लिए महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर जी, पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता जिला अध्यक्ष किशोर शर्मा समेत कई वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त किया और पार्टी की मजबूती और जन समस्याओं का निराकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करने का आश्वासन देते हुए संकल्प व्यक्त किया एवं जितेंद्र शुक्ला की नियुक्ति पर जिला उपाध्यक्ष संजय थरथरे, जिला प्रवक्ता बृजेश सिंह, महाराष्ट्र प्रदेश प्रवक्ता बृजेश सिंह, शैलेश पांडेय,रमेश कश्यप, अशोक शर्मा, महेंद्र राय, डॉ. करन मिश्रा, डॉ. ऋषि सिंह, शिवकुमार पांडेय, जीमित जांगीड, अधिवक्ता सपना तिवारी, आधिवक्ता पूनम पांडेय, डॉ. राम दूबे, डॉ. आशीष मिश्रा आदि पदाधिकारी सभी कार्यकताओं ने बधाई दी है।

अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के पूर्व संध्या पर सूर्या चिल्ड्रन हॉस्पिटल महमूरगंज में किया गया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

प्रखर पूर्वाचल वाराणसी। वाराणसी में महमूरगंज क्षेत्र स्थित सूर्या चिल्ड्रन हॉस्पिटल क्षार सूत्र व मैटरनिटी क्लीनिक एवं सांवी हॉस्पिटल मुढ़ेला में डॉ. संतोष कुमार तिवारी के नेतृत्व में 21 जनवरी रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 225 महिलाओं बच्चों व बुजुर्गों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया साथ ही दवा वितरण किया गया ,वही डॉक्टर एस के तिवारी ने बताया कि ठंड के मौसम में नवजात शिशु बच्चे एवं बुजुर्गों का विशेष ख्याल रखना चाहिए। डॉक्टर शर्मिला तिवारी सर्जन व स्त्री रोग विशेषज्ञ ने भी महिलाओं को स्वास्थ्य प्रतीक जागरूक रहने का उपाय बताए तथा ठंड में महिलाओं को हो रही बीमारियों से बचाव हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कैंप में डॉक्टर एस के तिवारी के नेतृत्व में डॉ० रमन सिंह, डॉक्टर आशीष सिंह समेत समस्त अस्पताल कर्मचारियों ने विशेष भूमिका निभाई।

गावों में गुजने लगे रामायण व कीर्तन के बोल

प्रखर पिंडरा वाराणसी। अयोध्या में श्रीराम मूर्ति स्थापना होने के पूर्व शुरू हुए अनुष्ठान के साथ पिंडरा तहसील क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में भी अखंड रामायण पाठ व हरिकीर्तन के साथ मंदिरों की भव्य सजावट की गई। रामपुर ग्राम सभा मे चौरा माता मंदिर व फूलपुर स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर पर अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ हुआ। अभ्युदय सेवा समिति के द्वारा शुरू हुए अखंड रामायण पाठ में फूलपुर में इंस्पेक्टर फूलपुर संजय मिश्रा ने संकल्प लिया। इसके अलावा सिंधोरा, गरखड़ा, पिंडरा व मंगारी के विभिन्न मंदिरों को भव्य ढंग से सजाने के साथ पूजा पाठ के साथ रामायण व हरिकीर्तन शुरू हुए। पूरा इलाका ही राममय हो गया। वही युवा वर्ग प्रभु श्रीराम व रामलला पर आधारित गीतों पर डीजे के बीच नाचते गाते रहे। वही पिंडरा तहसील, रामपुर , फूलपुर, गरखड़ा व सिंधोरा में रामलला के स्थापना पर भंडारे का भी आयोजन किया गया है।

सम्मान समारोह में सम्मानित हुए पूर्व प्रधानाचार्य रामवृक्ष पाण्डेय

जखनिया ।गाजीपुर ।स्थानीय कस्बा के तहसील संघर्ष समिति कार्यालय में क्षेत्र के प्रबुद्ध विद्वान एवं श्री महंथ रामबरन दास इंटर कॉलेज भुडकुडा के पूर्व प्रधानाचार्य रामवृक्ष पांडे का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जहां पर बाजार में आए गरीबो, असहायो, दिव्यांगों को कंबल भी वितरण किया गया। सम्मान समारोह में पूर्व प्रधानाचार्य रामवृक्ष पांडे ने कहा कि मानव जीवन में सभी अंगों का समान महत्व है ,उसी प्रकार समाज मे सभी प्रकार के मानव का महत्व बताया जैसे हाथ की पांच उंगलियां हैं जो एक दूसरे से जुड़े है ।परन्तु सब का कार्य अलग होने के बाद भी सबका स्थान प्रमुख है। कहा जो व्यक्ति सर्व शक्तिमान होता है वही समाज में अपनी पहचान बना पाता है ।अपनी पहचान बनाने के लिए ईमानदारी, कड़ी मेहनत, के साथ निःस्वार्थ भाव से मानव सेवा करना आवश्यक है । जो जीवन का मूल अंश है। समाज में बिना भेदभाव के कार्य करना सर्वोपरि माना जाता है। समिति के अध्यक्ष देवनारायण सिंह ने रामवृक्ष पांडे के जीवनी की बारे में बताया कि श्री महंथ रामबरन दास इंटर कॉलेज भुडकुडा में ही शिक्षा दीक्षा लेते हुए वर्ष 1958 से 1990 तक अंग्रेजी प्रवक्ता के साथ एन सीसी कैप्टन के पद पर रहे। 1990 से 1995 तक प्रधानाचार्य पद पर कार्यरत रहे। तथा आकाशवाणी वाराणसी से जुड़कर समाज को मार्गदर्शन दिखाने का कार्य करते रहे, बर्तमान मे भी तहसील संघर्ष समिति के संयोजक बनाए गये है । इनके द्वारा क्षेत्र के बिकास व समाज मे सामंजस्य के साथ मिलकर कार्य करने के लिए जागरूक करना लक्ष्य होता है । मौके पर तहसील विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष देवनारायण सिंह, सवानंद चौबे ,अश्वनी कुमार सिंह, सतिराम सिंह, ओम प्रकाश पांडे, मंहगू यादव , रुद्र प्रताप सिंह, लाल जी पांडे, रामाधार गिरी ,ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अशोक मद्धेशिया, चंद्रभान सिंह, शंकर यादव इंटर कॉलेज के वरिष्ठ लिपिक के साथ काफी संख्या में लोग रहे ।

नि: शुल्क स्वास्थ्य शिविर में हुई 126 मरीजों की जांच दी गई दवा

जखनियां गाजीपुर। जखनिया गोविंद सचिवालय पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जहां पर 126 मरीजों की जांच व निःशुल्क दवा के साथ ही ई सी जी, बीपी, पेट, मधुमेह, सूगर, ह्रदय रोग, स्वास ,फेफडे, टीबी,व घुटनो से संवन्धित रोगो की जांच डॉक्टर एस अख्तर द्वारा किया गया। गंभीर स्थिति होने पर उन्हें बेहतर इलाज की सलाह देने के साथ ही हजारों रुपए की दवा का भी वितरण किया गया। यह शिविर मऊ के कन्हैया मेडिकल एजेंसी द्वारा करवाया गया था। आयोजन अजय कुमार मौर्य ने बताया कि यह शिविर गरीबों सहायों के साथ ही सभी वर्ग के लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच के साथ बेहतर इलाज किया जाता है। मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अशोक कुमार गुप्ता ,डॉक्टर शकील, मनीष कुमार यादव, शिवम राजभर रहे। जहां पर जखनिया गोविंद के अलावा कौला जखनिया कुडिला सहित परसुपुर के भी मरीज स्वास्थ्य जांच कराकर स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां ली।

जनपद में इस बार 23 जनवरी को मनाया जायेगा खुशहाल परिवार दिवस

बलिया। जिले के सभी सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों , यू.पी.एच.सी. और सब सेंटर के साथ ही जिला महिला चिकित्सालय में खुशहाल परिवार दिवस का आयोजन इस बार मंगलवार (23 जनवरी) को किया जायेगा। इसके तहत विविध कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे और परिवार नियोजन को लेकर लाभार्थियों को परामर्श और सेवाएं दी जाएंगी। खुशहाल परिवार दिवस हर माह की 21 तारीख को मनाया जाता है लेकिन इस बार 21 तारीख को रविवार और 22 तारीख को सार्वजनिक अवकाश होने के कारण इस बार इसे 23 जनवरी को मनाया जायेगा। यह जानकारी अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी/परिवार कल्याण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. आनन्द कुमार ने दी।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मानव रचना के ओपेन डे में छात्रों ने करियर संबंधी दुविधाएं की दूर

प्रखर पूर्वाचल वाराणसी। मानव रचना शैक्षणिक संस्थान (एमआरईआई) फरीदाबाद की ओर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में ओपेन डे कार्यक्रम का आयोजन किया गया ` करियर कोर्सों की जानकारी देने के लिए मीट इन योर सिटी अभियान के तहत कराए गए ,इस कार्यक्रम में युवाओं को एमआरईआई में कराए जा रहे स्नातक और स्नातकोत्तर कोर्सों के बारे में बताया गया ` संस्थान की ओर से डॉ.अमित सेठ और अंजली ने छात्रों का मार्गदर्शन किया इस कार्यक्रम में एक्सपर्ट्स ने छात्रों को करियर के विभिन्न विकल्पों के बारे में बताया ,साथ ही सवाल-जवाब सत्र भी आयोजित हुआ जिसमें छात्रों ने करियर की शंकाओं से जुड़े सवाल पूछे और विशेषज्ञों ने उनके जवाब दिए ,कार्यक्रम में 230 से ज्यादा छात्रों ने भाग लिया ` मानवरचना शैक्षणिक संस्थान-एमआरआईआईआरएस देशभर में नैक से ए++ मान्यता प्राप्त कुल 24 संस्थानों में शामिल एकडीम्ड यूनिवर्सिटी है जो कि पिछले 26 वर्षों से विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक स्तर की गुणवत्तापूर्वक शिक्षा देने में कार्यरत है` एमआरईआई संस्थानों के तहत मानव रचना यूनिवर्सिटी (एमआरयू), मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज (एमआरआ ई आई आरएस)और मानव रचना डेंटल कॉलेज के अलावा देशभर में 12 (के-12) विद्यालय शामिल हैं।

आईटीएम के छात्रों ने बनाया दृष्टि अंगूठी नेत्रहीनों की करेगा मदद

प्रखर सहजनवां, गोरखपुर। आईटीएम गीडा गोरखपुर बी.टेक की चार छात्रा अमृता सिंह,संगीता कुमारी, अमृता मौर्या, अंशिका सिंह नें अपने शिक्षक विनीत राय के साथ मिलकर नेत्रहीन लोंगो के लिए श्रीराम दृष्टि नाम का एक ऐसी अंगूठी तैयार किया है जो नेतृहीन लोंगो को रास्ता दिखाएगी ' अंगूठी को आईटीएम गीडा की छात्राओं नें बनाया है आईटीएम गीडा के छात्राओं द्वारा बनाया गया श्रीराम अंगूठी के दो भाग है पहला दिव्यांग जन के ऊँगली मे श्रीराम अंगूठी होगा जिसमें एक बटन होता है 'दूसरा होता है रिसिवर ऑडिओ डिवाइस जो श्रीराम मंदिर व किसी भी धार्मिक स्थल मेडिकल स्टोर सभी जरुरी स्थानों के आस पास लगे होंगे ब्लाइंड व्यक्ति जरुरत पड़ने पर अंगूठी मे लगे बटन को दबा कर ये जान सकतें है की उनके नजदीक आस-पास क्या है ' जैसे मंदिर,मस्जिद, गुरुद्वारा,चर्च,को महत्वपूर्ण जगह जैसे प्रतिष्ठान, शॉपिंग, मॉल, मेडिकल की दुकान हॉस्पिटल, इत्यादि। छात्रो ने कहा कि भविष्य मे इस प्रोजेक्ट को हम स्मार्ट सिटी से जोड़ कर ब्लाइंड पर्सन लोंगो के लिए भी कुछ कर सकतें है ' रिसीवर सभी धार्मिक स्थलों तथा स्मार्ट सिटी के महत्वपूर्ण जगहों जैसे कोई सरकारी दफ़्तर, मेडिकल स्टोर या कहीं भी. लगा हों सकता है ' जैसे को नेतृहीन व्यक्ति रास्ते मे चल रहे हों और उन्हें पता करना हों की वो जहाँ पर खड़े है या जिस रास्ते पर चल रहे है उसके आसपास कोनसी जगह है, तो उन्हें बस अपने ऊँगली मे पहने श्रीराम दृष्टि अंगूठी मे लगे एक बटन को दबाना है जैसे अंगूठी का बटन दबेगा अंगूठी का सिग्नल वहाँ पर आसपास लगे रिसिवर को एक रेडिओ सिग्नल भेजता है जिससे वहाँ पर लगा ऑडिओ डिवाइस एक्टिवेट हों जाता और लाउड स्पीकर उस जगह का डिटेल सॉर्ट मे ऑडियो के जरिये एनाउंस करता है ।जिसे सुनकर ब्लाइंड पर्सन अपने रास्ते व आसपास के बारे मे जानकारी ले सकतें है ' छात्रों नें बताया आयोध्या मे श्रीराम मंदिर के आसपास ऐसे डिवाइस लगा दिए जाये तो नेत्रहीन व्यक्ति भी श्रीराम मंदिर व आस-पास बने देवी देवताओं की प्रतिमाओ को महसूस कर सकेंगे।

अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व चलाया स्वच्छता महाअभियान

प्रखर रामनगर। सुबह 7 बजे भाजपा मंडल रामनगर ने मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में माँ मनसा देवी मंदिर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। 22 जनवरी को अयोध्या में हो रहे भगवान श्रीराम जी की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शेष नेतृत्व निदेर्शानुसार नगर में स्वच्छता अभियान 14 जनवरी से चलाया जा रहा है। जिसमे मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह ने कहा प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन नगर के मंदिरों में संगठन की ओर से साफ-सफाई, उनकी साज सज्जा, भजन- कीर्तन के साथ LED के माध्यम से सीधा प्रसारण दिखाने का कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह डॉ अनुपम गुप्ता , जितेंद्र पांडेय लव कुमार राजेश सिंह सुनील श्रीवास्तव योगेंद्र पांडेय अभिषेक कुमार सिंह, संजय वाल्मीकि विनोद सिंह पटेल सुधाकर मिश्र मनोज यादव भूपेंद्र शाहू जवाहिर यादव भास्कर मिश्र प्रमुख रूप से रहे।

कपड़े का झोला बांटकर रोटरी क्लब ने जगाई पर्यावरण संरक्षण की अलख

प्रखर कसया कुशीनगर। नगर को पालीथिन मुक्त करने की मुहिम में रोटरी क्लब ने मजबूती के साथ कदम बढ़ाया है। रविवार को रोटरी क्लब कुशीनगर के बैनर तले कसया स्थित नवीन सब्जी मंडी में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग न करने हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया। रोटरी क्लब के सदस्यों के द्वारा लोगों से पालीथिन की थैली का उपयोग नहीं करने का आह्वान किया गया। साथ ही नवीन सब्जी मंडी में दुकानदारों और ग्राहकों में कपड़े का झोला वितरित किया गया। रोटरी के अध्यक्ष वाहिद अली ने कहा पालीथिन हमारे जीवन में जहर घोल रही है। कुशीनगर को प्लास्टिक मुक्त करने के लिए सभी को प्रयास करना होगा और सबसे पहले अपने घर और पड़ोस से शुरूआत करनी होगी। सुखद जीवन जीना है तो कपड़े का थैला ही अपनाना होगा। 15-20 साल पहले भी सभी कपड़े के थैलों का प्रयोग करते थे। इसलिए इसे अपनाने में ज्यादा दिक्कत नहीं आएगी। जन जागरूकता लाने के लिए कपड़े के झोले का वितरण किया जा रहा है और सिंगल यूज प्लास्टिक की थैली का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की जा रही है। इस अवसर पर रोटरी के अध्यक्ष वाहिद अली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय गुप्ता, उपाध्यक्ष अजय सिंह, उपाध्यक्ष दिनेश यादव, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुवेर्दी, सह सचिव अखिलेश शर्मा, निदेशक अंकुर तुलस्यान एवं डॉ. सुनील सिंह उपस्थित रहे।

श्रीराम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा से ओतप्रोत रामभक्त

ढ़ोल मंजीरे के करतल रामधुन पर झुमे रामभक्त, भव्य शोभायात्रा निकाली गई

शाहगंज (जौनपुर)। श्री राम प्राण प्रतिष्ठा अभियान समिति संयोजक ईशान जायसवाल (राम) के नेतृत्व में भव्य शोभायात्रा निकाला गया। यात्रा रविवार अपराह्न बाहर बजे संगत नगर स्थित संगत जी मन्दिर से निकला गया। यात्रा में धर्म ध्वजा लिए रामभक्त आगे आगे चलते रहे। वहीं पुरुषोत्तम श्रीराम की विभिन्न झांकी बैंड़ पार्टी डीजे एवं ढ़ोल मंजीरे के साथ रामधुन पर कीर्तन करते रामभक्त चलते रहे। यात्रा संगत नगर पुराना चौक पीएनबी चौक होते हुए रामलीला भवन चौक कोतवाली चौक डाकघर तिराहा जेसीज चौक होते हुए नगर भ्रमण कर घासमंडी चौक स्थित राम जानकी मन्दिर बौलिया पोखरा पहुंचा। इस दौरान विधायक रमेश सिंह, दिलीप अग्रहरि, श्री राम अग्रहरि, अनिल मोदनवाल, देवेश जायसवाल, श्याम जी मोदनवाल, दिनेश कांत यादव, संदीप जायसवाल, विजय अग्रहरि, आनंद अग्रहरि, भुनेश्वर मोदनवाल, रविकांत जायसवाल, मुकेश जायसवाल, रामजी चौरसिया, हनुमान अग्रहरि, रीता जायसवाल, खुशबू जायसवाल अनूपमा अग्रहरि, बिट्टू किन्नर समेत हजारों की संख्या में लोग शामिल रहे।

प्रकाश उत्सव में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने आईआरसीएस को किया सम्मानित

बलिया। आज सिखों के दसवें गुरु गोबिंद सिंह जी का 357वां प्रकाश पर्व है. वह सिखों के नौवें गुरु तेगबहादुर के पुत्र थे. इनका जन्म पौष माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को हुआ था. तभी से हर साल इस तिथि पर इनकी जयंती मनाई जाती है. इस दिन गुरुद्वारों में भव्य आयोजन कराए जाते हैं. अरदास लगती है और विशाल लंगर लगाए जाते हैं। गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्म पटना साहिब (बिहार) में हुआ था. गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना सन् 1699 में की थी. यह सिखों के इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटना मानी जाती है. गुरु गोबिंद सिंह ने ही साहेब श्री गुरु ग्रंथ साहिब को सिखों को वर्तमान गुरु के रूप में मानने का आदेश दिया था. उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव सेवा और सच्चाई के मार्ग पर चलते हुए बिता दिया. गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंत की रक्षा के लिए कई बार मुगलों से टकराए थे. सिखों को केश, कड़ा, कच्छा, कृपाण और कंघा धारण करने का आदेश गुरु गोबिंद सिंह ने ही दिया था. इन्हें 'पांच ककार' कहा जाता है. हर सिख के लिए इन्हें धारण करना अनिवार्य है। गुरु गोबिंद सिंह विद्वानों के संरक्षक थे. इसलिए उन्हें 'संत सिपाही' भी कहा जाता था. उनके दरबार में हमेशा 52 कवियों और लेखकों की उपस्थिति रहती थी. गुरु गोबिंद सिंह स्वयं भी एक लेखक थे, अपने जीवन काल में उन्होंने कई ग्रंथों की रचना की थी. इनमें चंडी दी वार, जाप साहिब, खालसा महिमा, अकाल उस्तत, बचित्र नाटक और जफरनामा जैसे ग्रंथ शामिल हैं। इसी क्रम में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी बलिया द्वारा भी गुरु गोविंद सिंह का 357 वां प्रकाश उत्सव मनाया गया, जिसमें नगर में प्रभात फेरी निकाली गई, श्रीराम मंदिर अयोध्या की झांकी एवं विभिन्न तरह के कार्यक्रम किए गए, तत्पश्चात गुरुद्वारे में वृहद लंगर की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया, जिसके क्रम में इण्डियन रेड क्रॉस सोसायटी बलिया से शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय, विजय कुमार शर्मा, सरदार सुरेन्द्र सिंह खालसा को गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार रंजीत सिंह द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान सरदार जितेन्द्र सिंह, श्याम बाबू रौनियार आदि सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे, संचालन सरदार अमृत पाल सिंह ने किया।

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का उत्साह

गुजरात के शहर सूरत में शनिवार को अयोध्या में रामलला की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा का जश्न मनाने के लिए स्वामीनारायण गुरुकुल में छात्रों ने कतारबद्ध होकर धनुष-तीर के साथ श्रीराम शब्द की आकृति भी बनाई।

कश्मीरी पंडित हत्या मामले में 12 के खिलाफ विशेष कोर्ट में आरोपपत्र

● श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी ने 2023 फरवरी में कश्मीरी पंडित की हत्या के मामले में तीन मृत आतंकियों सहित 12 लोगों के खिलाफ शनिवार को पुलवामा में विशेष नामित कोर्ट के समक्ष आरोप पत्र दायर किया। एटीएम गार्ड के रूप में कसार्यरत कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की 26 फरवरी 2024 को दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के अचन इलाके में आतंकियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। शर्मा की हत्या के मामले की शुरुआत में पुलवामा पुलिस ने जांच की थी और बाद में इसे विशेष जांच के लिए एसआईए कश्मीर को स्थानांतरित कर दिया गया था। एक साल से भी कम समय में एसआईए ने मामले की जांच पूरी कर आरोपपत्र दाखिल कर दिया। मामले की जांच से पता चला कि आरोपी व्यक्ति सीमा पार आतंकी आकाओं के निर्देश पर काम कर रहे थे।

अब नोरा फतेही का हुआ डीपफेक वीडियो वायरल

मुंबई। डीपफेक वीडियो वायरल करने का एक ट्रेंड सा चल गया है। जिसे देखो वो इसकी चपेट में आ रहा है। अभी तो रश्मिका मंदाना का एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था। जिस शख्स ने ये वीडियो बनाकर वायरल किया था, उसकी गिरफ्तारी भी हुई। अब दूसरा डीपफेक वीडियो का मामला सामने आ गया। नोरा फतेही का अब डीपफेक वीडियो वायरल हो रहा है। नोरा, कई फैशन ब्रैंड्स को एंडॉर्स करती हैं। कई ब्रैंड्स की नोरा ब्रैंड एम्बैस्डर भी हैं। पर एक ब्रैंड ऐसा है, जिसके बारे में खुद नोरा नहीं जानती हैं। इंटरनेट पर नोरा का एक डीपफेक वीडियो वायरल हो रहा है, जहां एक्ट्रेस के फेस को मॉर्फ किया गया है।

यह एक ऑनलाइन शॉपिंग ब्रैंड है, जिसे कहने के लिए नोरा एंडॉर्स करती नजर आ रही हैं, पर सच में ये नोरा हैं नहीं। एक प्रमोशनल वीडियो में नोरा फतेही नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने जैसे ही वीडियो को सोशल मीडिया पर देखा, उन्होंने रिपोर्ट किया।

रश्मिका मंदाना डीपफेक वीडियो मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। रश्मिका मंदाना के वायरल डीपफेक वीडियो के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरोपी को स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट ने कई राज्यों में छापेमारी के बाद पकड़ा है। गहन विश्लेषण और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ के बाद आखिरकार इंस्टाग्राम पर आरोपी का अकाउंट ट्रेस कर लिया गया। आरोपी की पहचान करने के बाद दिल्ली पुलिस की एक टीम आंध्र प्रदेश के गुंटूर पहुंची। वहां आरोपी ईमानी नवीन पुत्र स्वर्गीय संबाशिव राव इमामी को ढूंढ निकाला। पुलिस हिरासत में आने के बाद उसने अपना अपराध कुबूल कर लिया। ईमान चेन्नई से बीटेक है, रश्मिका का फैन है।

चीन के स्कूल में लगी आग 13 बच्चों की हो गई मौत

हेनान प्रांत। चीन के हेनान प्रांत में एक स्कूल डॉर्मेट्री में लगी आग से 13 स्कूली बच्चों की मौत हो गई। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने इसकी पुष्टि की है। शुक्रवार की रात को हेनान प्रांत के यांशांनपू गांव में एक यिंगसाइ स्कूल में आग लग गई थई। स्कूल के मैनेजर को गिरफ़्तार कर लिया गया और घटना की जांच शुरू कर दी गई है। सरकारी अख़बार हेबेई डेली को एक टीचर ने बताया कि सभी मृतक तीसरी कक्षा के स्टूडेंट थे। जब आग लगी तो उस समय डॉर्मेट्री में 30 स्टूडेंट मौजूद थे। बाकी स्टूडेंट को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। शिन्हुआ के अनुसार, आग की सूचना मिलने के एक घंटे के अंदर आग को बुझा लिया गया।

हादसा: शिमला में गिरी पांच मंजिला बिल्डिंग

शिमला। राजधानी शिमला में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। शिमला ग्रामीण क्षेत्र की ग्राम पंचायत घंडल के तहत डिग्री कॉलेज 16 मिल के पास नेशनल हाईवे पर पांच मंजिला एक मकान जमींदोज हो गया। धामी 16 मिल में प्लॉट की कटिंग करते एक पांच मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इससे धामी कॉलेज की बिल्डिंग के एक हिस्से में दरार आ गई है। गनीमत है कि जान माल का नुकसान नहीं हुआ है। इसमें पूर्व कॉलेज के छात्र रहते थे। दरारों के चलते इस इमारत को एक हफ्ता पूर्व ही खाली करवाया था। हिमाचल में अक्सर बारिश व बर्फबारी के दौरान लैंड स्लाइडिंग और इस के हादसे सामने आते रहते हैं।

कैलिफोर्निया में स्कूल में पढ़ाई जाएगी हिंदी भाषा

नई दिल्ली। कैलिफोर्निया में पहली बार, सिलिकॉन वैली के दो सरकारी स्कूल अपने स्कूली पाठ्यक्रम में हिंदी को विश्व भाषा के रूप में शामिल करेंगे। एक वैकल्पिक विषय के रूप में हिंदी को पेश करने के निर्णय का फ्रेमोंट में बड़े भारतीय अमेरिकी समुदाय ने स्वागत किया। फ्रेमोंट में कैलिफोर्निया में भारतीय अमेरिकियों की संख्या सबसे अधिक है। फ्रेमोंट यूनिफाइड स्कूल डिस्ट्रिक्ट बोर्ड ने एक पायलट प्रोग्राम शुरू करने वोटिंग की गई, जो अगस्त में शुरू 2024-2025 स्कूल वर्ष के लिए हॉर्नर मिडिल स्कूल और इरविंगटन हाई स्कूल के पाठ्यक्रम में हिंदी को शामिल करेगा। हॉर्नर मिडिल स्कूल व इरविंगटन हाई स्कूल में 65 फीसदी छात्र भारतीय अमेरिकियों की है।

आज का इतिहास

- **1924:** रैम्जे मैक्डोनाल्ड के नेतृत्व में पहली बार ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सरकार बनी।
- **1945:** प्रख्यात वकील और शिक्षाविद रास बिहारी बोस का निधन।
- **1958:** कॉपीराइट अधिनियम लागू किया गया।
- **1959:** प्रसिद्ध वैज्ञानिक तथा शोधकर्ता ज्ञान चंद्र घोष का निधन।
- **1961:** भाजपा की जानीमानी महिला राजनीतिज्ञ दर्शना जरदोश का जन्म।
- **1972:** मणिपुर मेघालय और त्रिपुरा राज्य का स्थापना दिवस।
- **1981:** तेहरान में अमेरिकी दूतावास में सभी बंधक लोगों को छुड़ाया गया।
- **1986:** भारतीय फिल्म अभिनेता, थियेटर और टीवी कलाकार सुशांत सिंह राजपूत का जन्म।
- **1996:** स्वायत्त फिलिस्तीन के प्रथम आम चुनाव में फिलिस्तीनी मुक्ति मोर्चा के नेता यासर अराफात 85 प्रतिशत मत प्राप्त कर निर्वाचित।

भारत-म्यांमार बॉर्डर पर फेंसिंग कराएगी सरकार

गृहमंत्री अमित शाह बोले, घुसपैठ रोकने दोनों देशों में फ्री मूवमेंट पर होगी पाबंदी

● गुवाहाटी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को असम में ऐलान किया है कि भारत-म्यांमार बॉर्डर पर खुली सीमा की फेंसिंग की जाएगी। म्यांमार से भागकर आ रहे आतंकियों और घुसपैठ को रोकने के लिए दोनों देशों के बीच फ्री मूवमेंट को भी सरकार बंद करने जा रही है। शाह ने गुवाहाटी में हुई असम पुलिस की पासिंग आउट परेड में कहा- म्यांमार के साथ हमारी खुली सीमा है।

इसे हम बांग्लादेश की तर्ज पर बाड़ (फेंसिंग) लगाकर सुरक्षित करेंगे। शाह ने यह ऐलान भी किया कि सरकार दोनों के बीच फ्री मूवमेंट एग्रीमेंट पर भी पुनर्विचार कर रही है। आने-जाने की इस सहूलियत को ही सरकार बंद करने जा रही है।म्यांमार की सीमा भारत के चार राज्यों से लगती है। दोनों देशों के बीच 1600 किलोमीटर का बॉर्डर है। भारत-म्यांमार के बीच फ्री मूवमेंट का एग्रीमेंट 1970 में हुआ था। तब से सरकार इसे लगातार रिन्यू करती रही है। आखिरी बार इसे 2016 में रिन्यू किया गया था।

मिजोरम में घुसे म्यांमार के 600 सैनिक

शाह ने यह घोषणा उस वक्त की है जब म्यांमार में विद्रोही गुटों व सेना में च लड़ाई तेज है। इस बीच म्यांमार के 600 सैनिक ने वहां से भागकर भारत के मिजोरम में पनाह ली हैं। मिजोरम सरकार ने इस मुद्दे पर केंद्र से मदद मांगी थी। सैनिकों को वापस म्यांमार भेजने की अपील की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक म्यांमार से भागे सैनिकों ने मिजोरम के लांग्टलाई जिले के तुईसेंटलांग में असम राइफल्स के पास शरण ले रखी है। सैनिकों ने बताया कि पश्चिमी म्यांमार राज्य के रखाइन में एक हथियारबंद विद्रोही गुट अराकन आर्मी के उग्रवादियों ने उनके शिविरों पर कब्जा किया, जिसके बाद वे भागकर भारत आ गए।

म्यांमार शरणार्थी भारतीय बॉर्डर कैसे आसानी से पार कर लेते हैं

यंग मिजो एसोसिएशन के सचिव लालनुन्तलुआंगा कहते हैं कि भारत और म्यांमार की सीमा से इधर-उधर जाना आसान है। बॉर्डर के दोनों तरफ 25 किलोमीटर तक जाने की छूट है। ऐसे में म्यांमार से लोग आसानी से भारत पहुंच जाते हैं। आइजॉल के गवर्नमेंट जॉनसन कॉलेज में प्रोफेसर डेविड लालरिनछाना का कहना है कि म्यांमार के चिन और मिजोरम के मिजो लोगों के बीच अच्छे रिश्ते हैं। ये अपने को एक-दूसरे के पूर्वज मानते हैं। यही वजह है कि चिन विस्थापितों लोगों को मिजोरम में सहयोग मिलता है। म्यांमार में फरवरी 2021 में तख्तापलट के बाद से अवैध प्रवासियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इस दौरान करीब 40 हजार शरणार्थियों से मिजोरम में पनाह ली। वहीं करीब 4 हजार रिफ्यूजी मणिपुर पहुंचे।

म्यांमार में तख्तापलट के बाद सेना ने इमरजेंसी की घोषणा की

फरवरी 2021 में म्यांमार में सेना ने लोकतांत्रिक सरकार को हटाकर सस्ता पर कब्जा कर लिया। वहां की स्टेट काउंसलर आंग सान सू की और राष्ट्रपति विन मिंट समेत कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद मिलिट्री लीडर जनरल मिन आंग हलिंग ने खुद को देश का प्रधानमंत्री घोषित कर दिया था। सेना ने देश में 2 साल के आपातकाल की घोषणा की थी। इसके बाद से म्यांमार में गृह युद्ध चल रहा है, जिसके कारण बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं। मिजोरम पुलिस के मुताबिक, बीते कुछ महीनों से भारत-म्यांमार सीमा के आसपास गतिविधियां बढ़ी हैं। हजारों की संख्या में म्यांमारी लोग भारतीय सीमा में प्रवेश कर रहे हैं।

मिजोरम के सीएम लालदुहोमा ने गृह मंत्री अमित शाह से बात की

मिजोरम के हालात को देखते हुए मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने शिलांग में हुई एक बैठक में गृह मंत्री अमित शाह से इस मुद्दे पर बातचीत की थी। इस दौरान मिजोरम ने राज्य में शरण लेने वाले म्यांमार सेना के जवानों की जल्द वापसी की जरूरत पर जोर दिया था। सीएम लालदुहोमा ने कहा था- लोग शरण लेने के लिए म्यांमार से भागकर हमारे देश आ रहे हैं और हम इंसानियत के नाते उनकी मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि म्यांमार के सैनिक आते रहते हैं और शरण मांगते हैं। पहले हमने करीब 450 सैनिकों को हवाई मार्ग से वापस भेजा था। मणिपुर सरकार ने 2020 में फ्री मूवमेंट एग्रीमेंट (एफएमए) को सस्पेंड कर दिया था। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने 23 सितंबर, 2023 को कहा था कि उन्होंने गृह मंत्रालय से भारत-म्यांमार सीमा पर एफएमए को रद्द करने और सीमा पर फेंसिंग करने का काम पूरा करने की अपील की थी। उन्होंने राज्य में जारी जातीय हिंसा के लिए सीमा पार से लोगों की आवाजाही को जिम्मेदार ठहराया था।

अराकन आर्मी म्यांमार का सबसे ताकतवर विद्रोही गुट : बीते एक दशक में अराकन आर्मी म्यांमार में सबसे ताकतवर विद्रोही गुट बनकर उभरा है। मिजोरम और म्यांमार के चिन प्रांत के बीच 510 किलोमीटर लंबी सीमा है।

ज्ञानवापी टैंक की सफाई का काम किया गया पूरा

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 26 लोगों की टीम ने 2 घंटे में पानी निकाला

वाराणसी। वाराणसी की ज्ञानवापी परिसर में वजूस्थल पर बने टैंक की सफाई का काम शनिवार को पूरा कर लिया गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नगर पालिका मत्स्य विभाग समेत 26 सदस्यीय टीम ने सफाई का काम पूरा किया। मौके पर वाराणसी के जिला अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान सीआरपीएफ और पुलिस की तगड़ी सुरक्षा रही। हिंदू पक्ष के वकील सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से साफ-सफाई की गई, दोनों पक्षों की सहमति से सफाई का काम सही से हुआ है। वहां किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं की गई है। सर्वे के दौरान जो स्थिति थी बिल्कुल वैसी स्थिति है। सफाई का काम दो घंटे चला। वजूस्थल की सफाई के बाद मछलियों को बाहर निकाला गया। इनमें से 17 मछलियां मरी पाई गईं, जिन्हें नगर निगम को सौंप दिया गया। वहीं, 38 जिंदा मछलियों को प्रशासन की मौजूदगी में मुस्लिम पक्ष को सौंपा गया। इसके बाद पूरे परिसर को फिर से सील कर दिया गया है। संरचना से कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। दोनों पक्षों ने संतुष्टि के साथ हस्ताक्षर किया।

हिंदू पक्ष की दलील थी-मछलियां भगवान की हैं : हिंदू पक्ष के वकील सुधीर त्रिपाठी ने डीएम से मांग की कि टैंक की मछलियां भगवान की हैं। उन्हें गंगा में प्रवाहित कर दिया जाए। हालांकि, डीएम ने कहा कि टैंक में मिलने वाली मछलियों पर मुस्लिम पक्ष का दावा है। उनका कहना है कि जो मछलियां जीवित निकलेंगी, वह उन्हें सौंपी जाएं।

डीएम पूरे वक्त मौजूद रहे

टैंक की सफाई की शनिवार सुबह 10 बजे शुरू हुई, जो दोपहर एक बजे तक चली। पानी दो घंटे में निकाला गया। इसकी फोटो और वीडियोग्राफी करवाई गई। टैंक से पानी निकालने के लिए फायर बिग्रेड की गाड़ियों को भी बुलाया गया था। 26 लोगों की जो टीम अंदर गई थी, उसमें 15 निगम के सफाईकर्मी थे। इसके अलावा, सीआरपीएफ कमांडेंट, हिंदू और मुस्लिम पक्ष के वादी और वकील मौजूद रहे। 17 जनवरी को हिंदू पक्ष की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने डीएम की देख-रेख में टैंक की सफाई करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि टैंक में मिली संरचना से छेड़खानी नहीं होनी चाहिए। दरअसल, हिंदू पक्ष का दावा है कि टैंक में मिली संरचना शिवलिंग है, जबकि मुस्लिम पक्ष इसे फव्वारा बता रहा है।

ट्रंप बोले-200 साल तक जी सकता हूं मैं

वॉशिंगटन। रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से तीसरी बार प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट बनने की कोशिश कर रहे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प खुद को 35 साल का ही मानते हैं। जिंदगी के 77 बसंत देख चुके ट्रम्प ने गुरुवार को 19 जनवरी को एक और रोचक बात कही।

उनके मुताबिक- मैं आराम से 200 साल जी सकता हूं, लेकिन शर्त सिर्फ इतनी है कि इसके लिए मुझे जंक फूड छोड़ना होगा। न्यू हैम्पशायर में इलेक्शन कैम्पेन के लिए पहुंचे ट्रम्प ने समर्थकों को संबोधित किया। कहा- मुझे लगता है कि अभी मैं सिर्फ 35 साल का ही हूं। कई बार तो मुझे लगता है कि 30 साल पहले मैं जैसा था, अब उससे बेहतर महसूस कर रहा हूं। जब मैं व्हाइट हाउस में था तो एक बार वहां मेरे फिजिशियन रहे रोनी जैक्सन ने मुझसे कहा था- आप 200 साल जिएंगे, बस जंक फूड खाना छोड़ दीजिए। मुझे भी ऐसा ही लगता है। आयोवा में कॉकस जीतकर लौटे ट्रंप को अब न्यू हैम्पशायर में नई चुनौती का मुकाबला करना है। रिपा में प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट की रेस रोचक होती जा रही है।

मराठा आरक्षण: हजारों की भीड़ जालना से जा रही मुंबई की ओर

मुंबई। मराठा आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल जालना से मुंबई तक विरोध मार्च निकाल रहे हैं। जरांगे मराठा आरक्षण की मांग कर रहे हैं। उनके साथ हजारों लोगों की भीड़ नजर आ रही है। शुक्रवार को उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र सरकार मराठाओं को मूर्ख बना रही है।

उसने हमें आरक्षण देने को कहा था, लेकिन आज तक अपना वादा पूरा नहीं किया। जालना से मुंबई के बीच की दूरी 407 किलोमीटर है। मनोज जरांगे 26 जनवरी को मुंबई पहुंचेंगे। बीड जिले में उनके स्वागत के लिए कई सारी जेसीबी तैयार रखी गयी है। जेसीबी से फूल बरसाकर उनका स्वागत किया जाएगा।

नीतीश कैबिनेट में बड़ा फेरबदल

शिक्षा से चंद्रशेखर की छुट्टी, तीन मंत्रियों के विभाग बदले

पटना। बिहार सरकार में शनिवार को बड़ा बदलाव देखने को मिला। नीतीश कैबिनेट में तीन मंत्रियों की जिम्मेदारी में बदलाव किया गया है। ये मंत्री चंद्रशेखर, आलोक मेहता और ललित यादव हैं।

अभी तक शिक्षा मंत्रालय संभाल रहे चंद्रशेखर अब गन्ना विकास विभाग देखेंगे। आलोक मेहता को शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, मंत्री ललित यादव को भूमि राजस्व विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। बताते चलें कि ये सभी मंत्री आरजेडी कोटे के हैं। ललित यादव के पास पहले से लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग है। शिक्षा मंत्रालय संभाल रहे चंद्रशेखर की छुट्टी कर उनकी जगह आलोक मेहता को इस विभाग का मंत्री बनाया गया है।

राजस्थान: एक कमरे में मिले 4 संदिग्ध शव

जयपुर। राजस्थान के डीडवाना-कुचामन जिले में मौलासर थाना इलाके के नुवां गांव में एक कमरे से पुलिस ने संदिग्ध अवस्था में चार शव बरामद किए हैं। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने शुक्रवार देर रात शव बरामद कर मोर्चरी में रखवाए। शवों का शनिवार दोपहर बाद पीएम करवाया गया। मृतका नाजिया और साजिया बानो सगी बहनें हैं। कमरे से साजिया बानो के सात साल के बेटे अबीर और चार साल की बेटी कनिष्का बानो का भी शव बरामद हुआ है।

फोन पर तीन तलाक के बाद हत्या का आरोप

मृतका के पिता समंदर खां की शिकायत पर मौलासर थाना पुलिस ने 11 नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ हत्या, दहेज प्रताड़ना और आपराधिक साजिश रचने की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने सात नामजद अभियुक्तों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। सीकर के धोद की निवासी दोनों बहनों की शादी 2015 में नुवां गांव में दो सगे भाइयों लियाकात खां और सलाउद्दीन खां के साथ हुई थी। बीते कुछ साल से दोनों सऊदी अरब में नौकरी करते हैं। मृतकाओं के पिता समंदर खां फोन पर बताते हैं कि मेरी बेटियों को उनके पति ने फोन पर भी तलाक दिया और घर पर तलाक के नोटिस भी भेजे। वह मेरी बेटियों को घर से निकल जाने के लिए धमकाते थे। समंदर ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाते हुए बताया है कि, दोनों भाई मेरी संतानों को फोन पर धमकी देने लगे की तुम्हें साथ नहीं रखेंगे। फोन पर दोनों भाइयों ने मेरी बेटियों को कहा हम तुम्हें तलाक देते हैं।

2024 में मालामाल हुई दीपिका पादुकोण, 500 करोड़ पहुंची संपत्ति

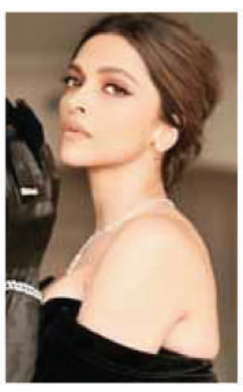

नई दिल्ली। अभिनेता दीपिका पादुकोण इस वक्त अपने करियर के टॉप पर हैं। उनकी हालिया रिलीज़ फिल्में पठान और जवान दोनो ब्लॉकबस्टर रही हैं। ऋतिक रोशन के साथ उनकी आगामी फिल्म 'फाइटर' जल्द रिलीज होने वाली है। फिल्म में दीपिका एक्शन-मोड में नजर आएंगी। फाइटर भी दीपिका के शानदार करियर में एक सितारा जड़ देगी।

पिछले साल 2023 में दीपिका को ऑस्कर में प्रस्तुति देने का सम्मान मिला था। वह लगातार सफलता की बुलंदिया चढ़ रही हैं। एक्ट्रेस कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडों का चेहरा बनी हुई हैं। ऐसे में दीपिका ने अपने खाते में खूब पैसा भी जमा कर लिया है। एक्ट्रेस की लेटेस्ट नेटवर्थ का खुलासा हुआ है।

सबसे ज्यादा टैक्स देने वाली इकलौती फीमेल स्टार: दीपिका पादुकोण की कुल संपत्ति 500 करोड़ रुपए हो गई है। वित्तीय वर्ष 2016-2017 में, उन्होंने 10 करोड़ रुपये का तो टैक्स ही चुकाया है। खासतौर पर वह पिछले साल भारत के सबसे ज्यादा टैक्स देने वाले लोगों की लिस्ट में शामिल हैं। इस लिस्ट में दीपिका एकमात्र फीमेल स्टार बनकर सामने आई हैं।

Filmi तड़का

कंगना ने कांग्रेस द्वारा निमंत्रण ठुकराने पर कहा- 'हमें श्रीराम ने सद्बुद्धि दी है'..

अयोध्या धाम के जिन्हें दर्शन होते हैं, वो बहुत पुण्य कमाते हैं...

अयोध्या। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत शनिवार को अयोध्या पहुंची जहां उन्होंने रामलला के दर्शन किए। बता दें कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में बॉलीवुड के कई बड़े सेलिब्रिटीज को निमंत्रण मिला है। इनमें कंगना रनौत भी शामिल हैं।

शनिवार को उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर पपराजी ने स्पॉट किया। फिर वह अयोध्या पहुंचीं जहां उन्होंने मीडिया से बात की। कंगना ने कन्फर्म किया कि वह 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के वक्त मौजूद रहेंगी। कंगना ने बताया वह बहुत खुश हैं जो उन्हें वहां मौजूद रहने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या धाम के जिन्हें दर्शन होते हैं, वो बहुत पुण्य कमाते हैं। जैसे वेटिकन सिटी है वैसे ही हमारा सबसे बड़ा धाम अयोध्या धाम है। कंगना ने आगे कहा, 'हमारा यह सौभाग्य है कि हमें श्रीराम ने सद्बुद्धि दी है हम आए हैं और उनके दर्शन करेंगे तो कुछ ऐसे भी हैं जिनको दुर्बुद्धि दी है कि वो उनके दरबार ना आएं।'

क्लीन-शेव ऋतिक रोशन

बॉलीवुड

ऋतिक रोशन की आगामी फिल्म फाइटर एक्शन से भरपूर है। अभिनेता के क्लीन-शेव लुक ने भी बॉलीवुड में तहलका मचा दिया है। स्टाइल का प्रतीक ऋतिक का किरदार ताजा और कालातीत दृष्टिकोण दिखाता है, खासकर उनकी बेदाग क्लीन-शेव की उपस्थिति। जहां आजकल प्रचलित फैशन में दाढ़ी है, वहीं 2024 में क्लीन-शेव लुक से ऋतिक की वापसी साहसिक है। चिकने चेहरे से जुड़े क्लासिक, परिष्कृत आकर्षण काफी आकर्षक है। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाने जाने वाले बॉलीवुड स्टार के रूप में ऋतिक सहजता से साफ-सुथरा स्टाइल अपनाते है, जो मनोरंजन उद्योग में सौंदर्य को प्रेरित करता है। उनके प्रशंसक और फैशनप्रेमी हाल के वर्षों में प्रचलित दाढ़ी संस्कृति को छोड़कर सौम्य और क्लीन-शेव लुक को स्वीकार कर रहे है । रोशन की यह ग्रूमिंग ट्रेंडसेटर है जो 2024 के लिए क्लीन-शेव लुक की शुरुआत करता है। ऋतिक की स्टाइल कभी-कभी दर्शकों को लुभाती रहती है, यह क्लासिक लुक सबसे प्रभावशाली हो सकता है। ऋतिक ने कहा- ''यह अविश्वसनीय सकारात्मक अपडेट है कि 'फाइटर' 2024 की सबसे प्रतीक्षित भारतीय फिल्म है। हमें उम्मीद है कि हम 25 जनवरी को संपूर्ण सिनेमाई अनुभव प्रदान करेंगे। इस गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आपसे मिलते है! फिल्म के गाने 'हीर आसमानी', 'शेर खुल गए', 'इश्क जैसा कुछ' और शीर्षक गीत शानदार हैं। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्मित, 'फाइटर' भारतीय सिनेमा की पहली हवाई एक्शन फ्रेंचाइजी फिल्म है। 'फाइटर' में दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर, करण सिंह ग्रोवर और अक्षय ओबेरॉय भी है।

'अटल' में होगी 'राम कथा'

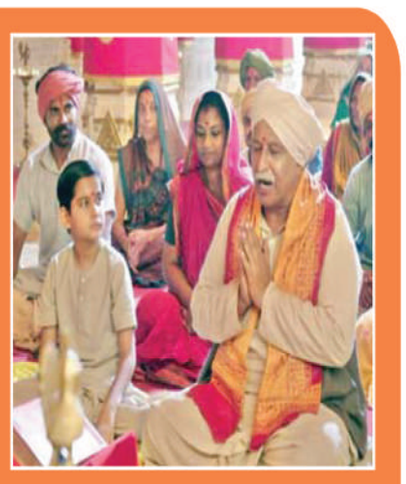

एण्डटीवी के शो अटल में 23 और 24 जनवरी को 'राम कथा' के लिये तैयार हो जाइये। भूतपूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के बचपन की कहानी है। इसमें रामायण का युग दिखाई देगा। अटल पास के गांव में राम कथा के लिये अपने दादाजी के साथ जाता है। श्याम लाल वाजपेयी (मिलिंद दस्ताने) ने कहा, अटल और उसका परिवार बुरे हालात से गुजर रहा होता है, क्योंकि उसके पिता कृष्ण बिहारी (आशुतोष कुलकर्णी) को पैसों की तंगी है। परिवार को रोजाना के खर्चों के लिये भी संघर्ष करना पड़ता है। इस बीच, दादाजी को, जो पंडित हैं, राम कथा सुनाने का अवसर मिलता है। उन्हें कथा वाचन के लिये बुलाया जाता है। अटल अपने दादाजी के साथ हो लेता है।

श्रद्धा कपूर के साथ ताहा शाह

अभिनेता ताहा शाह बदुशा ने सोशल मीडिया पर कैप्शन साझा किया है। वह अपनी लव का द एंड की सह-कलाकार श्रद्धा कपूर के साथ तस्वीरें साझा करके पुरानी यादों की राह पर चलते है। उनका कैप्शन है- ''अगर मै कर सकता हूँ, तो हममें से

प्रत्येक ऐसा कर सकता है'', संयुक्त अरब अमीरात में मेरे शुरुआती दिनों से लेकर अब जहां तक मै हूं, मेरे करियर को आकार दिया। लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास, पसीना और आंसुओं पर अक्सर कई लोगों का ध्यान नहीं जाता, न केवल मेरे लिए, बल्कि हममें से प्रत्येक के लिए जो कुछ छाप छोड़ने का प्रयास करने और कुछ हासिल करने की कोशिश करते है, लेकिन यही सुंदरता है चुपचाप कड़ी मेहनत करना। 'लव का द एंड' में लव नंदा से लेकर मेरे वर्तमान स्वरूप तक का रास्ता चुनौतियों से भरा रहा है। यह आसान नहीं था लेकिन विश्वास, कड़ी मेहनत और अटूट दृढ़ संकल्प के साथ, मैने कुछ सही करने की कोशिश की है। मेरी सुपर मां से, मै इन स्मृतियों को साझा करता हूं, यह जानते हुए कि यात्रा में और भी बहुत कुछ है जिसे कैद नहीं किया जा सकता।'' ताहा को जी 5 के ताज - डिवाइडेड बाई ब्लड में सम्राट अकबर के दूसरे बेटे के रूप में देखा गया था।

अगस्त्य की धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत से मुलाकात

द आर्चीज़ के साथ शुरुआत के बाद, अगस्त्य नंदा श्रीराम राघवन की ''इक्कीस'' के लिए तैयार है, जो सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र प्राप्तकर्ता अरुण खेत्रपाल पर मार्मिक बायोपिक है। हाल ही में साक्षात्कार में अगस्त्य ने बॉलीवुड के

दिग्गज धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत के साथ स्क्रीन साझा करने के अवसर के लिए अपना उत्साह और आभार व्यक्त किया। ''वे बहुत वरिष्ठ है, खासकर जब आप धरम जी के सामने हों और आप उनके साथ बातचीत कर रहे हों, यह अद्भुत क्षण है लेकिन मुझे बहुत कुछ सीखने की उम्मीद है। वे बहुत महान अभिनेता और महान लोग है। उन्होंने गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया,'' अगस्त्य ने बताया। जयदीप अहलावत के लुक टेस्ट को याद करते हुए अगस्त्य ने बताया कि ''मै जयदीप सर के लुक टेस्ट के लिए गया था, वह बहुत गर्मजोशी से भरे थे, वह बस उत्सुक थे। मै निश्चित रूप से सब कुछ होते हुए देखूंगा।

कियारा ने करण की नकल की

कियारा आडवाणी ने विज्ञापन में करण जौहर की शैली की मज़ाकिया ढंग से नकल करते हुए अपना मज़ेदार पक्ष दिखाया। जब जौहर सुझाव देते है कि कियारा चश्मा पहनती है, जिससे हास्यपूर्ण होता है जहां वह उसकी हरकतों की नकल करती है। जौहर के सिग्नेचर पाउट की नकल करने से कियारा काफी हंसी। ''केजेओ की सर्वश्रेष्ठ नकल'' के रूप में प्रशंसा की गई। करण

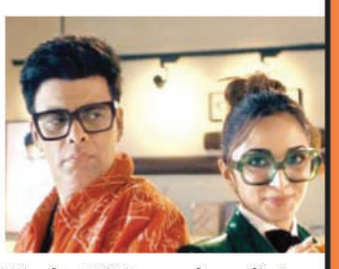

जौहर अपने सेलिब्रिटी टॉक शो, कॉफ़ी विद करण के आठवें सीज़न की मेजबानी कर रहे है, जो समाप्त होने वाला है। इसके अतिरिक्त, सलमान खान की फिल्म, 'द बुल' का निर्माण भी कर रहे हैं। अभिनेत्री के पास ''गेम चेंजर'' नामक फिल्म में राम चरण के साथ काम करने की योजना है।

शिवम तिवारी का जलवा

भोजपुरी, हिंदी और कई भाषाओं की फिल्मों में अभिनय कर चुके अभिनेता शिवम तिवारी जी गंगा चैनल पर प्रसारित ''बंधन टूटे ना'' में माधव के

किरदार से अलग पहचान बना चुके है। इन दिनों वे कई प्रोजेक्ट को लेकर बिजी है। शिवम जल्द ही प्रदीप शर्मा के निर्देशन में बन रही भोजपुरी फिल्म ''पांडे जी'' में पांडे का किरदार निभाते नजर आने वाले है। शिवम बताते है- ''फिल्म की कहानी उत्तर प्रदेश पुलिस पर केंद्रित है। कहानी अराजकता के खिलाफ है। मेरा किरदार पांडे जी पसंद आएगा। ''पांडे जी'' के अलावा और कई फिल्में आने वाली है। जल्द ही स्वीटी छाबड़ा के साथ भक्ति गीत ''जय सियाराम...'' रिलीज होने जा रहा है।''

टीवी

राजसी ऐतिहासिक रोमांस

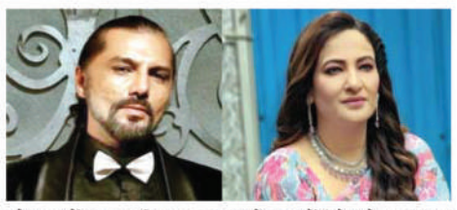

कलर्स की महागाथा 'प्रचंड अशोक' के सम्राट अशोक (अदनान खान) और राजकुमारी कौर्वकी (मल्लिका सिंह) की पौराणिक प्रेम गाथा ऐतिहासिक रोमांस को दर्शाता है, दो व्यक्ति जो दिन और रात की तरह अलग है। कौर्वकी दयालु साथी की तलाश में है, जबकि अशोक विजय और सत्ता का प्यासा है। हेलेना के रूप में रक्षंदा खान, बिंदुसार के रूप में चेतन हंसराज, चंद्रगुप्त मौर्य के रूप में सुरेंद्र पाल, चाणक्य के रूप में मनोज कोल्हाटकर, सुशीम के रूप में आरुष श्रीवास्तव, सुबंधु के रूप में दिनेश मेहता, भद्रक के रूप में अंकित भाटिया, धर्मा के रूप में शालिनी चंद्रन, सलुक्खावती के रूप में लीना बलोदी, पद्मनाभन के रूप में मनीष खन्ना, और कौर्वकी के चाचा के रूप में हर्ष वशिष्ठ कलाकार शामिल है। रक्षंदा खान कहती है-''हेलेना का किरदार निभाना पुरुष-प्रधान दुनिया में मजबूत और प्रभावशाली किरदार को मूर्त रूप देने का अविश्वसनीय अवसर है। मै पहली बार ऐतिहासिक ड्रामा कर रही हूं और मैने बहुत सारे ग्रे किरदार निभाएं है, लेकिन मेरे लिए रोमांचक चुनौती है।''

मलाइका अरोड़ा रो पड़ी

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो, 'झलक दिखला जा' में प्रिंस नरूला, के-पॉप आइडल 'अओरा', मिस्टर फैसु, सुमेध शिंदे, बाबिल खान और जसलीन रॉयल का स्वागत किया जाएगा । जज मलाइका अरोड़ा ने कहा-''कई लोगों के पास इस कॉन्सेप्ट के अलग-अलग मायने होंगे, लेकिन संगीता, आप स्वाभाविक एक्ट्रेस है। आपके अंदर अभिनेत्री है. जिस तरह से आपने अपने संवाद की शुरुआत की, जिस तरह से आप अपनी पोशाक पर हाथ साफ कर रही थी, वो छोटी-छोटी बातें - आप जन्मजात अभिनेत्री है। '' अरोड़ा रो पड़ी। उन्होंने कहा, ''मुझे याद है कि हम किराए के घर में रहते थे। हमारे पास अपना घर नही था, मेरा मतलब है, हम किराए के घर में रहते थे। हम अक्सर मजाक करते हुए कहते है कि हम बचपन में माचिस की डिब्बी में रहते थे। घर कितना छोटा था। हम घूमते थे तो ऐसा लगता था कि कहीं किसी को चोट न लग जाए। यह बहुत - बहुत कठिन था। जाहिर है, थोड़े से पैसे बचाने के बाद, जब मै कुछ खरीद सकती थी तो सबसे पहली चीज जो मै करना चाहती थी, वो एक घर खरीदना था। ''

ऋतिक रोशन ने दिया ट्रांसफॉर्मेशन

ऋतिक रोशन सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के 'इंडियन आइडल 14' पर 'फाइट टू टॉप 10' थीम वाले एपिसोड के लिए मौजूद होंगे! ऋतिक की आगामी रिलीज 'फाइटर' से 'सुजलाम सुफलाम' गाने पर प्रस्तुति के साथ उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया, जो 25 जनवरी को रिलीज होगी। राजस्थान के पीयूष पंवार ने 'कहो ना प्यार

है' का टाइटल सॉन्ग और 'कभी खुशी कभी गम' का 'यू आर माय सोनिया' का गाकर प्रभावित कर दिया। ऋतिक ने पीयूष का लुक संवारने का इरादा व्यक्त किया। ऋतिक ने कहा, ''भारत पहले से ही पुराने पीयूष का फैन है, दुनिया अब उनके नए रूप की दीवानी होने के लिए तैयार है।'' ऋतिक जजों के साथ मंच पर आए और यादगार अनुभव बनाया।

राशि खन्ना और विक्रांत मैसी साथ में

राशि खन्ना और विक्रांत मैसी दो आगामी बैक टू बैक फिल्मों में साथ अभिनय करने के लिए तैयार है। इन दो प्रतिभाशाली अभिनेताओं के बीच की केमिस्ट्री को देखने की उम्मीद है। जोड़ी में से पहली फिल्म शीर्षकहीन है। बोधायन रॉय चौधरी द्वारा निर्देशित यह फिल्म इसी साल रिलीज होने की उम्मीद है। दूसरी नई घोषित फिल्म, द साबरमती रिपोर्ट, एकता कपूर द्वारा निर्देशित है। जो 2002 की घटना पर आधारित है! राशि और विक्रांत द्वारा अभिनित इस फिल्म में से जल्द पर्दा उठ रहा है।

नाचे शबीर अहलुवालिया

जीटीवी का शो 'प्यार का पहला नाम राधामोहन' मोहन (शबीर अहलुवालिया), राधा (निहारिका रॉय) और दामिनी (संभावना मोहंती) है। उंगलियों पर नेल पेंट लगा मोहन की

आवाज़ धीरे-धीरे बदल जाती है और उसकी आंखें लाल हो गई । शबीर साड़ी में 'मेरे ढोलना' गाने पर डांस करेंगे। शबीर ने कहा, ''साड़ी पहनकर डांस सीक्वेंस करना यकीनन बहुत चैलेंजिंग था। यह मशहूर गाना है। असल में यह डांस सीक्वेंस दामिनी से उसका अपराध उगलवाने के लिए किया गया नाटकीय सीक्वेंस है।''

श्रीमद रामायण में अब तक की यात्रा

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के महाकाव्य 'श्रीमद रामायण' में भगवान राम की कालजयी यात्रा को दर्शाया गया है । भगवान राम के दिव्य जन्म, गुरुकुल से लौटने के बाद राजा दशरथ के साथ उनके पुनर्मिलन और कैसे वो खतरनाक ताड़का का सामना करते हैं आदि। अहिल्या को मोक्ष देने के बाद, भगवान राम ऋषि विश्वामित्र के साथ मिथिला चले गए, जहां उन्होंने महल में राजा जनक द्वारा आयोजित 'सीता स्वयंवर' में भाग लिया। राजा जनक ने घोषणा की कि शिव धनुष को उठाने में सक्षम व्यक्ति की शादी उनकी बेटी सीता से की जाएगी और भगवान राम न केवल धनुष को उठाने और प्रत्यंचा चढ़ाने में सक्षम हैं । सीता का स्वयंवर भगवान राम के साथ संपन्न होगा।

प्यार, आपसी समझ पर निर्भर सफल फैमिली सिस्टम

जी टीवी का फिक्शन शो 'इक कुड़ी पंजाब दी' ड्रामा है,यह हिम्मत और हौसले की कहानी है। अविनेश रेखी असल जिंदगी में भी अविनेश

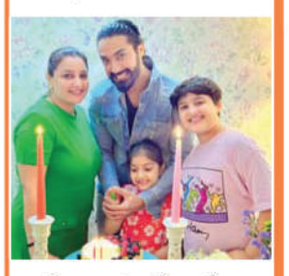

बिल्कुल रांझा की तरह हैं। रेखी ने बताया कि परिवार उनके लिए क्या मायने रखता है और परिवार के हर सदस्य के साथ अच्छे रिश्ते कितने जरूरी हैं। सफल फैमिली सिस्टम प्यार, आपसी समझ और एक दूसरे के साथ सबकुछ साझा करने पर निर्भर करता है ताकि रिश्तों में गलतफहमियां ना हो। मैं परिवार में सभी के करीब हूं चाहे वो मेरी मां हों, पिता हों, पत्नी या फिर बच्चे। मेरा सभी के साथ खास रिश्ता है और मैं प्यार करता हूं।' हमारे परिवार की खास बात है कि हम दोस्त बनकर रहते हैं। हम आपस में सबकुछ शेयर करते हैं और मैं अपने बच्चों का दोस्त हूं और मेरे पैरेंट्स मेरे दोस्त हैं। मेरे और मेरी पत्नी के बीच भी दोस्ती का रिश्ता है।

सफेद गाउन में रुचि गुज्जर

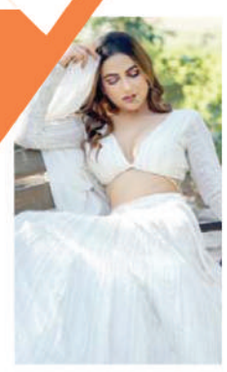

रुचि गुज्जर ने हाल ही में फोटोशूट में सुंदरता और शालीनता सफेद गाउन में दिखाई, जो परिष्कार और आकर्षण का मिश्रण है। तस्वीरें रुचि को विभिन्न मुद्राओं में कैद करती है, जो कलाकार और मॉडल के रूप में है। मिस्टर एंड मिस हरियाणा 2023 का खिताब जीता, जिससे फैशन और मॉडलिंग उद्योग में उनकी उपस्थिति मजबूत हो गई। गुज्जर डिजाइनर मोहित कपूर के लिए शो स्टॉपर के रूप में मंच पर पहुंची। राजस्थान के झुंझुनू जिले के मेहरा गुर्जरवास खेतड़ी गांव में जन्मी रुचि ने जयपुर से बीबीए में स्नातक की पढ़ाई पूरी की। सॉफ्टवेयर कंपनी में कर्मचारी के रूप में शुरू हुई लेकिन मॉडलिंग के प्रति उनके जुनून ने अंततः उन्हें फैशन की दुनिया में स्थानांतरित कर दिया। अमन वर्मा के साथ वायरल गाने ''एक लड़की'' और हरियाणवी हिट ''हेली मै चोर'' के लिए गुर्जर लहरें बना रही है।

सुधा चंद्रन का ट्विस्ट

कलर्स का ड्रामा 'डोरी' में, सुधा चंद्रन कैलाशी देवी ठाकुर की पिछड़ी सोच के साथ है। कैलाशी देवी ने गुप्त

योजना बनाई है लेकिन सच्चाइयों के सामने आने का खतरा है। असली कैलाशी देवी की एन्ट्री ठाकुर हवेली और परिवार के सभी सदस्यों को हैरान कर देने वाली है। सुधा चंद्रन कहती है, ''कैलाशी देवी का किरदार निभाने के कारण मुझे मिले अपार प्यार के बाद, मैं रोमांचित हूं। दोहरे किरदारों को निभाकर मुझे संतुष्टि का अनुभव होता है क्योंकि यह मेरे कलात्मक कैनवास का प्रसार करता है और मुझे भावनाओं के व्यापक ब्रशस्ट्रोक से इनमें पेंट करने देता है। इससे मैं दोनों किरदारों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे सकती हूं। कैलाशी के पारंपरिक आदर्शों, भाषा और तौर-तरीकों को अपनाने पर रहा है।''

माधुरी दीक्षित के साथ सुनील शेट्टी

बॉलीवुड के प्रिय अन्ना सुनील शेट्टी, सदाबहार सुंदरी माधुरी दीक्षित नेने के साथ कलर्स के 'डांस दीवाने' में बेहतरीन डांसर्स की तीन पीढ़ियों को एकजुट करने के लिए तैयार है। सुनील शेट्टी डांस सुपरस्टार्स को खोजने में सुर्खियों में आएंगे, साथ ही कला का प्रदर्शन करने पर उनका मार्गदर्शन भी करेंगे। माधुरी डांसिंग सेंसेशन को खोजते हुए अपनी अमूल्य जानकारी साझा करने, रचनात्मक आलोचना करने और शो को अपनी प्रभावशाली ऊर्जा से भरने के लिए तैयार है।

सूफी गायक सतिंदर ने दी अपनी आवाज

कलर्स का 'उड़ारियां' में प्रसिद्ध पंजाबी लोक और सूफी गायक सतिंदर सरताज ने संगीतमय प्रतिभा और भावपूर्ण धुनों के साथ सम्मोहक कहानी पेश की है। सतिंदर कहते है- ''सूफी, लोक और पंजाबी संगीत हमेशा से मेरी विशेषता रही है, और मै बड़े पैमाने पर पंजाबी संगीत को प्रदर्शित करते हुए शो के सीक्वेंस में अपनी आवाज़ देने को लेकर रोमांचित हूं। मै इस कहानी में भावनात्मक पहलू को बढ़ाने के लिए उत्सुक हूं और यही बात इस साझेदारी को वाकई रोमांचक बनाती है। संयोग से, मेरे सबसे लोकप्रिय गीतों में से उड़ारियां एक है, और इसे विज़ुअल एक्सटेंशन के रूप में देखकर खुशी हुई।''

मस्ती और रोमांच के साथ हँसी

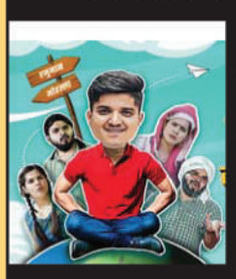

पारिवारिक शो 'मृदुल की दुनिया' में मृदुल शो का मुख्य किरदार है, जो अपने माता-पिता और बड़े भाई नितिन के साथ रहता है। मृदुल की माँ ही उनका घर चलाती हैं और बेहद सख्ती से परिवार की देखभाल करती हैं। जिसका प्रसारण सोमवार से शुक्रवार क्यू टीवी पर ही रहा है।

रोहित ने दिखाया क्रिकेट का हुनर

जी टीवी के शो 'भाग्य लक्ष्मी' लक्ष्मी (ऐश्वर्या खरे) और ऋषि (रोहित सुचंती) की जिंदगी है। रोहित शूटिंग को डिस्टर्ब किए बिना अपने सेट की व्यवस्तता से वक्त निकालकर को-स्टार अमन गांधी और क्रू के साथ फ्रेंडली क्रिकेट मैच खेलते है। रोहित ने कहा- ''थोड़ा ब्रेक टाइम को मजेदार और मनोरंजक बनाने के लिए अमन और मै आमतौर पर साथ साथ क्रिकेट खेलते है। क्रिकेट ऐसा स्पोर्ट है, जिसमें किसी उम्र या जेंडर का कोई बंधन नहीं होता। सभी उत्साहित रहते है। इस तरह के पल हमारे रिश्ते को बेहतर और मजबूत बनाते है।''

पारस ने घटाया 12 किलो वजन

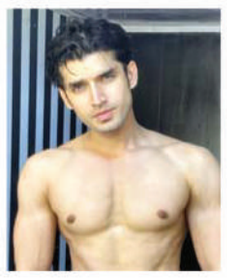

जीटीवी शो कुंडली भाग्य में जिंदगी के हर जज़्बात और इंसानी रिश्तों की गहराइयां दिखाई गई है। जहां पारस कलनावत ने रोल को लेकर फिटनेस के साथ-साथ 12 किलो वजन घटाकर जबर्दस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया। पारस कहते है, 'मै अपने फिटनेस गोल के काफी करीब हूं। मैने अब तक इसे हासिल नहीं किया है लेकिन मै 2024 में इसे पाने के लिए हर कोशिश करना चाहता हूं। मैने डेली रूटीन में कड़ी फिटनेस दिनचर्या शामिल की है। मेरा दिन सुबह 5:30 बजे शुरू होता है, जहां मै जिम में हाई इंटेंसिटी वर्कआउट करता हूं। इसमें मै स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और कार्डियो एक्सरसाइज़ दोनों शामिल करता हूं। मैं बैलेंस डाइट फॉलो करता हूं।''

अविनाश का असली रंग

सोनी सब की प्रेम गाथा 'पश्मीना - धागे मोहब्बत के' राघव (निशांत मलकानी) और पश्मीना (ईशा शर्मा) की प्रेम कहानी है। पश्मीना ने प्रीति (गौरी प्रधान) को यह कहते हुए सुन लिया कि अविनाश (हितेन तेजवानी) उसका पिता है। ईशा ने कहा, ''उसकी पहले से ही जटिल प्रेम कहानी और भी जटिल हो गई है क्योंकि आयशा, जिसकी राघव से सगाई हो चुकी है, उसकी सौतेली बहन बन गई है। पश्मीना को पता लगाना होगा कि वह अपने चालाक पिता को कैसे मात दे और उसकी बाज़ी पलट दे।''

सचिन-जिगर और श्रेया का 'तू मेरी है'

संगीत जोड़ी सचिन-जिगर और गायिका श्रेया घोषाल एक दशक के बाद नया रोमांटिक गाना 'तू मेरी है' जारी किया है। गाना, सचिन-जिगर द्वारा रचित है और जिगर सरैया और श्रेया घोषाल द्वारा गाया गया है। सचिन-जिगर ने कहा- ''तू मेरी है' के साथ, हमने गीत से लेकर संगीत रचना, दृश्य, कोरियोग्राफी और निश्चित रूप से प्यार के सार को सामने लाने की कोशिश की है। श्रेया घोषाल गा रही है। यह गाना वास्तव में हमारे दिल के करीब है।''

चुनौतियों के बीच काव्या

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर 'काव्या - एक जज़्बा, एक जुनून' में काव्या (सुम्बुल तौकीर खान) अपने जीवन में नए अध्याय की शुरुआत कर रही है। खान कहती हैं, ''अपने जीवन के इस नए अध्याय में गिरिराज के विरोध के बावजूद, काव्या को दृढ़ता से विश्वास है कि वो पत्नी, बहू होने की उलझनों को पार कर सकती है और महिला आईएएस अधिकारी के रूप में उत्कृष्टता जारी रख सकती है।''

पहले आयशा सिद्दीकी फिर सानिया मिर्जा और अब सना जावेद

पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक ने की तीसरी शादी, पाक एक्ट्रेस सना के साथ फोटो की शेयर, 2010 में सानिया मिर्जा से हुई थी दूसरी शादी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शोएब मलिक ने तीसरी शादी कर ली है। 41 साल के शोएब ने अब 30 साल की पाकिस्तानी एक्ट्रेस सना जावेद से शादी की। शोएब ने शनिवार को सना के साथ फोटो शेयर कर इसकी जानकारी दी।

शोएब की पहली शादी आयशा सिद्दीकी से हुई थी। जिनसे तलाक के बाद उन्होंने 2010 में भारत की पूर्व टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा से दूसरी शादी की। सानिया और शोएब के तलाक के बारे में अब तक ऑफिशियल जानकारी नहीं मिली है।

सना ने इंस्टाग्राम पर अपना सरनेम बदला

सना जावेद ने अपने बायो में पति शोएब मलिक का नाम भी जोड़ लिया। पहले उनके अकाउंट पर सना जावेद लिखा हुआ था, लेकिन अब उन्होंने अपने अकाउंट पर सना शोएब मलिक लिख लिया। इंस्टाग्राम पर उनकी भी आखिरी पोस्ट मलिक के साथ शादी की ही है। जिसका कैप्शन है, अलाहम्दुलिल्लाह, और उन्होंने हमें जोड़े में बनाया।

सानिया से 5 महीने डेटिंग के बाद की थी शादी

सानिया-शोएब की पहली मुलाकात साल 2004-2005 में भारत में हुई थी। दोनों की ज्यादा बातचीत नहीं हुई। दोनों 2009-2010 में ऑस्ट्रेलिया के शहर होबार्ट में फिर मिले। सानिया टेनिस खेलने और शोएब अपनी टीम के साथ क्रिकेट खेलने पहुंचे थे। इस समय पाकिस्तान की टीम ऑस्ट्रेलिया टूर पर थी। यहां दोनों की जान-पहचान दोस्ती में बदली और फिर मुलाकातों का सिलसिला शुरू हो गया। करीब 5 महीने तक एक-दूसरे को जानने के बाद 2010 में दोनों ने शादी करने का फैसला किया। हैदराबाद में 12 अप्रैल 2010 को सानिया और शोएब की शादी हुई। 15 अप्रैल को लाहौर में रिसेप्शन सेरेमनी हुई थी।

सानिया ने लिखा था, तलाक मुश्किल है...

सानिया मिर्जा ने बुधवार को लिखा था कि तलाक मुश्किल है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर स्टोरी लगाकर इंग्लिश में लिखा था, शादी मुश्किल है, तलाक मुश्किल है, अपनी मुश्किलें खुद चुनें। जीवन आसान नहीं, ये हमेशा ही मुश्किल रहेगा, लेकिन हम मुश्किल को चुन सकते हैं। ध्यान से चुनें।

शादी के 8 साल बाद जन्मा बेटा

सानिया मिर्जा और शोएब मलिक की शादी के 8 साल बाद 2018 में उनके बेटे इजहान का जन्म हुआ। सानिया ने अपने बेटे को जन्म देने के दौरान टेनिस से डेढ़ साल का ब्रेक लिया था। सानिया ने अपनी आत्मकथा 'ऐस अगेंस्ट ऑड्स' में लिखा है कि शोएब उनकी लाइफ में उस समय आए थे, जब वो अपनी प्रोफेशनल लाइफ में परेशानियों से जूझ रही थीं।

सानिया ने पिछले साल जनवरी में लिया था रिटायरमेंट

शोएब की दूसरी पत्नी सानिया भारत की पूर्व टेनिस खिलाड़ी हैं, उन्होंने जनवरी 2023 में खेल से रिटायरमेंट ले लिया। भारत के रोहन बोपन्ना के साथ उन्होंने हैदराबाद के लाल बहादुर स्टेडियम में फेयरवेल मैच खेलकर टेनिस को अलविदा कहा। सानिया ने टेनिस करियर में ज्यादा मैच डबल्स और मिक्स्ड डबल्स कैटेगरी में ही खेले। उन्होंने 6 ग्रैंड स्लैम जीते हैं। 2016 के रियो ओलंपिक में वह सेमीफाइनल स्टेज तक भी पहुंची थीं। ग्रैंड स्लैम के अलावा वह करियर में अलग-अलग लेवल पर 43 खिताब जीत चुकी हैं।

शोएब ने इंस्टाग्राम बायो से हटाया था सानिया का नाम

सानिया मिर्जा और शोएब के बीच तलाक की खबरें पिछले एक साल चर्चा में थीं। इससे पहले, जुलाई में शोएब मलिक ने अपने इंस्टाग्राम बायो में बदलाव किया था। शोएब ने सानिया मिर्जा का नाम अपने बायो से हटा दिया था। शोएब ने पहले अपने बायो में सानिया मिर्जा को मेंशन करते हुए लिखा था हसबैंड टु ए सुपरवुमन। उन्होंने बाद में यह लाइन अपने बायो से हटा दी। इसकी जगह लिखा- लिव अनब्रोकन।

आयशा से हुई थी शोएब की पहली शादी

मलिक ने तीसरी बार शादी की। उनकी पहली शादी 2002 में भारत के हैदराबाद की मॉडल आयशा सिद्दीकी से हुई। जिनसे 2010 में तलाक लेने के बाद शोएब ने सानिया मिर्जा से दूसरा निकाह किया। दोनों का रिलेशन 14 साल चला और अब उन्होंने पाकिस्तानी एक्ट्रेस सना जावेद से तीसरी शादी भी कर ली।

इंडिया ओपन: सात्विक-चिराग फाइनल में, एचएस प्रणय बाहर

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय खिलाड़ी सात्विक साईराजरंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने रोमांचक पुरुष युगल सेमीफानल में आरोन चिया और सोह वूई यिक की मलेशिया की जोड़ी को सीधे गेम में 21-18, 21-14 से हराकर इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। वहीं एचएस प्रणय की हार के साथ पुरुष एकल में भारत की चुनौती समाप्त हो गई। प्रणय शी युकी को खिलाफ 42 मिनट में 21-15, 21-5 से हराने के लिए अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा।

रणजी ट्रॉफी: दूसरी पारी में मप्र के 157/5

इंदौर,(खेसं)। दिल्ली ने मध्यप्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी के मैच में पहली पारी में 205 रन बनाकर 34 रन की मामूली बढ़त हासिल की। दिल्ली ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 86 रन से की लेकिन उसकी पूरी टीम 67.5 ओवर में आउट हो गई। मध्य प्रदेश ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 157 रन बना लिए है। उसकी कुल बढ़त 123 रन की हो गई है। उसकी तरफ से कप्तान शुभम शर्मा ने 79 रन बनाए।

राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप ग्वालियर में 11 फरवरी से

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) का कामकाज देख रही तदर्थ समिति ने शनिवार को घोषणा की कि अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन 11 से 17 फरवरी तक ग्वालियर में किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह बाजवा ने कहा, इन प्रतियोगिताओं का आयोजन ग्वालियर के शक्तिनगर में स्थित लक्ष्मीबाई शारीरिक शिक्षा राष्ट्रीय संस्थान किया जाएगा।

भारत-ए ने इंग्लैंड लायंस से ड्रॉ खेला

अहमदाबाद, (एजेंसी)। विकेटकीपर श्रीकर भारत (116 रन) ने शतक जड़कर इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए अपना मजबूत दावा पेश किया। वहीं उनकी पारी की बदौलत भारत-ए इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट मैच को ड्रा कराने में सफल रहा। भारतीय टीम के सामने 490 रन का मुश्किल लक्ष्य था। अंपायरों ने जब चौथे और अंतिम दिन मैच ड्रॉ समाप्त करने का फैसला किया तब भारत ने 125 ओवर में 5 विकेट पर 426 रन बनाए थे। इस तरह से वह लक्ष्य से 64 रन पीछे रह गया।

जका अशरफ ने अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

लाहौर,(एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की क्रिकेट प्रबंध समिति के अध्यक्ष जका अशरफ ने अपना कार्यकाल विस्तार खत्म होने से दो सप्ताह पहले ही पद से इस्तीफा दे दिया। जका जुलाई से सीएमसी के अध्यक्ष थे और सरकार ने नवंबर में उनका कार्यकाल चार फरवरी तक बढा दिया था।

रुतुजा भोसले आईटीएफ महिला ओपन से बाहर

बेंगलुरु,(एजेंसी)। भारत की रुतुजा भोसले शनिवार को फ्रांस की कैरोल मोनेट से हार कर केपीबी ट्रस्ट आईटीएफ महिला ओपन से बाहर हो गई। केएसएलटीए स्टेडियम में टूर्नामेंट की नंबर छह सीड के खिलाफ रुतुजा का यह कठिन ड्रा था क्योंकि टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले में उन्हें मोनेट ने दो सेटों में हरा दिया था। रुतुजा जादू दो सेटों में 6-2, 6-0 से हार गई।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: चेक गणराज्य की नोसकोवा ने किया बड़ा उलटफेर

स्वियातेक बाहर, अल्काराज अंतिम-16 में

मेलबर्न,(एजेंसी)। विश्व की नंबर वन महिला खिलाड़ी इगा स्वियातेक तीसरे दौर के संघर्षपूर्ण मैच में विश्व में 50वें नंबर की खिलाड़ी लिंडा नोसकोवा से हारकर ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गई। वहीं दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने पुरुष वर्ग के चौथे दौर में प्रवेश किया।

अल्काराज ने जांघ पर पट्टी बांधकर खेल रहे 18 वर्षीय शांग पर 6-1, 6-1, 1-0 से बढ़त बनायी हुई थी लेकिन चीन के खिलाड़ी ने 66 मिनट बाद रिटायर होने का फैसला किया। अब अल्काराज का सामना सर्बिया के मियोमीर केसकानोविच से होगा जिन्होंने पिछले साल सेमीफाइनल तक पहुंचे टॉमी पॉल पर 6-4, 3-6, 2-6, 7-6 (7), 6-0 से जीत हासिल की। नौवीं रैंकिंग पर काबिज हुबर्ट हुरकाज ने उगो हम्बर्ट की चुनौती 3-6, 6-1, 7-6 (4), 6-3 से समाप्त कर लगातार दूसरे साल चौथे दौर में जगह बनायी। अब वह फ्रांस के आर्थर काजॉक्स के सामने होंगे जिन्होंने 28वीं रैंकिंग पर काबिज टैलोन ग्रिक्सपूर पर 6-3, 6-3, 6-1 से जीत हासिल की।

महिला वर्ग में चेक गणराज्य की खिलाड़ी नोसकोवा ने स्वियातेक को 3-6, 6-3, 6-4 से पराजित करके टूर्नामेंट का बड़ा उलटफेर किया। चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता स्वियातेक ऑस्ट्रेलियाई ओपन में कभी सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई हैं। दूसरी तरफ 19 वर्ष की नोसकोवा पहली बार इस टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में खेल रही है। स्वियातेक ने पहले दो दौर में 2020 की ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सोफिया केनिन और 2022 की फाइनलिस्ट डेनियल कोलिंस को हराया था। तीसरे दौर में हार से उनका पिछले 18 मैचों से चला आ रहा विजय अभियान भी थम गया। चेक गणराज्य की खिलाड़ी के खिलाफ पहला सेट जीतने के बाद स्वियातेक की लय गड़बड़ा गई।

अजारेंका प्री-क्वार्टरफाइनल में

महिला वर्ग में दो बार की पूर्व चैम्पियन विक्टोरिया अजारेंका ने 11वीं रैंकिंग की खिलाड़ी येलेना ओस्टापेंको को 6-1, 7-5 से हराकर सातवीं बार प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। अगले दौर में अजारेंका की भिड़ंत यूक्रेन की क्वालीफायर डायना यास्त्रेमस्का से होगी जिन्होंने 27वीं रैंकिंग की खिलाड़ी एम्मा नावारो पर 6-2, 2-6 6-1 की जीत से ग्रैंडस्लैम में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी की। वह ओसियाने डोडिन के सामने होंगी जिन्होंने क्लारा बुरेल को 6-2, 6-4 से पराजित किया। वहीं 2017 अमेरिकी ओपन चैम्पियन और रोलां गैरां की उप विजेता स्लोआने स्टीफंस को दो घंटे 45 मिनट तक चले मुकाबले में अन्ना कालिन्सकाया से उलटफेर का सामना करना पड़ा। अन्ना कालिन्सकाया ने 6-7, 6-1, 6-4 से जीत हासिल की। जैस्मीन पाओलिनी ने अन्ना ब्लिंकोवा पर 7-6 (1), 6-4 की जीत से पहली बार मेजर टूर्नामेंट के चौथे दौर में जगह बनाई।

बालाजी-कोर्निया पुरुष युगल में हारे बोपन्ना-बाबोस मिश्रित युगल से हटे

भारत के एन श्रीराम बालाजी और रोमानिया के विक्टर व्लाड कोर्निया की जोड़ी पुरुष युगल के दूसरे दौर में अल सल्वाडोर के मार्सेला अरेवालो और क्रोएशिया के मेट पेविच से हारकर बाहर हो गई। इस जोड़ी को दसवीं वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वी ने 6-3, 6-3 से हराया। युकी भांबरी और नीदरलैंड के रॉबिन हासे और भारत के विजय सुंदर प्रशांत और अनिरूद्ध चंद्रशेखर की जोड़ी भी बाहर हो चुकी है। रोहन बोपन्ना और उनकी जोड़ीदार टिमिया बाबोस ने मिश्रित युगल से नाम वापिस ले लिया है। मिश्रित युगल मे कोई और भारतीय नहीं है।

ढिल्लों और नरूका ने कटाया पेरिस ओलंपिक का टिकट

भारत को मिले दो और कोटे, कुल संख्या 19 हुई

कुवैत सिटी,(एजेंसी)। युवा निशानेबाज रेजा ढिल्लों और अनंत जीत सिंह नरूका ने शॉटगन के लिए एशियाई ओलंपिक क्वालीफिकेशन में अपनी स्कीट स्पर्धाओं रजत पदक जीतकर पेरिस खेलों के लिए भारत को दो और कोटे दिलाए जिससे इनकी कुल संख्या 19 हो गई है। 19 वर्षीय ढिल्लों ने महिलाओं की स्कीट स्पर्धा में दूसरा स्थान हासिल कर 18वां कोटा जीता। इसके बाद नरूका ने पुरुष स्कीट फाइनल में 56 के स्कोर से पोडियम में दूसरा स्थान हासिल कर 19वां कोटा दिलाया।

नरूका फाइनल में ताईपे के मेंग युआन ली (57) से महज एक अंक से स्वर्ण पदक से चूक गये। मोहम्मद अलदाईहानी (47) ने कांस्य पदक जीतकर पुरुष फाइनल में दाव पर लगा दूसरा कोटा हासिल किया। ढिल्लों छह महिलाओं के फाइनल में आगे चल रही थीं लेकिन फिर वह दो-तीन निशाने चूककर चीन की जिनमेई गाओ से पिछड़ गयीं। गाओ ने 60 शॉट के फाइनल में 56 निशाने लगाकर पहला स्थान हासिल किया जबकि ढिल्लों 52 हिट के साथ रजत पदक जीतने में सफल रहीं। स्वर्ण पदक के मुकाबले में ढिल्लों दो बार चूकीं और गाओ ने तीन अंक की बढ़त से पहला स्थान प्राप्त किया।

नरूका क्वालीफिकेशन में 121 के कुल स्कोर से दूसरे स्थान से फाइनल में पहुंचे। वह चीन की मांग चेंगलोंग (122) से पीछे और ताइपे के मेंग युआन ली (121) से आगे थे। पुरुष स्कीट में अन्य निशानेबाजों में मुनेक बातुले और गुरजोत खांगुरा क्वालीफिकेशन में 18वें और 21वें स्थान पर रहे।

खेलमंत्री ने किया घुड़सवारी अकादमी का अवलोकन

भोपाल,(खेसं)। प्रदेश के खेलमंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शनिवार को मध्य प्रदेश राज्य घुड़सवारी अकादमी विशनखेडी, भोपाल का अवलोकन किया। मप्र राज्य घुडसवारी अकादमी, विशनखेडी की स्थापना वर्ष 2007 में की गई थी। अकादमी के खिलाड़ियों ने अब तक 44 अंतर्राष्ट्रीय और 176 राष्ट्रीय पदक अर्जित किए हैं। वर्तमान में घुडसवारी अकादमी में कुल 28 घोड़े हैं, जिसमें से 08 वॉर्म ब्लड और 20 थोरोब्रीड के घोड़े हैं। घुडसवारी अकादमी पर विश्वस्तरीय इंडोर एरीना, स्टॉफ क्वार्टर और नवीन अस्तबल का भी निर्माण किया जा रहा है। खेलमंत्री विश्वास सारंग को खेल संचालक रवि कुमार गुप्ता ने अकादमी के बारे में विस्तार से बताया। अपनी विजिट के दौरान खेलमंत्री जी ने सबसे पहले अस्तबल का निरीक्षण किया। इसके बाद शो-जम्पिंग एरीना, डेऊसाज एरीना, निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय स्तर के इंडोर एरीना हॉस्टल बिल्डिंग आदि का निरीक्षण किया। इसके अलावा हाल ही में बैंगलोर में आयोजित जूनियर नेशनल घुडसवारी प्रतियोगिता में पदक विजेता खिलाड़ियों ने खेलमंत्री से भेंट की। अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक, बूसान एशियन गेम्स के सिल्बर मेडलिस्ट केप्टन भागीरथ ने पदक विजेता खिलाड़ियों से खेलमंत्री जी का परिचय कराया। अकादमी के खिलाड़ियो ने प्रतियोगिता में 5 स्वर्ण, 4 रजत और 3 कांस्य पदकों के साथ कुल 12 पदक जीते। विभागीय अधिकारियों से चर्चा के दौरान खेलमंत्री जी ने घुड़सवारी खेल के लोकव्यापीकरण के लिए 10 साल की कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए।

बॉग्डॉन-कैसलनोवो की जोड़ी ने जीता डबल्स का खिताब

आईटीएफ: बॉग्डॉन सिंगल्स के सेमीफाइनल में भी पहुंचे

भोपाल,(खेसं)। 25 हजार डॉलर ईनामी राशि वाले अंतरराष्ट्रीय पुरुष टेनिस टूर्नामेंट आईटीएफ (इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन) में शनिवार का दिन रुस के बॉग्डॉन बोब्रोव के नाम रहा। वह सिंगल्स और डबल्स मुकाबलों में छाए रहे। उन्होंने डबल्स में खिताब जीता। इसके अलावा सिंगल्स सेमीफाइनल अपने नाम कर लिया। आज वह सिंगल्स की खिताबी टक्कर में टॉप सीड ओलिवर क्राफर्ड से भिड़ेंगे। पहले सिंगल्स सेमीफाइनल में उन्होंने डेविड पिचलर को 6-2, 2-6, 6-1 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। एक अन्य सेमीफाइनल में टॉप सीड ओलिवर क्राफर्ड ने तृतीय वरीयता प्राप्त यूक्रेन के एरिक वंशेबलोईम को अत्यंत कड़े मुकाबले में तीन सेटों में 6-2,6-7, 6-4 से हराया। यह मुकाबला शुरू से अंत कांटे का रहा जिसमें टॉप सीड ओलिवर क्राफर्ड ने कई बार अपना संयम खोया व चेयर अंपायर से बहस में उलझे। डबल्स फाइनल भारतीय खिलाड़ियों के लिए निराशाजनक रहा। इशाक इकबाल व फैसल कमर की जोड़ी को बॉग्डॉन बोब्रोव व लूका कैसलनोवो के सामने एकतरफा मुकाबले में 6-4, 6-2 से हारकर उपविजेता के खिताब से संतुष्ट होना पड़ा।

मैत्री क्रिकेट मैच में युवा शक्ति और डॉक्टर्स इलेवन जीते

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने किया उद्घाटन

भोपाल, (खेसं)। भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष स्वर्गीय विजेश लुनावत की याद में उनके जन्मदिन पर सेवा, सहयोग, टीम भावना और महिला सशक्तीकरण के लिए समर्पित विजेश लुनावत स्मृति फाउंडेशन के तत्वावधान में ओल्ड कैंपियन ग्राउंड पर आयोजित मैत्री क्रिकेट मैच का उद्घाटन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने किया। जिसके अन्तर्गत महिला वर्ग का मैच ध्वज वाहिनी तथा युवा शक्ति टीमों के बीच खेला गया। वहीं पुरुष वर्ग का मैच पत्रकार इलेवन और वीएलएफ डॉक्टर्स इलेवन के बीच खेला गया। रोमांचकारी मुकाबलों में मुस्कान लुनावत की कप्तानी में ध्वज वाहिनी टीम को 2 रनों से पराजित किया जबकि डॉक्टर शैलेश लुनावत की कप्तानी में वीएलएफ डॉक्टर्स इलेवन ने पत्रकार इलेवन को 16 रनों के अंतर से पराजित किया। अपने संबोधन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि लुनावत स्मृति फाउंडेशन स्वर्गीय लुनावत के सेवा कार्यों को लगातार आगे बढ़ा रहा है और नई ऊंचाइयों पर पहुंचा रहा है।

स्वर्गीय हुकुम की स्मृति में दो दिवसीय क्रिकेट 5 फरवरी से

● भोपाल/ खेल संवाददाता

ओल्ड कैम्पियन खेल मैदान पर भोपाल संभाग क्रिकेट संघ के द्वारा स्वर्गीय श्री हुकुम सिंह ठाकुर की स्मृति में दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 5 फरवरी से किया जाएगा। यह प्रतियोगिता दो प्रारूपों में खेली जाएगी। जो कि अंतर क्लब, अकादमी दो दिवसीय (90 ओवर) व कारपोरेट, डिपार्टमेंटल टी-20 लिमिटेड ओवर होगी। यह प्रतियोगिता भोपाल संभाग क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित की जा रही है जो कि मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ से मान्यता प्राप्त है और मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ के द्वारा निर्धारित मापदंडों व नियमों पर खेली जाएगी। दो दिवसीय इंटर क्लब, अकादमी की प्रतियोगिता में भोपाल संभाग के पंजीकृत खिलाड़ी एवं क्लब, अकादमी ही भाग ले सकते हैं।

भारतभूमि के जन-जन के मन में विराजे भगवान श्रीराम, लगभग पांच सदी के बाद अपनी जन्मस्थली अयोध्याधाम के मंदिर में विराजमान हो गए हैं। संपूर्ण देशवासी ही नहीं विश्वभर में रहने वाले रामभक्तों को कल होने वाली उनकी प्राण प्रतिष्ठा का बेसब्री से इंतजार है। इस अभूतपूर्व अवसर पर श्रीराम मंदिर की भव्यता के साथ प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की विशिष्टताओं के बारे में हम यहां बता रहे हैं। साथ ही मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के उन दिव्य गुणों पर भी प्रकाश डाल रहे हैं, जिन्हें हम सभी के आत्मसात करने पर ही रामराज्य की संकल्पना साकार हो सकती है।

श्रीराम विराजे अयोध्याधाम

दिव्य-भव्य राम मंदिर

नव-तीर्थस्थल / अपराजिता

अयोध्या में निर्माणरत राममंदिर दिखने में बहुत ही भव्य और मन को दिव्य एहसास से भर देने वाला है। मंदिर की नींव कई धार्मिक स्थानों से एकत्रित पवित्र मिट्टी पर रखी गई है, साथ ही इसके निर्माण में पूरी तरह से भारत की पारंपरिक, स्वदेशी तकनीक तथा पर्यावरण, जल संरक्षण पर विशेष ध्यान रखा गया है।

भारत का सबसे बड़ा मंदिर

डिजाइन के हिसाब से अयोध्या का राम मंदिर भारत का सबसे बड़ा मंदिर है, इसके मुख्य वास्तुकार चंद्रकांत सोमपुरा हैं। अहमदाबाद का रहने वाला सोमपुरा परिवार, दुनिया के कई देशों में हिंदू मंदिरों के अब तक 100 से ज्यादा डिजाइन बना चुका है। चंद्रकांत सोमपुरा के दादा प्रभाशंकर ओघड़ भाई नागर शैली के मंदिरों के अग्रणी डिजाइनरों में से एक रहे हैं। उन्होंने ही आधुनिक सोमनाथ मंदिर का डिजाइन और निर्माण किया था। सोमपुरा परिवार पिछले 36 सालों से राम मंदिर के निर्माण से जुड़ा हुआ है। केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय भूभौतिकी अनुसंधान संस्थान और मुंबई, गुवाहाटी समेत मद्रास आईआईटी के वैज्ञानिक मिट्टी परीक्षण, कंक्रीट और डिजाइन जैसे क्षेत्रों में सहायता कर रहे हैं।

विशाल क्षेत्र में निर्मित

अयोध्या का राम मंदिर, राम जन्मभूमि क्षेत्र में 2.7 एकड़ में बन रहा है। लेकिन अगर इसमें 'परिक्रमा पथ' भी जोड़ लिया जाए तो यह पूरा परिसर आठ एकड़ का हो जाता है। मंदिर की लंबाई 380 फीट, चौड़ाई 250 फीट और ऊंचाई 161 फीट है। मंदिर तीन मंजिला होगा और हर मंजिल की ऊंचाई 20 फीट होगी। मंदिर में कुल 392 खंभे बनेंगे। गर्भगृह में 160 और ऊपरी तल में 132 खंभे। मंदिर के मुख्य गर्भगृह में भगवान राम की बालरूप प्रतिमा होगी, जबकि प्रथम तल में श्रीराम दरबार होगा। मंदिर के गर्भगृह के लिए रामलला की मूर्ति को कर्नाटक के प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज ने बनाया है। यह मूर्ति भगवान राम के पांच वर्ष के बालस्वरूप की है। कल यानी 22 जनवरी को दिन में 12:29:08 से 12:30:32 के बीच, मृगशिरा नक्षत्र में, रामलला की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा होगी। इसके साथ ही, रामलला गर्भगृह में विराजमान हो जाएंगे। *

राम मंदिर के गर्भगृह समेत अन्य आंतरिक स्थल के भव्य दृश्य

कई देवताओं के होंगे मंदिर

मंदिर परिसर में छह अन्य मंदिर भी बनाए जा रहे हैं। ये सभी मंदिर, मंदिर परिसर में चारों कोने पर होंगे। इनमें भगवान सूर्य, माता भगवती, भगवान गणेश और भगवान शिव को समर्पित मंदिर बनाए जाएंगे। इसके साथ ही उत्तर दिशा में मां अन्नपूर्णा का और दक्षिण दिशा में बजरंगबली का मंदिर होगा। इन छह मंदिरों के अतिरिक्त इसके परिसर में महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, निषाद राज, माता शबरी और देवी अहिल्या के भी मंदिर होंगे, साथ ही पक्षीराज जटायु की विशाल मूर्ति भी लगाई जाएगी। मंदिर परिसर में प्रार्थना कक्ष, राम कथा कुंज, वैदिक पाठशाला, संत निवास, यति निवास, संग्रहालय और कैफेटेरिया को भी डिजाइन किया गया है। मंदिर के साथ इनका निर्माण भी किया जा रहा है। जब यह मंदिर पूरी तरह से बनकर तैयार हो जाएगा तो यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा हिंदू मंदिर होगा।

हर द्वार है विशाल-नक्काशीदार

मंदिर का मुख्य द्वार 'सिंह द्वार' है, जो पूर्व दिशा में है। सिंह द्वार से 32 सीढ़ियां चढ़कर मंदिर में प्रवेश होगा। मंदिर के इस भव्य द्वार का निर्माण लगभग साढ़े 13 करोड़ रुपए की लागत से हुआ है। इसके लिए मिर्जापुर से नक्काशीदार गुलाबी पत्थर मंगाए गए हैं। राममंदिर के दोनों तरफ 12-12 मीटर के स्तंभ बनाए जा रहे हैं। इन स्तंभों के बीच की दूरी करीब 30 मीटर होगी। पूरा बन जाने के बाद मंदिर में कुल 36 दरवाजे होंगे, जिसमें से 18 दरवाजे गर्भ गृह के होंगे। राममंदिर के ये सभी दरवाजे सागौन की लकड़ी से तैयार किए जा रहे हैं। ये सभी दरवाजे स्वर्णजड़ित होंगे। हर दरवाजे पर करीब 3 किलो सोना लगेगा। इन दरवाजों को हैदराबाद के कारीगरों ने तैयार किया है। मंदिर के दरवाजों पर बेहतरीन नक्काशी की गई है। अभी तक राम मंदिर का सिर्फ भूतल बनकर तैयार हुआ है। संपूर्ण मंदिर बनकर तैयार होने में दो साल और लगेंगे।

एक नहीं अनेक विशेषताएं

आगामी 22 जनवरी 2024 को प्रभु श्रीराम, बालरूप में जिस सिंहासन पर विराजमान होंगे, वह बनकर तैयार हो चुका है। यह सिंहासन संगमरमर से बना है और इस पर सोना मढ़ा है। इसके अलावा भगवान राम के मुकुट से लेकर तमाम तरह के जेवरात भी सोने के होंगे। रामलला की चरण पादुकाएं भी सोने की होंगी, जिनका वजन करीब 1 किलो है। मंदिर परिसर के स्तंभों में भगवान राम की 5,000 से ज्यादा आकृतियां बनाई जा रही हैं। अगर मंदिर में लगाए गए घंटे की बात करें तो बजाए जाने पर इसकी गूंज पूरे अयोध्याधाम परिसर समेत 15 किलोमीटर दूर तक सुनाई देगी। मंदिर के अंदर लगने वाला यह घंटा 2,100 किलोग्राम का है और अष्टधातु (सोना, चांदी, कॉपर, जिंक, लेड, टिन, आयरन, मरकरी) से तैयार किया गया है। इस घंटे को एटा के जलेसर में तैयार किया गया है। इस विशाल घंटे के अलावा भी मंदिर में कुछ अन्य बड़े घंटे होंगे, जिनका वजन 500 से 600 किलो तक होगा।

महायोजन / दिव्यज्योति 'नंदन'

अभूतपूर्व होगा प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम

किसी भी देश के इतिहास में कुछ तारीखों, कुछ घड़ियों का ऐतिहासिक महत्व होता है। कल यानी 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में होने वाला रामलला प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम, भारत के सांस्कृतिक इतिहास में ऐसा ही अभूतपूर्व पल होगा।

इसमें संदेह नहीं कि 22 जनवरी 2024 की तारीख, भारत की सांस्कृतिक यात्रा में नए युग के मोड़ के रूप में दर्ज होगा। यह होना स्वाभाविक है क्योंकि भारत में इस भव्य राम मंदिर के लिए 490 सालों तक लंबा इंतजार करना पड़ा, तब यह देश के इतिहास में गौरव का पल आया है।

देश-दुनिया में होंगे अनेक कार्यक्रम : किसी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम एक ऐसा धार्मिक आयोजन है, जो दुनिया में और कहीं नहीं होता, सिर्फ भारत में ही इसकी परंपरा है। इसमें पत्थर की प्रतिमाओं को मंत्रोच्चार के जरिए प्राणवान बनाया जाता है। कल के दिन विभिन्न संस्थानों, संगठनों के द्वारा पूरे देश में 10,000 से ज्यादा धार्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगे, जो इसी भव्य प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का विस्तार होंगे। देश ही नहीं दुनिया के भी सैकड़ों मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का स्थानीय संस्करण संपन्न किया जाएगा और इस कार्यक्रम की पल-पल का लाइव प्रसारण दुनिया के हर कोने तक पहुंचाया जाएगा।

आएंगे हजारों विशिष्ट अतिथि : शायद ही अब से पहले कोई धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम इतने बड़े पैमाने पर और इतना भव्य रूप में संपन्न हुआ हो। राम मंदिर के इस प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए हजारों अति विशेष लोग आमंत्रित किए गए हैं। सिर्फ भारतीयों को ही इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया बल्कि दुनिया भर के अलग-अलग महत्वपूर्ण लोगों को भी इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए न्यौता दिया गया है, जिनमें सिर्फ राजनेता या नौकरशाह भर नहीं हैं। बड़े-बड़े कारोबारी, फिल्मकार, खिलाड़ी, वैज्ञानिक और हर क्षेत्र के विशिष्ट लोग शामिल हैं। अयोध्या आने के लिए 7,000 से ज्यादा विशिष्ट भारतीयों को आमंत्रित किया गया है। भारत में रह रहे सैकड़ों डिप्लोमेट्स को भी इस कार्यक्रम का आमंत्रण दिया गया है और उम्मीद है कि 100 से भी ज्यादा देशों के बहुत सारे महत्वपूर्ण लोग इस कार्यक्रम में पहुंचेंगे।

गर्भगृह में स्थापित रामलला की मूर्ति

करोड़ों लोग होंगे साक्षी : इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में पूरी दुनिया में रह रहे लाखों भारतीय अपनी-अपनी जगह इसका स्थानीय विस्तार बनेंगे। इस कार्यक्रम में 4,000 संतों को भी विशेष तौर पर आमंत्रित किया गया है। एक अनुमान के मुताबिक माना जा रहा है कि 22 जनवरी को अयोध्या भले 22,000 लोग प्रत्यक्ष तौर पर पहुंचें, लेकिन पूरे देश में 22 करोड़ से ज्यादा लोग इस कार्यक्रम में सीधे लाइव जुड़ेंगे और इस महायोजन के साक्षी बनेंगे। यह आजतक के किसी भी तरह के कार्यक्रम में सबसे बड़ी संख्या होगी।

कई देशों से आ रहे अनुपम उपहार : भारतीय उपमहाद्वीप ही नहीं बल्कि एशिया के 24 देशों में किसी ना किसी रूप में राम और रामायण की विरासत मौजूद है, इसलिए प्रतीक के तौर पर इस प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में इन देशों से कुछ ना कुछ ऐसी विशिष्ट भेंट आ रही हैं, जिनसे यह कार्यक्रम सिर्फ अखिल भारतीय नहीं बल्कि अखिल विश्वस्तरीय कार्यक्रम के रूप में अपनी जगह बनाएगा। *

भगवान श्रीराम को अगर भारत का ही नहीं वैश्विक नायक माना जाता है तो इसके पीछे कई वजहें हैं। उनके व्यक्तित्व और व्यवहार में अनेक ऐसे गुण विद्यमान हैं, जो निर्विवाद रूप से संपूर्ण मनुष्यता के लिए आदर्श और अनुकरणीय हैं।

वैश्विक नायक हैं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम

आदर्श

लोकमित्र गौतम

माना जाता है कि दुनिया के 182 देशों में भगवान राम को पूजा जाता है। मॉरिशस, नेपाल, लाओस, थाईलैंड, वियतनाम, कंबोडिया, मलेशिया और इंडोनेशिया में तो श्रीराम राष्ट्रीय आदर्श के रूप में पूजे जाते हैं, भले इनमें से कई देशों में हिंदू धर्म की बहुलता नहीं है। दुनिया में कई सौ रामायणें हैं। नेपाल, इंडोनेशिया, जावा, इंडोचायना, बर्मा (म्यांमार) सबकी रामायणों में राम भारत के नहीं स्थानीय नायक माने जाते हैं। यही नहीं इन देशों में ऐसे कई चिन्ह, कई ऐसे प्रतीक भी मौजूद हैं, जिनसे पता चलता है कि रामजी यहां रहे होंगे या यहां पहुंचे होंगे। बैंकॉक में रामायण चित्रों की विश्व में सबसे लंबी शृंखला है। राम जैसी वैश्विक व्याप्ति दुनिया के किसी और नायक की नहीं है। ऐसी वैश्विक श्रद्धा भी किसी दूसरे महापुरुष के प्रति नहीं है।

हर भूमिका में स्थापित किए आदर्श: आज तक धरती पर भगवान राम जैसा कोई दूसरा आदर्श पुरुष नहीं हुआ। किसी काल्पनिक आदर्श पुरुष में जितने आदर्श गुण हो सकते हैं, भगवान राम में वे सभी गुण समाहित हैं। वे अपने साहस, निष्ठा और समर्पण के लिए जाने जाते हैं। उन्हें धार्मिकता, भक्ति और त्याग का अवतार माना जाता है। उन्हें धर्म यानी व्यवस्था के पालन के लिए जाना जाता है। उन्होंने एक राजा, एक भाई, एक पति, एक पुत्र और एक इंसान के रूप में धरती का सर्वश्रेष्ठ आदर्श स्थापित किया। कितनी ही विपरीत से विपरीत स्थितियां पैदा हुई हों, राम ने कभी धर्म का मार्ग नहीं त्यागा, उसका हमेशा पालन किया। भगवान राम का संत चरित्र उनकी कहानी और उनकी शिक्षाएं दुनिया के करोड़ों लोगों को प्रेरित करती हैं।

धर्माचरण से सदैव रहे अडिग: वे हमेशा उस बात के लिए खड़े रहे, जो न्यायसंगत और धर्मानुकूल थी, चाहे उसके लिए उन्हें कोई भी कीमत चुकानी पड़ी हो। वे हमेशा समाज के वंचित लोगों के साथ खड़े रहे। सहनशीलता और धैर्य जैसे गुण तो उनमें पराकाष्ठा की सीमा तक दिखते हैं। वे कभी किसी की निंदा नहीं करते। वे हमेशा कृतज्ञता, विनम्रता और अपनत्व से भरे रहते हैं।

अनुकरणीय गुण: भगवान राम का व्यक्तित्व भी अनुपम था। महर्षि वाल्मीकि ने उनके व्यक्तित्व का वर्णन करते हुए लिखा है, 'उनका चेहरा चंद्रमा के समान सौम्य, कांतिवाला, कोमल और सुंदर था। उनकी आंखें बड़ी और कमल के समान थीं। उनकी नाक उन्नत और चेहरे के अनुरुप सुडौल थी। उनके होंठों का रंग उगते हुए सूर्य की तरह रक्ताभ था। वह विद्वान, बुद्धिमान और अच्छे वक्ता थे। संपूर्ण विद्याओं में पारंगत और वेदों के ज्ञाता थे। शस्त्र विद्या में वे अपने पिता से भी आगे थे। उनकी स्मरणशक्ति अद्भुत थी। कोई कितना भी प्रयास कर ले, उन्हें कभी क्रोध नहीं आता था।' ये राम के आदर्श गुण ही हैं कि सदियों से हमारी संस्कृति के नायक हैं।

जन-जन के मन में बसे हैं राम: जब कोई दो अजनबी लोग भी मिलते हैं, वे एक-दूसरे से 'राम-राम' कहकर अभिवादन करते हैं। राम का नाम लेते ही उनके बीच से सारा अपरिचय दूर हो जाता है। एक अपनेपन का संबंध बन जाता है। वास्तव में श्रीराम महानतम आदर्शों, उच्च मूल्यों और मानवीय गुणों के पूर्ण विराम हैं। वे जन-जन के मन में बसते हैं। इसीलिए राम भारत के ही नहीं, समूची धरती के आदर्श, समूची मनुष्यता के नायक हैं। *

इसलिए माने जाते हैं मर्यादा पुरुषोत्तम

कुछ लोग उन्हें दिव्य प्रेम और भक्ति के प्रतीक के रूप में पूजते हैं, तो कुछ उन्हें एक आदर्श इंसान मानते हैं और उन्हें 'मर्यादा पुरुषोत्तम' के रूप में चित्रित करते हैं अर्थात पूर्ण पुरुष। भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम इसलिए कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने मनुष्य की सर्वश्रेष्ठ मर्यादाओं का पालन किया है। राम ने सभी रिश्तों को मान दिया, इसलिए उन्हें आदिपुरुष भी कहा जाता है। पूरी दुनिया इस पर सहमत है कि भगवान राम ने ही धरती में सभ्य समाज की स्थापना की है। उन्होंने अपने आचरण से दया, सत्य, सदाचार, मर्यादा, करुणा और धर्म के पालन का आदर्श उदाहरण पेश किया है। उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम इसलिए भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कभी भी एक क्षण मात्र को भी जीवन में मर्यादा का उल्लंघन नहीं किया। राम ने हमेशा धर्म के मार्ग का अनुसरण किया।

कल अयोध्याधाम में रामलला मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा होगी। हर ओर एक उल्लास है, रामराज की कामना मन में पनप रही है। ऐसा संभव है। हमारा जीवन सहज हो सकता है, बेहतर समाज निर्मित हो सकता है। इसके लिए हमें प्रभु राम के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेनी होगी। उनके गुणों को आत्मसात करना होगा।

सहज जीवन की राह दिखाते राम

प्रेरणास्रोत

डॉ. मोनिका शर्मा

आज के दौर में आम इंसान का जीवन भी जटिल हो गया है। सहज सी परिस्थितियां भी अनगिनत उलझनें लिए हैं। साथ के संग स्वार्थ जुड़ गया है। संबंधों में भाव कम और बंधन ज्यादा हैं। सामाजिक परिवेश में संवेदनाएं नदारद हैं तो पारिवारिक संबंधों में निश्छल प्रेम नहीं बचा। जीवन की उलझन, मन की टूटन और संवेदनशीलता के सिमटते संसार में प्रभु राम का अपना सा लगने वाला व्यक्तित्व हमें बहुत कुछ सिखाता है। राम, समग्र समाज को सहज, सहिष्णु और मानुषिक मर्यादा से जुड़ने का मार्ग दिखाते हैं।

सहजता: मर्यादा पुरुषोत्तम राम मन की दृढ़ता के साथ अपने व्यवहार को सहज रखना सिखाते हैं। जीवन के हर उतार-चढ़ाव में सरल बने रहने की सीख देते हैं। यही सरलता, आत्मीयता लाती है। हमारे मन को विनयशील बनाती है। आज के समय में इस धैर्य के साथ धरातल से जुड़े रहने की यह समझ बेहद जरूरी है। बहुत सी गलतियां तो स्वयं को कुछ विशेष समझ लेने के चलते ही होती हैं। सहजता से परे अभिमान और अर्थहीन औपचारिकता मन को दिशाहीन करती है। वहीं श्रीराम के चरित्र की सहजता सब कुछ जुटाने के इस दौर में व्यावहारिक रूप से मानक बन, ठहराव का पाठ पढ़ाती है।

निश्छलता: आज के दौर में अधिकतर लोग स्वार्थवश एक-दूसरे को पराजित करने के प्रयास में नजर आते हैं। परायों के साथ ही नहीं अपनों के साथ भी यह खेल खेलने से नहीं हिचकते हैं। इंसान स्वयं अपने व्यक्तित्व के छलावे को नहीं पहचान पा रहा है। लोग यह भूल ही गए हैं कि जीवन बिना छल और चालबाजी के भी चल सकता है। राम का निश्चल व्यक्तित्व, आज के दौर के इंसानों को भी एक ठहराव और निष्कपट जीवन जीने का पाठ पढ़ाता है। राम ने ना तो राजा के रूप में कपट के भाव को मन में जगह दी और ना ही राक्षसों से युद्ध करते हुए। जिसका अर्थ यही है कि हमें अपनी ओर से जीवन की हर परिस्थिति का सामना निश्चल मन से करना चाहिए। हर बात में क्रोध, आक्रोश और शिकायत के बजाय कर्मशील रहने का प्रयास करना चाहिए। राम किसी भी परिस्थिति में क्रुद्ध नहीं होते। निश्चल मन से अपने दायित्व निर्वहन में रत रहते हैं। सचमुच, कुटिलता से दूर अपनी ऊर्जा अपने जीवन को साधने में लगाने का परिणाम सदैव सकारात्मक होता है।

समानता: राम का मन हर भेदभाव से दूर रहा। समानता की यह सोच आज के विखंडित होते समाज के लिए हर मोर्चे पर आदर्श है। प्रभु राम का संयत व्यवहार हर मनुष्य के बिखरते मन को थामने की सीख लिए है। किसी जरूरतमंद की सहायता करते हुए एक जैसा भाव रखने से जुड़ी है। कहीं कोई ऊंच-नीच नहीं। भावनाओं और संवेदनाओं के धरातल पर बराबरी की यह सोच, परिष्कृत मानवीय जीवन जीने की सीख लिए हुए है। सगे-संबंधियों का मान रखना हो या अपरिचितों का सम्मान। उनके मर्यादित जीवन में भेदभाव कहीं नहीं दिखता। धन, पद और पहुंच से दूसरों का आकलन करने वाले वर्तमान समय में यह सम भाव बनाए रखना बहुत जरूरी है। किसी के साथ भी पक्षपात ना होने से उपजा अपनापन बहुत कुछ सहेज सकता है।

दृढ़ता: राम, मन को किसी द्वंद्व में नहीं उलझने देते हैं। राम, दारुण दुःख को भोगते हुए भी दृढ़ ही रहे। पीड़ा को झेलते हुए भी अचल और राज-काज संभालते हुए भी सधे मन के स्वामी बने रहे। जीवन की प्रत्येक परीक्षा में संयत। यह उनके मन की दृढ़ता ही थी कि ईश्वरीय अवतार होकर भी अपनी शक्तियों का कभी गलत इस्तेमाल नहीं किया। कहने का सारांश यही है कि एक बेहतर समाज और सहज जीवन के लिए आवश्यक है कि अपनी शक्ति के सार्थक इस्तेमाल से लेकर संबंधों के निभाव और प्रकृति-परिवेश के जुड़ाव तक, हम प्रभु श्रीराम से ऐसे मानवीय भाव-व्यवहार को सीखें, इसे अपने जीवन में उतारें। *

राष्ट्रीय बालिका दिवस अभियान लिंग भेदभाव के कारण एवं निवारण

प्रखर दानगंज चोलापुर- आज ग्राम पंचायत रौनाखुर्द , गौरा उपरवार, ताला , छित्तमपुर, रसड़ा, भिदूर, बबियाँव,चौबेपुर खुर्द में संगोष्ठी किया गया। जिसमें लिंग के आधार पर महिलाओं एवं किशोरियों के साथ भेदभाव की रुढ़ी बहुत पहले से चली आ रही है। पूरे विश्व में महिलाओं एवं किशोरियों के साथ भारत में सबसे ज्यादा लिंग के आधार पर भेदभाव,शोषण एवं अपराध किया जाता है। मां के गर्भ में भी बेटियां सुरक्षित नहीं हैं लड़के की चाहत में कितनी ही बालिका शिशुओं को गर्भ में मार दिया जाता है। लड़कियों एवं महिलाओं के साथ उनके स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, नौकरी, बाहर आने जाने, मन मुताबिक जीवन यापन करने, कपड़े पहनने आदि सब पर रोक - टोक लगाया जाता है जबकि पुरुष वर्ग के साथ ऐसा कोई रोक-टोक नहीं लगाया जाता। यह भारतीय समाज की परंपरागत रुढ़ी है जिसे खत्म करना है। भारतीय संविधान में इसके लिए दंड की व्यवस्था भी की गई है इसके पश्चात भी कन्या भ्रूण हत्या एवं महिलाओं एवं किशोरियों के साथ लिंग के आधार पर भेदभाव, अपराध हो रहा है। इसे खत्म करने हेतु हमें आपको आगे आना होगा अपने सोच में परिवर्तन लाना होगा तथा बेटियों का सम्मान एवं सहयोग करना होगा। उनके जीवन को बचाना होगा। तब संवैधानिक दिशा में नए समाज का निर्माण हो पाएगा।

आर्म्स एक्ट से सम्बन्धित 5 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। थाना सैदपुर पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 007/2024 धारा 402/411/419/420 /467/ 468/471 भा0द0वि0 व 3/25 आर्म्स एक्ट से सम्बन्धित 5 नफर अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत दिनांक 21 जनवरी 2024 को प्र0नि0 सैदपुर के कुशल निर्देशन मे व0उ0नि0 प्रताप नारायण यादव उ0नि0 मइयादीन मय पुलिस बल द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 मु0अ0सं0 007/2024 धारा 402/411/419/420 /467/ 468/471 भा0द0वि0 व 3/25 आर्म्स एक्ट समय करीब 02.35 बजे 5 नफर अभियुक्तगण हनीफ खान पुत्र यूनुश खान निवासी डहरा कला थाना सैदपुर जनपद गाजीपुर, सुनील यादव पुत्र हरिनाथ यादव सा0 रामपुर माँझा थाना रामपुर माँझा जनपद गाजीपुर, राम नरायन मिश्रा उर्फ मुनटुन पुत्र अवधेश मिश्र सा0 रामपुर माझा थाना रामपुर माँझा जिला गाजीपुर, श्रवण यादव पुत्र राजेन्द्र यादव सा0 रामपुर मांझा थाना रामपुर मांझा जिला गाजीपुर व शेखर पुत्र सुबेदार सा0 सरैया थाना सादात जिला गाजीपुर को माहपुर नहर पुलिया वहदग्राम माहपुर थाना सैदपुर जनपद गाजीपुर से गिरफ्तार किया गया और अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। अभियुक्तो को गिरफ्तार करने वाली टीम में व0उ0नि0 प्रताप नारायन, उ0नि0 मईयादीन, का0 अक्षय कुमार, का0 सर्वेश कुमार, का0 राकेश पाल, का0 केशव निषाद, का0 मनीष तिवारी शामिल रहे।

पूर्व मंत्री विजय मिश्र ने स्वच्छ तीर्थ अभियान के तहत बूढ़े महादेव प्राचीन मंदिर के परिसर में की साफ-सफाई

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नगर के रूईमण्डी स्थित बूढ़े महादेव प्राचीन मंदिर के परिसर में पूर्व मंत्री विजय मिश्र ने पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं सभासद सुशील वर्मा के साथ रविवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर स्वच्छ तीर्थ अभियान के तहत सफाई का कार्य किया। उन्होंने कहा कि हम सब परम सौभाग्यशाली हैं कि जिस शुभ क्षण के लिए हमारे पूर्वजों ने संघर्ष/बलिदान दिया, अयोध्या में भगवान श्रीराम के जन्म स्थान पर मंदिर और भगवान श्रीराम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का वह शुभ क्षण 22 जनवरी को आ गया है। आगे उन्होंने कहा कि यशश्वी प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के आवाह्न पर मंदिरों और तीर्थ स्थलों की सफाई के लिए अभियान चलाया गया है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी प्रदेशवासी 22 जनवरी को दिवाली की तरह मनाएं और अपने घरों में दीप जलाएं। यह दिन किसी पर्व से कम नही है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने देश को स्वच्छ बनाने के लिए सफाई अभियान चलाया था। उसे देखते हुए लोगों की सोच बदली है। मंदिरों में भी इसी तरह से अभियान चलाया जा रहा है।

निकाली गई भव्य शोभायात्रा,रामधुन पर खूब थिरके पूर्व विधायक

प्रखर केराकत जौनपुर। अयोध्या के बाबा राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के एक दिवस पूर्व बरइछ मोढ़ेला से भगवान राम जी की झांकी के साथ भव्य शोभा यात्रा निकाली गई,यात्रा का संयोजन दिनेश पांडेय उर्फ दीन्नु एवं उनके साथियों नें किया था। श्री राम भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा था भव्य यात्रा में,श्री राम के नारे का जयघोष करते हुए सभी राम भक्त यात्रा में अपना अपना सहयोग प्रदान किए। यात्रा का शुभारंभ केराकत विधानसभा के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी,वरिष्ठ समाजसेवी ध्रुव कुमार सिंह,अजय प्रकाश सिंह उर्फ केङ्कडीङ्क एवं बिना सिंह रघुवंशी ने किया। आगे यात्रा चली तो मुफ्तीगंज ब्लॉक के पूर्व प्रमुख मिनट प्रकाश सिंह,उषा किरण,परमहंस सिंह,बबलू सिंह भाजपा थाना गद्दी मंडल के अध्यक्ष रामसमुझ निषाद सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे। पूर्व विधायक दिनेश चौधरी के मीडिया प्रभारी गौतम मिश्र गोलू ने बताया कि जब यात्रा चंदवक बाजार में पहुंची तो राम भक्तों के अंदर उमड़े हुए उत्साह को देखकर पूर्व विधायक दिनेश चौधरी भी अपने आप को रोक नहीं पाए और श्री राम के धुन पर राम भक्तों के साथ खूब थिरके,तालियां बजा करके उनका उत्साह वर्धन किया। चंदवक थानाध्यक्ष अपने हमराहियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद दिखे।

उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा 24 से 26 जनवरी तक तीन दिवसीय प्रदर्शनी होगी आयोजित

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। 24-26 जनवरी, तक तीन दिवसीय आयोजित प्रदर्शनी उ0प्र0 प्रदेश दिवस का पूरी भव्यता से रायफल क्लब परिसर में किया जाना है। यह प्रदर्शनी जनपद में 24-26 जनवरी, 2024 उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर परिसर में समस्त विभागो द्वारा सरकारी की महत्वपूर्ण योजनाये, लाभपरक योजनाओ प्रदर्शनी लगायी जायेगी। इस अवसर पर नाटक, लोकगीत, नृत्य एवं धोबिया नाच का कार्यक्रम कर जागरूकता एवं 24 जनवरी, 2024 को ही राष्ट्रीय मतदाता दिवस की भी शपथ दिया जायेगा। पर्यटन सूचना विभाग द्वारा पर्यटन से सम्बंधी लघु फिल्म की प्रस्तुति दी जायेगी एवं उद्योग केन्द्र गाजीपुर द्वारा कार्यक्रम का प्रदशनी एवं स्टाल लगायी जायेगी। जिलाधिकारी ने निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य ने विकास भवन सभागार में बैठक के दौरान बताया कि कि उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागो द्वारा प्रदर्शनी लगायी जाय। विभागो द्वारा अपनी-अपनी लाभकारी योजनाओ को व्यक्तियों को बताया जाय। कार्यक्रम मे जनपद के साहित्यकारो, कवियों, खिलाडियों, आंगनवाड़ी, सफाईकर्मी, आशा, स्वयं सेवा समूह की महिलाओ एवं विभिन्न विभागो मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों/कर्मचारियो को भी सम्मानित भी किया जाने की व्यावस्था की जाय। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के मध्य विभिन्न प्रतियोगिताए-जूडो-कराटे /निबंध लेखन/ वाद-विवाद/भाषण/ चित्रकला/ मूर्तिकला/ कविता पाठ/ पेंटिंग/रंगोली आदि कार्यक्रम जिला विद्यालय निरीक्षक/जिला बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा किया जाना है। जिनको रामोत्सव के विषयों से जोड़ा जाये। प्रदर्शन मेला में मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया है कि खेल विभाग द्वारा ग्रामीण स्तर के खेलों यथा-खो-खो, कबड्डी, शूटिंग, बॉल क्रिकेट, टेनिस, दौड़, बाधा दौड़, इत्यादि की भी प्रतियोगिताये

करायी जाय एवं प्रदर्शन में अच्छे बच्चो को चिन्हित कर पुरस्कार वितरण करायी जायेगी। इसके उपरान्त विभिन्न विभागों एवं जनपद की ऐसी विशिष्ट सफल प्रतिभाओं को आमंत्रित कर सम्मानित किया जाय। इसके अतिरिक्त समस्त जनपदस्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि रामोत्सव प्राण प्रतिष्ठा एवं उत्तर प्रदेश दिवस 2024 एवं राष्ट्रीय मतदाता दिवस के दृष्टिगत दिनांक 22 से 26 जनवरी, 2024 तक समस्त सरकारी कार्यालयों की साफ-सफाई, रंगाई-पुताई व कार्यालयों को विशेष रूप से सजाने हेतु दीपोत्सव/लाइंटिग आदि का कार्य कराना सुनिश्चित करेंगे।

6 परिवारों की हुई विदाई

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। परिवार परामर्श केन्द्र गाजीपुर द्वारा पुलिसं लाइन्स गाजीपुर के प्रागण मे पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के कुशल निर्देशन मे कुल 14 परिवारिक विवाद प्रस्तुत हुये। इनमें कंचन देवी पत्नी गौतम राम निवासी पंचदेवरा थाना रामपुर मांझा जनपद गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति दहेज में मोटर साइकिल न मिलने के कारण उसके साथ हमेशा मारपीट करते रहते है। इस पर पति को समझाकर विदाई करवाई गई। रीमा देवी पत्नी पंकज निवासी खिलवा कुसुम्ही कला थाना नन्दगंज जनपद गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति उसे हमेशा शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताडित करते रहते है। इस पर पति को समझाकर विदाई करवाई गई। स्वेता पाण्डेय पत्नी विश्वजीत पाण्डेय निवासी रामपुर थाना रामपुर मांझा जनपद गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति उसके मायके पक्ष को बिना कारण ही गाली देते रहते है, उनके इस व्यवहार से वह उन से दूरी बनाये हुये है। इस पर पति पत्नी दोनो को समझाकर विदाई करवाई गई। अनिता देवी पत्नी प्रमोद बिन्द निवासी सौरी थाना शादियाबाद जनपद गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति पडोसी के कहने पर उसके साथ हमेशा मार पीट करते रहते है। इस पर पति को समझाकर विदाई करवाई गई। सुमन देवी पत्नी सतीष कुमार निवासी नबावगंज (कागदीमहल) थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर की शिकायत थी कि उसकी ननद हमेशा उसके स्वास्थ्य को लेकर ताना मारती रहती है, जिस के कारण पति भी उसके साथ दूरी बनाये हुये है। इस पर पति और ननद को समझाकर विदाई करवाई गई। लक्ष्मी पासवान पत्नी भरत पासवान निवासी गंगौली थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति और ससुर दोनो मिलकर उसके साथ मारपीट करते रहते है। इस पर पति और ससुर दोनो को समझाकर विदाई करवाई गई। 2 परिवारिक विवाद कुशलता के बाद बन्द कर दिये गये। 3 पारिवारिक विवाद मे अत्याधिक ठंड के कारण दोनो पक्ष उपस्थित नही हुये। 2 परिवारिक विवाद में लडका पक्ष उपस्थित नही था जबकि 1 परिवारिक विवाद में लडकी पक्ष उपस्थित नही था।

इन सभी प्रकरणो के निस्तारण में सोनिया सिंह, सरिता गुप्ता, शिवशंकर तिवारी, वीरेन्द्र नाथ राम, महिला सहायता प्रकोष्ठ प्रभारी निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार वर्मा, महिला आरक्षी सुनिता गिरी, आरक्षी आलेश कुमार, महिला आरक्षी रोली सिंह, महिला आरक्षी रागिनी चौबे, महिला होमगार्ड उर्मिला गिरी, महिला प्रातीय रक्षा दल गीता देवी आदि लोग प्रमुख थे।

श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा पर दीपकोत्सव से जगमग होगी जखनियां : प्रमोद वर्मा

प्रखर ब्यूरो जखनिया/ गाजीपुर। स्थानीय जखनिया बाजार में 22 जनवरी दिन सोमवार को श्री राम लाल प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को दिव्य एवं भव्य बनाने व हर घर में "श्री राम ज्योति" जलाने हेतु जखनिया के राम भक्तों ने व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा के नेतृत्व में 51 हजार मिट्टी के दीयों का वितरण बाजार में किया। इस अवसर पर प्रमोद वर्मा ने कहा हम सभी सौभाग्यशाली है कि अपने जीवन काल मे अपने आराध्य प्रभु श्रीराम का मंदिर मे प्राण प्रतिष्ठा का सजीव चित्रण देखने को मिल रहा है, जिसके लिये 500 वर्षों का कठोर संघर्ष हम लोगों के पूर्वजों ने किया है। इस स्वर्णिम अवसर को अलौकिक बनाये 22 जनवरी को धूमधाम से भव्य दीपावली मनायें, इस पल को ऐतिहासिक बनाये, आप सभी से आग्रह किया। वर्मा ने कहा प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को लेकर अयोध्या, प्रदेश, देश और दुनिया में राम भक्त उत्साहित हैं। वर्षों के

संघर्ष के बाद भगवान राम पूरे वैभव के साथ अपने मंदिर में विराजने जा रहे हैं। रामभक्तों ने इस ऐतिहासिक अवसर को पूरे देश में पर्व की तरह मनाने की अपील की है। दिन में प्रभु श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में अपने आसपास के मठ, मन्दिरों, शिवालयों में सुबह 11.00-1.00 बजे तक पूजा पाठ करने के बाद रात में हर देशवासी से अपने घर में दीप प्रज्ज्वलित करे। वर्मा ने अपील की है कि जखनियां वासी सिर्फ घरों में ही नहीं, बल्कि दुकानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों (होटल, फैक्ट्री, कारखाने, प्लांट आदि), कार्यालयों (सरकारी व निजी) और पौराणिक एवं ऐतिहासिक स्थलों पर भी दीपोत्सव करें। 'श्रीराम ज्योति' के माध्यम से बिखरी आभा से पूरा वातावरण राममय हो जाए। वर्मा ने कहा प्रभु श्री राम हमारे आराध्य ही नहीं, हमारे गौरव हैं, हमारे इतिहास हैं, हमारे भविष्य हैं, हमारे वर्तमान है, हमारे स्वाभिमान है। हम सभी मिलकर इस उत्सव को महा उत्सव के रूप में मनाएंगे।

इस मौके पर जिला सहकार्यवाह दुर्गा प्रसाद, भाजपा मंडल अध्यक्ष धर्मवीर राजभर, पूर्व मंडल अध्यक्ष उमाशंकर यादव, व्यापारी नेता अशोक गुप्ता, अजय सिंह, राजू गुप्ता, प्रशान्त सिंह, सद्दाम, सहित जखनिया के प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

हरिशंकरी के राम चबूतरे पर भाजपा एवं रामलीला कमेटी के सदस्यों द्वारा चलाया गया स्वच्छता अभियान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पुर्व चलाए जा रहे स्वच्छता तीर्थ अभियान में आज रविवार को हरिशंकरी के राम चबूतरे पर भाजपा एवं रामलीला कमेटी के द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। आज के स्वच्छता अभियान में प्रमुख भाजपा युवा नेता अभिनव सिन्हा के द्वारा साफ सफाई किया गया। इस अवसर पर अभिनव सिन्हा ने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के पहले ऐसा नेता हैं जो देश के समृद्धि में स्वच्छता को स्वीकार कर इसे जन आंदोलन का रुप दिया है। भगवान राम चन्द्र के अपने नये घर में आगमन पर देश मे भारी उल्लास है। इस दौरान विनोद अग्रवाल ने कहा कि श्री राम मंदिर निर्माण को लेकर जो अवरोध और बाधाएं थी उसमें भारतीय जनता पार्टी ने जो संघर्ष किया वह सफल हुआ और आज जन आस्था और विश्वास मजबूत हुआ है। इस अवसर पर नगर मंडल एवं रामलीला कमेटी के रास बिहारी राय, संतोष जायसवाल, अभिनव सिंह छोटू , विजय राय, ओमप्रकाश तिवारी, अशोक अग्रवाल, मयंक तिवारी,

रोहित अग्रवाल, राजकुमार शर्मा, सुधीर अग्रवाल, लवदत्त त्रिवेदी, पिंटू अग्रवाल, सूर्यप्रकाश यादव, विशाल चौरसिया, नंदू कुशवाहा, दीपक जायसवाल, सहित अन्य कार्यकताओं एवं रामलीला कमेटी के सदस्यों ने स्वच्छता में भाग लिया।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय महासचिव सत्यप्रकाश की माता का निधन

प्रखर वाराणसी। समाजवादी पार्टी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव सत्यप्रकाश सोनकर की माता जी नगवां वार्ड की पूर्व पार्षद श्रीमती गीता देवी का निधन हो गया । बताते चले की श्रीमती गीता देवी नगवां वार्ड की 2012 से 2017 तक पार्षद रहीं । गीता देवी अपने पीछे तीन पुत्र और दो पुत्री छोड़ गई । मुखाग्नि बड़े पुत्र सिंचाई विभाग में वरिष्ठ लिपिक आनंद प्रकाश ने दिया। श्रीमती गीता देवी के आसमयिक निधन की सूचना पाकर पूर्व मंत्री मनोज राय धूपचंडी, एमएलसी आशुतोष सिन्हा, बाबा साहब वाहिनी राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती, विधायक प्रभुनारायण यादव, विधायक संग्राम यादव, पूर्व सांसद रामकिशन यादव, पूर्व पार्षद वरुण सिंह, जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़, महानगर अध्यक्ष दिलीप डे, विष्णु शर्मा, राजू यादव, विकास यादव बच्चा, संजय यादव, सहित स्थानीय लोग एवं समाजवादियों सहित विभिन्न दल के लोगों शोक व्यक्त किया।

श्री राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर भीटी खोरिया में कथा प्रवचन व कलश यात्रा का हुआ आयोजन

प्रखर सहजनवां, गोरखपुर। श्री राम मंदिर अयोध्या धाम में प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर कथा प्रवचन एवं कलश यात्रा आयोजन ग्रामसभा भीटी खोरिया में 20 जनवरी दिन शनिवार को भव्य रूप से किया गया। मिली जानकारी से यह कथा 20 जनवरी से 28 जनवरी तक कथावाचक मानस महारथी जी मानस केसरी जी पूज्य मानस मंदाकिनी के द्वारा सुनाया जायेगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष बाबू राम पाण्डेय, शिवनारायण पांडे, तेज नारायण पांडे, दुर्विजय पांडे एवं समस्त ग्राम वासी व सैकड़ों कि संख्या में भक्तगण मौजूद थे।

समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के जिला उपाध्यक्ष नियुक्त हुए अधिवक्ता कमरे आलम

प्रखर सहजनवां, गोरखपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनुमति से प्रदेश अध्यक्ष माननीय नरेश उत्तम पटेल जी की संस्तुति से जनाब सकील नदवी की अनुमति से 324-विधानसभा सहजनवां भीटी रावत के मूल निवासी अधिवक्ता कमरे आलम को समाजवादी अल्पसंख्यक सभा गोरखपुर का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इस मौके पर समाजवादी अल्पसंख्यक सभा गोरखपुर के जिला अध्यक्ष रफी अल्लाह सलमानी ने कहा अधिवक्ता कमरे आलम के कर्मठ प्रयास से जनपद भर में अल्पसंख्यक के समाज बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी से जुड़ेगा,जिससे संगठन और मजबूत होगा। मनोनीत होने के बाद से ही अधिवक्ता कमरे आलम को बधाई देने वालों का ताता लग रहा है। बधाई देने वालों में मुख्य रूप से पूर्व विधायक यशपाल सिंह रावत,रामनाथ यादव,गिरीश यादव,राजेंद्र यादव,सईद बाबू रहबर,चिखुरी प्रसाद,प्रेमचन्द्र प्रधान,प्रदीप यादव,अजीत यादव,ताज मोहम्मद मजनूं समेत भारी संख्या में समाजवादी पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

3 तमंचा व 6 कारतूस के साथ 3 अभियुक्त हुए गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। थाना मरदह पुलिस द्वारा 3 तमंचा .315 बोर व 6 जिन्दा कारतूस .315 बोर के साथ 3 नफर अभियुक्तगण की सफल गिरफ्तारी की है। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत दिनांक 20 जनवरी 2024 को मुखबिर की सूचना पर पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के ऊपर टोल प्लाजा थाना मरदह जनपद गाजीपुर क्षेत्र में 3 नाजायज तमंचा .315 बोर व 6 जिंदा कारतूस .315 बोर के साथ 3 नफर अभियुक्तगण अजय कुमार उर्फ सन्दीप पुत्र अमरेश राम उम्र 26 वर्ष, रवि कुमार पुत्र स्व0 सीताराम उम्र 21 वर्ष नि0गण हैदरगंज सिपाही का पुरा थाना मरदह जनपद गाजीपुर व प्रशान्त कुमार पुत्र इन्द्रजीत प्रसाद उम्र 23 वर्ष निवासी बकवल थाना सरायलखंशी जनपद मऊ को गिरफ्तार किया गया। जिसके सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 10/2024 धारा 3/25 आयुध अधि0 पंजीकृत हुआ है। गुरफ्तारशुदा अभियुक्तगण के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी उ0नि0 ओमकार तिवारी, का0 बलवन्त सिंह, का0 सत्येन्द्र कुमार, का0 रत्नेश कुमार, का0 विजय कुमार पाल थाना मरदह जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

चलती ट्रेन में महिला का रुपये से भरा पर्स चोरी

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। जनपद महराजगंज बृजमनगंज क्षेत्र की महिला का रुपये से भरा पर्स चलती ट्रेन में हुआ चोरी ।महिला ने बताया कि वह अपने मायके कंपियरगंज से आज सुबह 10:00 बजे 15000 लेकर गिरवी रखे जेवरात को छुड़ाने के लिए गोरखपुर बढनी डेमू ट्रेन 05033 से अपने ससुराल बृजमनगंज आ रही थी ।ट्रेन में उसे झपकी भी आ रही थी ट्रेन जब लेहड़ा स्टेशन पर पहुंची तो उसका ध्यान पर्स पर्स पर गया पर्स को अपने पास न देखकर बेचैन हो गई उसने बताया कि रेल लेहडा.स्टेशन पहुंचने तक उसके पास पर्स मौजूद था। बृजमनगंज थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं काफी बढ़ गई है। पीड़ित महिला ने अपना नाम सन्नो पत्नी स्वर्गीय वसीम थाना रोड शाहाबाद बृजमनगंज निवासी बताया हैं।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं